ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 2, अंक 285, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

फिर से... एनडीए

● कई राज्यों में बदले आंकड़े, सीटें घटीं पर सरकार बची

● तीसरी बार बनी एनडीए की सरकार, मिला पूर्ण बहुमत

291
सीटों पर आगे राजग

235
सीटों पर इंडिया गठबंधन आगे

272
सीटें चाहिए पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए

41
एनडीए और इंडिया गठबंधन में 37 दल

लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव लोकसभा चुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया कि जनता क्या चाहती है देश को विकास की दहलीज तक ले जाने वाले एनडीए को एक बार फिर जनता ने अपना सरताज चुना है। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार वाराणासी से जीत दर्ज की है। भाजपा भले ही 400 का आंकड़ा पार न कर पाई हो लेकिन देश की बागडोर उतनी ही मजबूती से थामे रखने की क्षमता और आमजन को आगे बढ़ाने की उम्मीद व उत्साह से ओत-प्रोत नजर आ रही है। वैसे उत्तर प्रदेश में विपक्ष गठबंधन ने इस चुनाव में उलटफेर की हवा को तेज जरूर किया है लेकिन सफलता हासिल नहीं कर पाई। कई राज्यों में भाजपा ने जीत का ध्वज लहराया तो कई राज्यों में भारी नुकसान का सामना भी करना पड़ा। कई दिग्गज प्रत्याशियों को एक लाख वोटों से अधिक की जीत मिली तो कई को अपनी सीट से हाथ धोना पड़ा। कुल मिलाकर एनडीए के हिस्से में सरकार तो आ गई पर सीटों का आंकड़ा मनचाहा न हो सका।

प्रदेश में सपा-कांग्रेस मजबूती से उभरी

नई दिल्ली, ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तीसरी बार राजग की सरकार बनने जा रही है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भाजपा भले ही 2019 की तरह प्रदर्शन न कर पाई हो, लेकिन इस बार भी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मतगणना के बाद शाम 10 बजे तक सामने आए रुझानों से तय है कि भाजपा को स्पष्ट बहुमत न मिला हो, लेकिन बहुमत राजग के साथ ही है। आठ बजे तक के परिणामों में एनडीए 291 सीटों पर आगे थी, वहीं इंडिया गठबंधन 235 सीटों पर आगे थी। एनडीए में इस बार 41 तो इंडिया गठबंधन में 37 दलों ने चुनाव लड़ा था। समाचार लिखे जाने तक भाजपा 140, कांग्रेस 55, सपा 21, टीएमसी-14, डीएमके-5, जेडी(यू)- 4 टीडीपी- 3, शिवसेना- 2, एनसीपी शरद पवार की पार्टी 1 सीट जीत चुकी थी।

यह आम चुनाव कांग्रेस और सपा के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा। रुझानों में 99 सीट हासिल कर रही कांग्रेस पार्टी 55 सीटें जीत चुकी है, जबकि पिछली बार 2019 में सिर्फ 52 सीटें ही जीत पाई थी। वहीं सपा रुझानों में 37 सीटों में से 16 सीटें जीत चुकी है। पिछली बार सपा सिर्फ 5 सीटों तक ही सिमट गई थी।

उप्रः केंद्र के इन मंत्रियों के हिस्से में हार

प्रत्याशी : अजय मिश्र टेनी
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री
सीट : लखीमपुर खीरी
मतों से हारे
34,329

प्रत्याशी : स्मृति ईरानी
मंत्री
सीट : अमेठी
मतों से हारे
1,67,196

प्रत्याशी : महेंद्र नाथ पांडेय
मंत्री
सीट : चंदौली
मतों से हारे
21,565

प्रत्याशी : कौशल किशोर
मंत्री
सीट : मोहनलालगंज
मतों से हारे
70,292

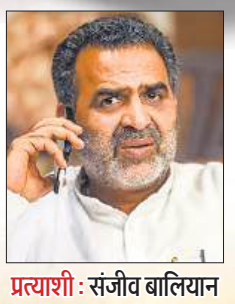

प्रत्याशी : संजीव बालियान
मंत्री
सीट : मुजफ्फरनगर
मतों से हारे
24,672

2019
में सिर्फ 52 सीटें ही जीत पाई थी कांग्रेस रुझानों में 99 सीट हासिल कर रही है 55 सीटें जीतीं, वहीं सपा रुझानों में 37 सीटों में से 16 सीटें जीत चुकी है

एनडीए पर जनता को विश्वास : नरेन्द्र मोदी

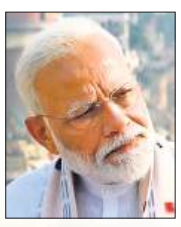

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है। उन्होंने मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है।

देश को शाह, मोदी नहीं चाहिए : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि इस चुनाव में देश के जनादेश ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने संविधान को बचाने के लिए सबसे बड़ा कदम उठाया। इसके तहत कांग्रेस पार्टी ने इंडिया समूह के नेताओं को साथ लिया और देश को एक नया विजन दिया है।

लोकसभा चुनाव जनता का

फैसला

अमृत विचार

बुधवार, 5 जून, 2024

www.amritvichar.com

जीत का सहरा

सीट : मध्य प्रदेश की गुना
प्रत्याशी: ज्योतिरादित्य
मतों से जीत: 5.4 लाख

सीट : असम का धुबरी
प्रत्याशी : रकीबुल हुसैन
मतों से जीत: 7.36 लाख

सीट : कैसरगंज लखनऊ
प्रत्याशी : करण भूषण
मतों से जीत: 1,48,843

सीट : नगीना उप्र
प्रत्याशी : चंद्रशेखर
मतों से जीत: 151473

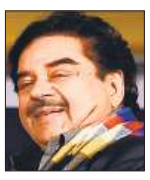

सीट: आसनसोल पं. बंगाल
प्रत्याशी : शत्रुघ्न सिन्हा
मतों से जीत: 59,564

सीट : मंडी (हिमाचल)
प्रत्याशी : कंगना रनोट
मतों से जीत: 74755

सीट : मेरठ उप्र
प्रत्याशी : अरुण गोविल
मतों से जीत: 10585

सीट : केरल की त्रिशूर सीट
प्रत्याशी : सुरेश गोपी
मतों से जीत: 74686

सीट : गोरखपुर
प्रत्याशी : रवि किशन
मतों से जीत: 103526

सीट : पीलीभीत
प्रत्याशी : जितिन प्रसाद
मतों से जीत : 1,66,575

सीट : खीरी
प्रत्याशी : उत्कर्ष वर्मा
मतों से जीत : 34, 329

सीट : मुजफ्फरनगर
प्रत्याशी : हरेंद्र मलिक
मतों से जीत: 24,672

सीट : उधमपुर
प्रत्याशी : जितेंद्र सिंह
मतों से जीत: 1,24,373

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : ओवैसी
मतों से जीत: 3,38,087

सीट : वडोदरा
प्रत्याशी : हेमंग जोशी
मतों से जीत : 5.82 लाख

सीट : सिरसा
प्रत्याशी : कुमारी शैलजा
मतों से जीत: 2.67 लाख

सीट : उधमसिंह नगर
प्रत्याशी : अजय भट्ट
मतों से जीत: 3.26 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : हेमा मालिनी
मतों से जीत: 2.61 लाख

मतगणना की आंधी में उड़ गए एक्जिट पोल्स

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सातवें चरण के मतदान के बाद एनडीए के पक्ष में एक्जिट पोल की आंधी मतगणना के साथ ही ढह गई। बड़े मीडिया हाउस और एजेंसियों के एग्जिट पोल्स में एनडीए गठबंधन को 400 से ज्यादा सीटें और भाजपा को 370 सीट के साथ बहुमत में दिखाया गया था। मतगणना के बाद आए रुझान ने पूरी कहानी ही पलट दी। अब भाजपा को लोकसभा में बहुमत बनाए रखने के लिए तेलुगू देशम पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना जैसे अपने सहयोगियों पर बहुत हद तक निर्भर रहना पड़ेगा।

इस लोकसभा चुनाव में (400 पार एनडीए सरकार) का नारा देने वाली मोदी सरकार मंगलवार को हुई मतगणना में 300 पार के लिए तरस गया। मध्य

- **रुझानों में भाजपा को 360 सीट और एनडीए को 400+ का किया था दावा**
- **300 पार के लिए तरस गई एनडीए, विपक्ष को तगड़ा फायदा**

प्रदेश और गुजरात को छोड़ दें तो भाजपा को सबसे बड़ा नुकसान उत्तर प्रदेश में उठाना पड़ा। वहीं महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का प्रदर्शन शानदार रहा, यहां भी भाजपा एक्जिट पोल्स के रुझानों में आगे थी।

पिछले चुनाव के नतीजे में बहुमत में थी भाजपा : 2019 के चुनाव नतीजे जब सामने आए थे तो भाजपा लगातार दूसरी बार खुद के दम पर सत्ता में आई। भाजपा ने सबसे ज्यादा 303 सीटें जीतीं। इसके बाद कांग्रेस को महज 52 सीटों पर जीत मिली थी। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसद, बसपा के 10, भाकपा के 2, माकपा के 3 और एनसीपी के 5 सांसद जीते थे। इसके अलावा अन्य सीटें एनडीए गठबंधन के हिस्से में पहुंची थी।

दावों से उलट इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन

मतगणना के बाद आए रुझान में इंडिया गठबंधन को मिली बढ़त ने सभी को भौचक्का कर दिया। मतगणना से पूर्व के रुझानों में 130 से कम सीटों को दिखाया गया था, लेकिन वास्तविक में 230 से ज्यादा पार कर गई। 100 से अधिक सीटें इंडिया गठबंधन के लिए माइलस्टोन की तरह काम करेगा। गठबंधन 9 जून तक सरकार बनाने का दवा यदि पेश नहीं कर पाया तो भी लोकसभा में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगा।

उत्तर प्रदेश ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

वर्तमान में मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी टेंशन इस समय उत्तर प्रदेश की कम सीटें बन गई हैं। एक्जिट पोल्स में एनडीए को 400 पार की सबसे बड़ी बढ़त उत्तर प्रदेश राज्य में दिखाई गई थी। यहां 80 में से 72 सीटों का दावा किया गया था, लेकिन 36 सीटों पर सिमट गई। ऐसे में भाजपा को अन्य राज्यों के घटक दलों पर निर्भर रह कर सरकार चलानी पड़गी। 2019 के चुनाव में बीजेपी की अगुवाई वाली एनडीए ने 64 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, गठबंधन में बसपा ने 10 और सपा ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

छह राज्यों में भाजपा को भारी नुकसान

उप्र, महाराष्ट्र, बिहार, पं. बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा में अपेक्षा से कम सीटें

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के मत की गिनती आज सुबह आठ बजे से शुरू होने के साथ ही आए परिणाम ने भाजपा की परेशानी को बढ़ा दिया है। राजग को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब, लद्दाख, पंश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भाजपा की अपेक्षा से कम सीटें आई हैं। कांग्रेस और उसकी इंडिया गठबंधन के दमदार प्रदर्शन ने सभी को चौका दिया है। साथ ही सरकार बनाने के लिए 272 सीटों की जरूरत होती है। लेकिन कई राज्यों में निराशजन प्रदर्शन के बाद भी राजग सरकार बनाने की ओर अग्रसर है।

उत्तर प्रदेश में सपा तो पश्चिम बंगाल में टीएमसी ने भाजपा को काफी नुकसान पहुंचाया है। जहां भाजपा ने हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात की सभी सीटों पर जीत दर्ज की है, वहीं हरियाणा और महाराष्ट्र में उसको काफी नुकसान हुआ है। भाजपा सबसे ज्यादा बेहतर परिणाम की आशा प. बंगाल से थी पर ममता बनर्जी ने यह साबित

किया की वह बंगाल में भाजपा पर भारी पड़ेंगी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने इन सभी राज्यों में बेहतर प्रदर्शन किया था और इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों के आने की उम्मीद भी भाजपा को इन्हीं राज्यों से थी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए निराशाजनक साबित हुए हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा पंजाब, पश्चिम बंगाल जैसे कई प्रमुख राज्यों में उसकी करारी हार हुई है। भाजपा को उत्तर प्रदेश में 30, बिहार में 9, पंजाब में 2, कर्नाटक में 9, लेह की एक सीट, पश्चित बंगाल में 6 हरियाणा में 5 और महाराष्ट्र में 23 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है वहीं, कांग्रेस ने पिछली वार की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन किया है और यूपी में कांगेस में 6 सीटों पर जीत दर्ज की, साथ ही सपा ने भी 38 सीटें जीती है। महाराष्ट्र में कांग्रेस ने 13, शिवसेना ने 7 सीटों पर जीत दर्ज कर भाजपा को नुकसान पहुंचाया है। बिहार में भी कांग्रेस को तीन सीटें मिली है और राजद ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। कर्नाटक में कांग्रेस को नौ और पंश्चिम बंगाल में एक सीट मिली है।

बंगाल से भाजपा को काफी उम्मीद थी पर टीएमसी ने 29 सीटों पर जीत दर्ज कर इस पर पानी फेर दिया। वहीं हरियाणा में भी कांग्रेस ने पांच सीट जीतकर भाजपा को पांच सीट पर ही समेट दिया जबकि पिछली बार भाजपा ने यहां की सभी 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी। राजस्थान में भी भाजपा को दस सीटों का नुकसान हुआ है जहां भाजपा को केवल 14 सीटों पर ही जीत मिल सकी है और कांग्रेस को 8 और अन्य को तीन सीटें मिली हैं।

वहीं भाजपा ने उत्तराखंड की पांच लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। केरल के त्रिपुर में भी भाजपा ने अपना खाला खोल दिया है। साथ ही मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की है। साथ ही भाजपा ने असम में 9 छत्तीसगढ़ में 10, दिल्ली की सातों सीटों के साथ ही गुजरात में 26 मेंसे 25, हिमाचाल की चार पर जीत दर्ज की है। इसी के साथ ही कई छोटे राज्यों में भी भाजपा को कोई खास सफलता हाथ नहीं लग सकी है।

इन राज्यों में नुकसान

उत्तर प्रदेश-80	
भाजपा	32
सपा	38
कांग्रेस	6
अन्य	4

कर्नाटक-28	
कांग्रेस	9
भाजपा	17
जेडीएस	2
अन्य	0

महाराष्ट्र-48	
भाजपा	10
कांग्रेस	13
शिवसेना	7
एनसीपी	1
अन्य	17

बिहार-40	
भाजपा	12
राजद	4
जदयू	13
कांग्रेस	3
अन्य	9

प. बंगाल-42	
टीएमसी	29
भाजपा	12
कांग्रेस	1

हरियाणा-10	
भाजपा	5
कांग्रेस	5

5 नेताओं ने तोड़े रिकॉर्ड, इंदौर के लालवानी आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा के चार उम्मीदवारों सहित कम से कम पांच राजनेताओं ने जीत के अंतर के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इंदौर के मौजूदा सांसद शंकर लालवनी ने 11.72 लाख मतों से जीत दर्ज की। गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और भाजपा नेता सीआर पाटिल मतगणना के अंतिम दौर में सात लाख से ज्यादा मत से जीते हैं।

असम के धुबरी क्षेत्र से कांग्रेस के रकीबुल हुसैन 7.36 लाख मतों से जीते। सबसे ज्यादा अंतर से जीत का रिकॉर्ड भाजपा के प्रीतम मुंडे के नाम था, जिन्होंने अक्टूबर 2014 में महाराष्ट्र की बीड सीट पर हुए उपचुनाव में 6.96 लाख से ज्यादा मतों पाए थे। उन्होंने 7.67 लाख मतों से दर्ज की। विदिशा से शिवराज सिंह चौहान 7.96 लाख से ज्यादा मतों से जीते। अमित शाह गांधीनगर लोकसभा सीट पर 7.37 लाख, जबकि उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश की गुना सीट से 5.4 लाख से अधिक मतों जीते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से 1,52,513 मतों से जीते हैं। जहां से उनकी ये तीसरी जीत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली क्षेत्र से भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को 3.88 लाख मतों से हराया है। राहुल, केरल के वायनाड से भी 3.64 लाख से जीते हैं। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब त्रिपुरा पश्चिम लोकसभा सीट से छह लाख से अधिक मतों से जीते, जबकि भाजपा के कृति देव देबबर्मन ने त्रिपुरा पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में 4.86 लाख से अधिक जीत दर्ज की। भाजपा के हेमंग जोशी भी वडोदरा से 5.82 लाख से अधिक मतों से विजयी रहें। कांग्रेस के अमासहायम रघुराम रेड्डी खम्मम से 4.59 लाख, भाजपा के एटला राजेंद्र मलकानगिरी से 3.81 लाख, अजय भट्ट नैनीताल-उधमसिंह नगर से 3.26 लाख से अधिक मतों से जीते हैं। रायपुर क्षेत्र से भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल 4.43 लाख तो मथुरा से हेमा मालिनी 2.61 लाख मतों से आगे चल रही हैं जबकि नोएडा से पार्टी उम्मीदवार महेश शर्मा 5.57 लाख मतों से आगे चल रहे हैं। हरियाणा में कांग्रेस की कुमारी शैलजा और दीपेंद्र सिंह हुड्डा सिरसा और रोहतक से क्रमशः 2.67 लाख और 3.01 लाख मतों से आगे चल रहे हैं।

लोगों ने नफरत और तानाशाही के खिलाफ वोट दिया : आप

नई दिल्ली। आप ने मंगलवार को कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा, मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। यह चुनाव जनता का एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। भाजपा के 272 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा, नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं।

हार का बोझ

सीट : खूंटी (झारखंड)
प्रत्याशी : अर्जुन मुंडा
मतों से हारे: 1.49 लाख

सीट : मथुरा
प्रत्याशी : मुकेश धनगर
मतों से हारे: 2.93 लाख

सीट : हैदराबाद
प्रत्याशी : माधवी लता
मतों से हारे: 3,38,087

सीट : गाजियाबाद
प्रत्याशी : डॉली शर्मा
मतों से हारे: 3.36 लाख

सीट : अनंतनाग- राजौरी
प्रत्याशी : महबूबा मुफ्ती
मतों से हारे: 2,81,794

सीट : रामपुर
प्रत्याशी : घनश्याम लोधी
मतों से हारे: 87434

सीट : मोहनलालगंज
प्रत्याशी : कौशल किशोर
मतों से हारे: 70,292

सीट : राजगढ़ (मध्यप्रदेश)
प्रत्याशी : दिग्विजय सिंह
मतों से हारे: 1.46 लाख

सीट : फतेहपुर
प्रत्याशी: निरंजन ज्योति
मतों से हारे: 35 हजार

सीट : जलौन
प्रत्याशी : भानू प्रताप वर्मा
मतों से हारे: 53,898

सीट : लखीमपुर खीरी
प्रत्याशी : अजय मिश्रा टेनी
मतों से हारे: 34,329

सीट : रायबरेली
प्रत्याशी : दिनेश प्रताप सिंह
मतों से हारे: 3,90,030

सीट : सुल्तानपुर
प्रत्याशी : मेनका गांधी
मतों से हारे: 40 हजार

सियासत केंद्रीय मंत्रियों में स्मृति, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, टेनी और कौशल किशोर जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह हारे

मोदी–योगी के कई मंत्री पराजित, अयोध्या भी हार गयी भाजपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजनीतिक हलकों में भले कहा जाता हो कि दिल्ली की कुर्सी का रास्ता उप्र. से हो कर जाता है लेकिन इस बार चुनाव में तो यहां कई मंत्रियों ने भी अपनी सांसदी गंवा दी। देश को चौंकाने वाले उप्र. की लोस सीट के परिणामों में चुनाव लड़ रहे 12 केंद्रीय मंत्रियों में से सात मंत्री और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए। इस बार भाजपा से जनता का ऐसा मोहभंग हुआ कि चुनाव के दौरान चर्चा में रहे अयोध्या में भव्य राम मंदिर को सहेजने वाली अयोध्या सीट से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने चुनाव हरा दिया है।

हारने वाले केंद्रीय मंत्रियों की तो इस सूची में स्मृति ईरानी, डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, संजीव वालियान, साध्वी निरंजन ज्योति, भानू प्रताप वर्मा, अजय मिश्रा टेनी और कौशल किशोर के नाम शामिल हैं। जबकि राज्य सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और जयवीर सिंह भी चुनाव हार गए हैं। भाजपा के अन्य दिग्गज नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी (सुल्तानपुर), भोजपुरी अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ (आजमगढ़), महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह (जौनपुर), पूर्व पीएम चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर (बलिया), मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष डा. संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद (संत कबीर नगर), मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के पुत्र अरविंद राजभर (घोसी) जैसे बड़े नेता भी चुनाव हार गए।

- **केन्द्र के सात और राज्य सरकार के दो मंत्री चुनाव हार गए**

लोकसभा फैजाबाद (अयोध्या)	
गठबंधन के अवधेश प्रसाद	554289
भाजपा लल्लू सिंह	499722
बसपा के सच्चिदानंद पांडेय	46407
कम्युनिस्ट पार्टी के अरविंद सेन	15367

अयोध्या : आस्था व विकास पर भारी पड़ा जातीय समीकरण

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- **नहीं लुभा पाया वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण**
- **सामान्य सीट से दलित विधायक ने दर्ज कराई जीत**
- **मंडल से प्रदेश तक जातीय समीकरण का असर**

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव में अयोध्या से राजनीति के नए ट्रेड का संकेत है। आस्था और विकास, जातीय समीकरण के मकड़जाल में उलझ कर रह गए। वैश्विक पर्यटन नगरी का आकर्षण भी मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। परिणाम रहा कि अयोध्या में भाजपा को मुंह की खानी पड़ी। अयोध्या राजनीति की प्रयोगशाला के तौर पर देखी जाती है। यहां नए-नए प्रयोग राजनीति को नई दिशा देते रहे हैं। भाजपा को ऊर्जा अयोध्या से मिलती रही है तो सपा और बसपा ने भी अयोध्या में अपने नए प्रयोगों के जरिए सियासत से सत्ता की सीढ़ी चढ़ी। तीनों दलों ने अलग-अलग चुनाव में सोशल इजीनियंरिग का प्रयोग भी यहीं किया। कामयाबी हासिल की। इस बार भी सपा ने एकदम नया प्रयोग किया। सामान्य सीट से सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद को चुनाव मैदान में भेजा। प्रसाद, पासी बिरादरी से आते हैं। बिरादरी के साथ अन्य वोटों के ध्रुवीकरण से उन्होंने भाजपा की नाक रही अयोध्या की सीट छीन ली। यह अयोध्या के लिए बड़ी बात है।

अयोध्या केवल भाजपा का गढ़ नहीं रही है बल्कि अयोध्या को आस्था और विकास के नजरिए से भी देखा जाता है। राम मंदिर पर फैसला आने से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा तक आस्था की तरंगे पूरे देश में यहां से फैलती रहीं। प्रदेश में अयोध्या से ज्यादा विकास शायद ही कहीं किया गया हो, कुछ लोग इससे प्रभावित भी हुए तो लाभ बहुतों को हुआ। इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हाईवे तक। आधुनिक सुविधाओं युक्त भव्य रेलवे स्टेशन से अच्छी ट्रेनों के साथ राम मंदिर निर्माण और राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। कई हजार करोड़ रूपये की परियोजनाएं और लोगों को योजनाओं के लाभ। सब एक ओर रह गए और जातीय सियासत दूसरी ओर। साफ है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या के विकास का मुद्दा नहीं रहा।

जातीय सियासत इसलिए भी कि साल 2019 का चुनाव सपा-बसपा ने यहां ने एक साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन जीत नहीं पाई। भाजपा लगभग 65 हजार वोट से चुनाव जीत गई थी। गठबंधन के प्रत्याशी को 4 .63 लाख वोट मिले। तब प्रत्याशी आनंद सेन यादव थे । वह अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित थे। इस लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के सपा प्रत्याशी के पक्ष में पहले से ज्यादा ध्रुवीकरण हुआ। इसका कारण प्रत्याशी का पासी बिरादरी से होना माना जा रहा है। सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह पर 56 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बना ली। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा क्षेत्र में चार में जातीय समीकरण का प्रभाव साफ देखा गया। आस्था, विकास से इतर सरकार के विरोध के साथ जातीय राजनीति का असर अयोध्या ही नहीं, फैजाबाद मंडल के सभी सीटों पर महसूस किया जा रहा है। अयोध्या के पड़ोस में अमेठी की तस्वीर को छोड़ दिया जाए तो अंबेडकरनगर, बाराबंकी, सुल्तानपुर में इसका साफ असर है। इन सीटों के जीते प्रत्याशियों की जाति और जातीय समीकरण इसी ओर इशारा करते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मंडल ही नहीं पूरे प्रदेश में सपा ने जातीय राजनीति के जरिए चुनावी फतह पर काम किया। लोकसभावार ज्यादातर प्रत्याशियों का चयन ही जातीय समीकरण के आधार पर किया गया। मतगणना के बाद चुनाव परिणाम के साथ जातीय राजनीति के पक्ष में परिणाम साफ दिख रहा है।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 5 जून 2024
वर्ष 2, अंक 285, पृष्ठ 18
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मिशन विश्वकप का आगाज करेगी टीम इंडिया 17

पिता बने वरुण, पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म 18

राजग को बहुमत, 9 को मोदी ले सकते हैं शपथ

सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा, सहयोगी दलों के दम पर फिर बनेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा चुनाव के अब तक आए नतीजों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भले ही बहुमत (272 सीट) से दूर नजर आ रही है लेकिर वह सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। हालांकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगियों की बदौलत उसकी फिर से सरकार बनने जा रही है। राजग की सीटों का आंकड़ा 300 सीटों के करीब पहुंचता दिख रहा है। खबर है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग की नई सरकार का 9 जून को शपथ ग्रहण कार्यक्रम हो सकता है। दरअसल, राष्ट्रपति भवन की ओर से एक बयान जारी किया गया है जिसके मुताबिक राष्ट्रपति भवन का सर्किट-1 बुधवार (5 जून) से लेकर 9 जून तक आम जनता के लिए बंद रहेगा। इस दौरान राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के शपथ ग्रहण की तैयारियां की जाएंगी।

नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

लोकसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती जैसे-जैसे आगे बढ़ी, रुझानों में स्पष्ट होता चला गया कि सत्तारूढ़ गठबंधन उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहा है और एग्जिट पोल के अनुमान भी गलत साबित हो रहे हैं। अब तक के रूझान और नतीजे इसकी भी तस्दीक कर रहे हैं कि किसी एक दल को बहुमत देने के पिछले एक दशक के जनादेश में बदलाव आया है और एक बार फिर देश की राजनीति में गठबंधन युग की वापसी हो रही है। तकरीबन साढ़े पांच बजे तक के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भाजपा 38 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी थी जबकि 201 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे थे। भाजपा कुल मिलाकर 239 सीटों पर आगे थी। 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 272 के जादुई आंकड़े से वह पीछे है। हालांकि राजग का आंकड़ा 300 के करीब पहुंचता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर 'इंडिया' गठबंधन करीब 227 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीटों पर जीत चुकी है और 87 सीटों पर उसके उम्मीदवार आगे हैं। साल 2019 के प्रदर्शन के मुकाबले कांग्रेस लगभग दोगुनी सीट की ओर आगे बढ़ती दिख रही है। पिछले चुनाव में भाजपा के पास 303 जबकि राजग के पास 350 से अधिक सीटें थीं। राजग यदि फिर से सत्ता में आता है और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वह जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। भाजपा को इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में में खासा झटका लगा है जहां समाजवादी पार्टी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान और हरियाणा में भी उम्मीद के विपरीत उसका प्रदर्शन रहा।

नई ऊर्जा, नए संकल्पों के साथ हम आगे बढ़ेंगे : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार जीत को ऐतिहासिक पल बताया है और इसके लिए देश की जनता के प्रति आभार जताया। मोदी ने कहा है कि गठबंधन देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ताकत से काम करेगा। प्रधानमंत्री ने 18वीं लोकसभा के परिणामों और रुझानों के बीच मंगलवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिजनों को नमन करता हूं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। सभी कार्यकर्ताओं ने जिस समर्पण भाव से अथक मेहनत की है, मैं इसके लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के जाता रूझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 292 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि विपक्षी 'इंडिया समूह' के प्रत्याशी 233 सीटों पर आगे चल रहे हैं या विजयी हुए हैं। इन चुनावों में भाजपा अपने बल पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं हुई है, लेकिन लोकसभा की 543 सीटों में से उसे 240 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं।

आंध्र प्रदेश में राजग बहुमत की ओर, तेदेपा कार्यालय में जश्न

विधानसभा चुनाव

अमरावती, एजेंसी

आंध्र प्रदेश में अपने चुनाव पूर्व सहयोगियों जनसेना और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के भारी बहुमत प्राप्त करने की ओर अग्रसर होने के साथ ही मंगलवार को राज्यभर में पार्टी के कार्यालयों में खुशियां मनाई जाने लगीं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, तेदेपा ने 10 विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है तथा 123 सीट पर आगे है, जबकि जनसेना ने दो सीट पर जीत दर्ज की है तथा 19 पर आगे है। वहीं, भाजपा ने एक विधानसभा सीट पर जीत हासिल कर ली है तथा सात सीट पर आगे है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस महज 13 सीट पर आगे है। गुंटूर लोकसभा सीट से तेदेपा प्रत्याशी पी चंद्रशेखर ने संवाददाताओं से कहा कि इतिहास फिर से लिखा गया है। राजग सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे के तहत तेदेपा ने 144 विधानसभा सीट पर, जबकि भाजपा ने 10 सीट, जनसेना ने 21 सीट पर चुनाव लड़ा। आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीट है।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू को जीत की बधाई देते भाजपा नेता सिद्धार्थ सिंह।

ओडिशा में भाजपा आगे, खतरे में पटनायक की सत्ता

भुवनेश्वर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा में अब तक आठ विधानसभा सीट पर जीत हासिल की है और 73 अन्य क्षेत्रों में उसके उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार राज्य की कुल 147 विधानसभा सीट में से बीजू जनता दल (बीजद) एक सीट जीत चुकी है जबकि 47 पर आगे है। कांग्रेस ने एक सीट पर जीत हासिल की है और 13 पर आगे है। चिल्का विधानसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार पृथ्वीराज हेरचंद्रन ने बीजद उम्मीदवार रघुनाथ साहू को 4,566 मतों से हरा दिया है, जबकि बरगढ़ सीट पर भाजपा उम्मीदवार अश्विनी कुमार सारंगी ने बीजद नेता के देवेश आचार्य को 4,772 मतों से शिकस्त दी। झारसुगुड़ा में भाजपा के टंकधर त्रिपाठी ने बीजद की दिपाली दास को 1,333 मतों के अंतर से हरा दिया। राउरकेला सीट पर बीजद के शारदा प्रसाद नायक ने भाजपा के दिलीप कुमार रे को 3,552 मतों के अंतर से हराया। मुख्यमंत्री और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक बालांगीर जिले की कांतांबंजी सीट पर भाजपा के लक्ष्मण बाग से 3,283 मतों से पीछे हैं। चित्रकोंडा में कांग्रेस के मंगू खिल्ला ने भाजपा के डंबरू सिसा को 9,151 मतों के अंतर से हरा दिया।

कन्नौज के साथ इटावा, फतेहपुर में सपा का कब्जा

कन्नौज संसदीय सीट

कुल मिले मत 6,42,292
जीत का अंतर 1,70,922

अखिलेश यादव (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,71,370

सुब्रत पाठक (भाजपा)

फतेहपुर संसदीय सीट

कुल मिले मत 4,98,349
जीत का अंतर 33,616

नरेश उत्तम पटेल (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,64,733

निरंजन ज्योति (भाजपा)

इटावा संसदीय सीट

कुल मिले मत 4,90,747
जीत का अंतर 58419

जितेंद्र दोहरे (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,32,328

रामशंकर कठेरिया (भाजपा)

बृजेश श्रीवास्तव, कानपुर

- फर्रुखाबाद में भाजपा के मुकेश राजपूत की हैट्रिक
- इटावा और फतेहपुर में हैट्रिक से चूक गई भाजपा

अमृत विचार : अति आत्मविश्वास और मोदी के नाम पर जीत का ख्वाब संजोए भारतीय जनता पार्टी ने तीन सीटें गंवा दीं। कन्नौज के साथ इटावा और फतेहपुर सीट पर समाजवादी पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत का परचम लहराया, जबकि फर्रुखाबाद में भाजपा मामूली अंतर से जीत का हैट्रिक लगाने में कामयाब रही। इटावा और फतेहपुर में पुराने चेहरों के साथ हैट्रिक लगाने के लिए मैदान पर उतरी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। फतेहपुर सीट में वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में सपा ने राकेश सचान को मैदान पर उतारकर जीत हासिल की थी। 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने साध्वी निरंजन ज्योति को प्रत्याशी बनाकर विजय पाई। केंद्र सरकार में राज्यमंत्री रहीं निरंजन ज्योति को तीसरी बार चुनाव मैदान में उतारा गया, लेकिन सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने भाजपा को चुनौती दी और यह सीट कब्जाने में कामयाब रही। कन्नौज सीट में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा के सुब्रत पाठक को 1,70,922 मतों से हराकर अपनी परंपरागत सीट फिर हथियाने में कामयाब रहे।

इटावा भी सपा की परंपरागत सीट रही है। 2014 के चुनाव में यह सीट भाजपा के खाते में चली गई और अशोक कुमार दोहरे सांसद बने। 2019 में भाजपा ने रामशंकर कठेरिया को उतारा और उन्होंने जीत पाई, लेकिन इस बार सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे ने रामशंकर कठेरिया को 58,419 मतों से हरा दिया। भाजपा फर्रुखाबाद संदीय सीट न सिर्फ बचाने में कामयाब रही, बल्कि मुकेश राजपूत ने हैट्रिक भी लगाई। हालांकि सपा प्रत्याशी नवल किशोर शाक्य ने कड़ी चुनौती दी और वह 2678 मतों से जीत हासिल कर पाए।

फर्रुखाबाद संसदीय

कुल मिले मत 4,87,963
जीत का अंतर 2,678

मुकेश राजपूत (भाजपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,85,285

नवल किशोर शाक्य (सपा)

सफल रहा गठबंधन, दो लड़कों की जोड़ी हिट

अजय दयाल, लखनऊ

- अखिलेश ने पूर्व में कांग्रेस रालोद और बसपा से गठबंधन कर पाई थी असफलता
- इस बार अखिलेश-राहुल की जोड़ी का उप्र में दिखा दम भाजपा के दावों को झुठलाया

अमृत विचार : पिछले चार चुनावों (विधानसभा और लोकसभा) में गठबंधन का असफल प्रयोग कर चुके समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के गठबंधन का प्रयोग इस बार सफल रहा। अखिलेश और राहुल यानी दो लड़कों की जोड़ी भी हिट हो गई जबकि सत्तासीन दल (भाजपा) ने इस जोड़ी को असफल करार देने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी थी।

लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों और रुझानों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सपा को लगभग 37 तो वहीं कांग्रेस को छह सीटें मिलीं। कांग्रेस उप्र. से 17 सीटों पर चुनाव लड़ी थी जबकि सपा एक सीट टीएमसी को देकर कुल 63 सीट पर लड़ी। दरअसल, उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हुई थीं। पिछले दो आम चुनावों में मुकाबला एकतरफा रहा था। दोनों में भाजपा ने प्रचंड जीत हासिल की थी। 2014 में भाजपा ने 71 सीटें तो 2019 में 62 सीटों पर जीत हासिल की, लेकिन इस बार के चुनाव में भाजपा काफी पिछड़ गई और विपक्षी गठबंधन मजबूत स्थिति में आ गया। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में पहली बार जब राहुल और अखिलेश की जोड़ी सामने आई तो एक नारा खूब चला- यूपी को ये साथ पसंद है। मगर उस चुनाव में जनता ने दोनों की जोड़ी को पूरी तरह नकार दिया था। स्थिति यह रही कि सपा से गठबंधन करके कांग्रेस ने जिन 114 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से सिर्फ 7 सीट ही जीत पाई थी। जबकि सपा ने 311 सीटों पर चुनाव लड़ा, मगर उसके खाते में सिर्फ 47 विधानसभा सीट ही आईं थीं।

बहरहाल, एक बार फिर पूरी ताकत से उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा और मोदी की गारंटी का सामना करने के लिए साथ आना तय किया और इस बार जनता के दिलो-दिमाग पर छा गए। दोनों ने मिलकर राजनीतिक गणित साधी। राहुल गांधी के जनता से किए वायदे और अखिलेश यादव की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की रणनीति काम कर गई। स्वार्थ का गठबंधन करने का आरोप झेलते हुए भी सपा और कांग्रेस ने सकारात्मक मुद्दों के साथ चुनाव प्रचार किया और सफल रहे।

निवेशकों के डूबे 31 लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में भूचाल

सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटा तो निफ्टी भी 1379.40 अंक उतरा

लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के रूझानों से निराश निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में आज भूचाल आ गया। सेंसेक्स एवं निफ्टी में करीब छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गई जिससे निवेशकों के 31 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

आम चुनाव के एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीटों के करीब बताया गया था लेकिन मतगणना में भाजपा को 244 सीटें और राजग को करीब 300 सीटें मिलने के रूझान से निवेशक हताश हो गए और जमकर बिकवाली की जिसके कारण बाजार में भूचाल आ गया। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4389.73 अंक टूटकर 72079.05 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 1379.40 अंक उतरकर 21884.50 अंक पर रहा। दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली का असर छोटी और मझौली कंपनियों पर पड़ा और बीएसई का मिडकैप 8.07 प्रतिशत फिसलकर 40788.10 अंक पर और स्मॉलकैप 6.79 फीसद गिरकर 44958.48 अंक पर रहा। इस बिकवाली से बीएसई का बाजार पूंजीकरण गिरकर 39483705.27 करोड़ रुपये पर आ गया। पिछले दिवस यह 42591511.54 करोड़ रुपये पर रहा था। इस तरह से निवेशकों के आज 3107806.27 करोड़ रुपये डूब गए।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के परिणाम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। एनटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नतीजे घोषित कर दिए गए हैं, अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपने परिणाम देख सकते हैं। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों का विवरण भी शीघ्र ही उपलब्ध होगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के लिए रिकॉर्ड 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें 10 लाख से ज्यादा पुरुष, 13 लाख से अधिक महिलाएं और 24 थर्ड जेंडर श्रेणी के उम्मीदवार शामिल हैं।

उप्र. में भाजपा के मिशन 80 को लगा करारा झटका

लगातार पांचवीं बड़ी जीत से चूकी पार्टी, राम मंदिर मुद्दे का नहीं मिला फायदा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इस बार के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारा झटका लगा है। यह झटका करारा इसलिए कि पार्टी का न तो मिशन 80 पूरा हुआ और न ही उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक राम मंदिर निर्माण (अयोध्या) की उपलब्धि भाजपा के खाते में आई।

अगर ऐसा होता तो भाजपा राज्य में लगभग 33 सीट जीतने के बजाय कम से कम 70 सीटों के आसपास पा जाती। उत्तर प्रदेश में दो बार विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी भाजपा इस बार अपनी पांचवीं प्रचंड जीत से चूक गई।

मतगणना के दौरान वीरान नजर आया लखनऊ स्थित भाजपा कार्यालय।

दरअसल, पिछले दो लोकसभा चुनाव में शानदार नतीजे के बाद खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा अपने बुलंद हौसलों के साथ थी। राम मंदिर की शुरुआत और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद तो ऐसा लग रहा था कि पार्टी राज्य में क्लीन स्वीप करेगी। लेकिन इसे अतिआत्मविश्वास कहें या जनता की नब्ज पकड़ लेने की गलतफहमी, भाजपा नाकाम साबित हुई। पार्टी को लगा कि हिंदुत्व और राम मंदिर का मुद्दा उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा है। लेकिन विपक्ष के गठजोड़ और सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के आगे भाजपा कमजोर साबित हुई।

गौर करने वाली बात यह है कि लोकसभा चुनाव घोषित हो जाने के बावजूद सपा और कांग्रेस में सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही थी। सत्तासीन दल के नेताओं ने इस पर तफरीह भी ली कि हम यहां प्रचार में उतर गए और विपक्ष सीट बंटवारे में ही उलझा है। इसके बाद भी जिस तरह ऐन चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस में सीटों पर सहमति बनी और नामांकन के आखिरी दिन तक उम्मीदवारों को बदलने का सिलसिला रहा, उससे अच्छा संदेश तो नहीं गया लेकिन अब परिणाम चौंकाने वाले सामने आए हैं। इधर, भाजपा के आत्मविश्वास के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी थी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कुशल प्रशासक वाली छवि। डबल इंजन की इस जोड़ी के बूते भाजपा पिछले चुनावों की तरह इस बार भी बड़े बहुमत को लेकर आश्वस्त थी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और निकली।

दक्षिण भारत से भाजपा को सिर्फ एक सीट का फायदा

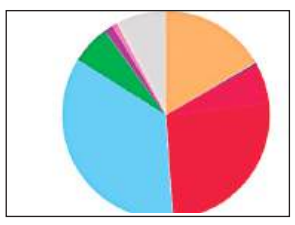

दक्षिण भारत से कुल 132 सांसद चुनकर आते हैं। दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 132 सीटों में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं, इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचे थे। इस बार भाजपा को दक्षिण के इन राज्यों से अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। पार्टी केवल 30 सीटें जीत पा रही है।

केरल वोट शेयर

बीजेपी	16.68%
बीएसपी	00.25%
सीपीआई	06.17%
सीपीआई (एम)	25.79%
आईएनसी	35.00%
आईयूएमएल	06.10%
केईसी (एम)	01.37%
नोटा	00.79%
अन्य	07.84%

देश में तीन सबसे बड़ी जीत

इंदौर से भाजपा उम्मीदवार शंकर ललवानी ने 11.75 लाख वोटों से चुनाव जीतकर सबसे बड़ी जीत का रिकार्ड बनाया है। दूसरी बड़ी जीत कांग्रेस के नाम रही। असम में कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन ने एआईडीयूएफ के प्रत्याशी बदरुद्दीन अजमल को 9.20 लाख वोटों के अंतर से हराया। मध्यप्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में तीसरी बड़ी जीत हासिल की। शिवराज सिंह की जीत का अंतर 8 लाख 21 हजार वोट का रहा। साल 2019 में भाजपा के सीआर पाटिल ने साल 2019 में नवसारी (गुजरात) से सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। साल 2019 में यूपी के मछलीशहर लोकसभा सीट से सबसे कम अंतर 181 वोट से जीत-हार का फैसला हुआ था।

केरल में पहली बार खिला कमल, कर्नाटक में लगी बड़ी चपत

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। भाजपा जहां पहली बार केरल में खाता खोलने में कामयाब रही, वहीं कर्नाटक में उसे तगड़ा नुकसान उठाना पड़ा। 2019 में भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीत ली थीं। लेकिन इस बार भाजपा को 8 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। पार्टी को 17 लोकसभा सीटों पर जीत मिली है। कांग्रेस ने लंबी छलांग लगाते हुए पिछली बार की एक सीट से आगे बढ़ते हुए इस बार 9 सीटों पर कब्जा कर लिया। भाजपा की सहयोगी पार्टी जेडीएस को दो सीटों पर सफलता मिली है। अश्लील सीडी कांड में आरोपी एचडी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल रेवन्ना हासन से चुनाव हार गए हैं। कर्नाटक कभी भाजपा का गढ़ था, लेकिन वहां इस बार सीटें बढ़ने के बजाय घट गई हैं। कर्नाटक में भाजपा को जेडीएस के साथ अलायंस में उम्मीद थी कि वो पूरी 28 सीटें जीत लेगी। राज्य में क्लीन स्वीप के मकसद से भाजपा ने आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदल दिए थे। इसका कई जगह विरोध हुआ। अंदर ही अंदर इस बात को लेकर नाराजगी भी थी। नतीजों में इसका असर दिख रहा है। इसके मुकाबले कांग्रेस ने अपनी 5 गारंटी को प्रमोट किया, जो सरकार में आने के बाद उसने लागू की थीं। इसमें महिलाओं को दो हजार रुपये महीना देना और फ्री बस यात्रा शामिल है। इनके चलते राज्य में शून्य पर पहुंच चुकी कांग्रेस इस बार 7 सीटें जीत गई।

दिल्ली में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

दो दशक में दूसरा सबसे दयनीय प्रदर्शन

- 2004 : भाजपा ने 18 सीटें जीती
- 2009 : भाजपा ने 19 सीटें जीती
- 2014 : भाजपा ने 17 सीटें जीती
- 2019 : भाजपा ने 25 सीटें जीती
- 2024 : भाजपा ने 17 सीटें जीती

त्रिशूर जीतकर भाजपा ने इतिहास रचा कांग्रेस की एक सीट घटी

अमृत विचार। केरल में भाजपा ने त्रिशूर की सीट जीतकर पहली बार कमल खिला दिया। राज्य में 20 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीती थीं। इसमें कांग्रेस को 15, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को एक, केरल कांग्रेस (एम) को एक और आईयूएमएल ने दो सीटें मिली थीं। दूसरी तरफ वाम दलों के गठबंधन (एलडीएफ) में माकपा ही एक सीट जीत पायी थी। त्रिशूर को केरल की सांस्कृतिक राजधानी कहा जाता है। यहां भाजपा ने दूसरी बार अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी को मैदान में उतारा था। पिछली बार 2019 में भी वह इस सीट से चुनाव लड़े थे, लेकिन तीसरे नंबर पर पिछड़ गए थे। भाजपा ने उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी त्रिशूर से मौका दिया था, लेकिन सफल नहीं हो पाए थे। आखिरकार इस बार सुरेश गोपी ने भाकपा प्रत्याशी वीएस सुनील कुमार को 75 हजार मतों से हराकर केरल में भाजपा को पहली सफलता दिलाकर इतिहास रच दिया। राज्य में इस बार कांग्रेस 14 सीटे जीतती नजर आ रही है। उसकी सहयोगी आईयूएमएल पिछली बार की तरह दो सीटें जीत रही है।

सुरेश गोपी।

असदुद्दीन ओवैसी। अमृत विचार

तेलंगाना में भाजपा ने दोगुनी की सीटों की संख्या

- तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी ने 8 सीटों पर जीत दर्ज की है, तो कांग्रेस को भी 8 सीटों पर जीत मिली है। हैदराबाद सीट पर एआईएमआईएम के उम्मीदवार असदुद्दीन ओवैसी चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 4 सीटों पर जीत मिली थी। इस तरह भाजपा को राज्य में 4 सीटों का फायदा मिला है।

तिरुवनंतपुरम में दूसरी बार दूसरे नंबर पर पिछड़ी भाजपा

2019 के चुनाव में भाजपा सिर्फ तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे नंबर पर रही थी। इस बार पार्टी ने यहां से मोदी सरकार में आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतार कर जीत की उम्मीद लगाई थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम सीट पर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली। उन्होंने राजीव चंद्रशेखर को कड़े मुकाबले में 16 हजार वोटों से हरा दिया। शशि थरूर को 3,58,155 जबकि राजीव चंद्रशेखर को 3,42,078 वोट मिले। तीसरे नंबर पर रहे सीपीआई के पन्नियन रवीन्द्रन 2,47,648 ने वोट पाए।

शशि थरूर।

ओडिशा में भाजपा का शानदार प्रदर्शन, मुख्यमंत्री एक सीट हारे

अमृत विचार। ओडिशा में विधानसभा की 147 और लोकसभा की 21 सीटों के सामने आए चुनाव परिणाम में भाजपा को लोकसभा और विधानसभा दोनों में ही बड़ा फायदा हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सूबे की मौजूदा नवीन पटनायक सरकार को तगड़ा झटका दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में बीजद ने 12, भाजपा ने 8 और कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इस बार भाजपा ने 19 सीटें जीती हैं। कांग्रेस और बीजू जनता दल एक-एक सीट पर सिमट गया है। संबलपुर लोकसभा सीट पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। भाजपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान 59162 वोट से जीत दर्ज की है। बीजद दूसरे नंबर पर रही। भुवनेश्वर संसदीय क्षेत्र से भी भाजपा ने जीत दर्ज की है। यहां अपराजिता सारंगी ने कड़े मुकाबले में बीजद के मन्मथ कुमार राउत्रे को शिकस्त दी। अपराजिता सारंगी को 512519 इतने वोट मिले जबकि मन्मथ को 477367 वोट मिले। कटक सीट से भाजपा के भर्तुहरी महताब जीत गए हैं। उन्होंने बीजद के संत्रुप्त मिश्रा को हरा दिया है।

नवीन पटनायक।

- राज्य की 21 में से 19 लोकसभा सीटों पर खिलाया कमल
- विधान सभा चुनाव में पार्टी ने सरकार के लिए बहुमत पाया

कांताबाजी सीट पर मिली हार: बीजद को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्यमंत्री नवीन पटनायक कांताबंजी सीट से चुनाव हार गए। उन्हें भाजपा के लक्ष्मण बाग ने 15 हजार मतों से पराजित कर दिया। बीजद अध्यक्ष पटनायक लगातार पांच बार से राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने साल 2000 में मुख्यमंत्री का पदभार संभाला था।

पटनायक अब नहीं रहे राज्य के नायक

- भाजपा ओडिशा में जीती गई और रुझान मिलाकर 86 विधानसभा सीटों पर आगे है। बीजू जनता दल (बीजद) के उम्मीदवार 44 सीटों पर आगे हैं। कांग्रेस 12 सीट पर और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) एक सीट पर आगे है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक विधानसभा सीट हिंजिली से जीत हासिल करते दिख रहे हैं। लेकिन उनके मंत्रिमंडल के कम से कम आठ मंत्री चुनाव हार गए हैं। ओडिशा विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सीटों का है। 2019 के विधानसभा चुनावों में बीजद को 112 सीटें मिली थीं। जबकि भाजपा को 23 सीटें, कांग्रेस को नौ, सीपीआई एम को एक और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। पिछली बार बीजद को करीब 45 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा को करीब 33 फीसदी वोट मिले थे। कांग्रेस के खाते में 16 फीसदी और अन्य को 6 फीसदी से कुछ अधिक वोट मिले थे।

तमिलनाडु में डीएमके के लगातार दूसरी बार शानदार प्रदर्शन के बाद चेन्नई में बैठक करते मुख्यमंत्री स्टालिन और पार्टी नेता। अमृत विचार

तमिलनाडु ने सीट नहीं दी, झोली में डाल दिए 11% वोट

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। तमिलनाडु में इस बार भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। इसके चलते पार्टी ने पूरी ताकत झोंक रखी थी। पूर्व आईपीएस अफसर अन्नामलाई को चेहरा बनाकर राज्य भाजपा की कमान सौंपी थी। अन्नामलाई ने पदयात्राओं से माहौल भी बनाया। भाजपा को उम्मीद थी कि उनकी लोकप्रियता और ब्रांड मोदी से 4 से 5 सीटें आएंगीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तमिलनाडु में भाजपा को सीटों के लिहाज से बड़ी निराशा हाथ लगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में कई रैलियां और रोड शो किए थे। इनमें भीड़ भी जुटी, लेकिन लोगों ने अपेक्षित समर्थन नहीं दिया। हालांकि इस बार के चुनाव ने तमिलनाडु में भाजपा के लिए आगे की राह खोल दी है। भाजपा का वोट शेयर 10.87 फीसदी तक पहुंच गया है। डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है। उसके साथ अलायंस में लड़ रही पीएमके एक सीट जीतते हुए नजर आ रही है।

तमिलनाडु से 39 संसद सदस्य चुने जाते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में डीएमके ने 24 सीटें, कांग्रेस ने 8, विदुथलाई चिरुथिगल काची ने एक, सीपीआई (एम) ने 2, सीपीआई ने 2, आईयूएमएल ने एक और एआईएडीएमके ने एक सीटें जीती थीं। इस बार राज्य में भाजपा के जोरदार चुनाव अभियान का मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बखूबी बचाव किय। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य से भेदभाव का मुद्दा गर्म रखा और कहा कि राज्य सरकार केंद्र को एक रुपये भेजती है, तो केंद्र से 28 पैसे मिलते हैं। जीएसटी का बकाया नहीं दिया जा रहा। इससे राज्य का विकास रुका हुआ है। इसके मुकाबले उत्तर प्रदेश को एक रुपये के बदले केंद्र दो रुपये देता है। उन्होंने अपनी हर रैली में मिचौंग तूफान का जिक्र किया और कहा कि केंद्र ने न कोई मदद नहीं दी है।

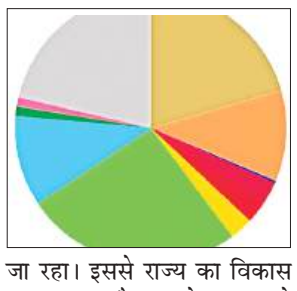

- डीएमके, एआईएडीएमके और कांग्रेस के बाद भाजपा वोट शेयर के मामले में राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी

एडीएमके	20.48%
बीजेपी	10.90%
बीएसपी	00.32%
सीपीआई	02.36%
सीपीआई (एम)	02.94%
डीएमडीके	02.77%
डीएमके	25.91%
आईएनसी	10.72%
आईयूएमएल	01.16%
नोटा	01.07%
अन्य	21.38%

आंध्र प्रदेश में एनडीए का जलवा, कांग्रेस फिर जीरो

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन को बड़ी सफलता मिली है। राज्य में कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। राज्य की 25 लोकसभा सीटों से एनडीए गठबंधन को 21 सीटों पर जीत मिली है। इसमें भाजपा ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि टीडीपी को 16 सीटों पर सफलता मिली है। गठबंधन की सहयोगी जनसेना पार्टी को 2 सीटों पर जीत मिली है। राज्य में वाईएसआरसीपी को 4 सीटों पर जीत मिली है। भाजपा को इस बार चुनाव में 11.55 प्रतिशत वोट मिले हैं। 2019 के चुनाव में वाईएसआरसीपी ने राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 पर जीत हासिल की थी। टीडीपी केवल 3 सीटों पर सिमट गई थी। भाजपा और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थीं।

विधानसभा चुनाव में टीडीपी का परचम : आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के नतीजे भी घोषित किए गए हैं। राज्य में एन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की वापसी तय नजर आ रही है। पार्टी ने घोषणा की है कि नायडू 9 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। पार्टी मुख्यालय में जश्न भी चल रहा है। सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस केवल 24 सीटों के साथ बहुत पीछे रह गई है। वाईएसआरसीपी ने अकेले राज्य की सभी 175 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था।

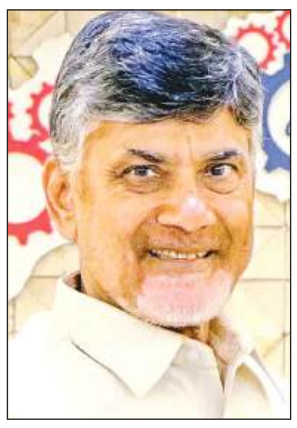

टीडीपी ने 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी 122 सीटों पर बढ़त बनाए है। पवन कल्याण की अगुआई वाली जन सेना पार्टी (जेएसपी) ने 21 सीटों पर और भाजपा ने 10 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

चंद्रबाबू नायडू।

मध्य प्रदेश में मोहन की बंसी पर खिला कमल

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। मध्य प्रदेश के आंकड़ों ने इंडिया गठबंधन में कांग्रेस को बुरी तरह चौंकाया। यहां भाजपा और कांग्रेस में ही सीधा मुकाबला था। हालांकि कांग्रेस राज्य में चार-पांच सीटों से अधिक उम्मीद नहीं कर रही थी। लेकिन भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्य प्रदेश में सभी 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिला दिया। माना जा रहा है कि प्रदेश में संघ ने सत्ता और संगठन के साथ मिलकर बेहतर तरीके से काम किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की रणनीति भी काम कर गई। उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए 'अबकी बार छिंदवाड़ा पार' का नारा दिया था। मोहन यादव ने साफ-साफ कहा था कि छिंदवाड़ा में इस बार कमल खिलेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह भी हार गए।

मध्य प्रदेश में 2014 की मोदी लहर में कांग्रेस के बड़े-बड़े गढ़ ढह गए थे। सिर्फ गुना और छिंदवाड़ा में ही कांग्रेस को जीत मिली थी। 2019 में गुना में ज्योतिरादित्य सिंधिया को हार मिली। कमलनाथ के गढ़ छिंदवाड़ा से उनके बेटे नकुल नाथ महज 25 हजार वोट से जीत सके थे। 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजों के आधार पर कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह कम से कम 5 सीटों पर चुनौती देने की स्थिति में है। लेकिन पार्टी कहीं भी भाजपा का रास्ता नहीं रोक पाई।

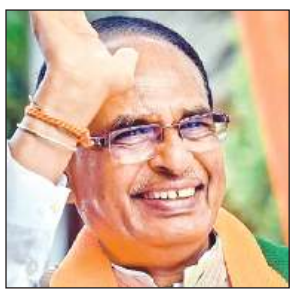

भाजपा नेता पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा से प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल कर गुना सीट पर जबरदस्त वापसी की। सिंधिया ने गुना सीट 5 लाख 29 हजार 193 लाख के अंतर से चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के यादवेन्द्र राव देशराज सिंह को 3,78,298 लाख वोट प्राप्त हुए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया।

शिवराज सिंह चौहान।

मध्यप्रदेश

29	00	00
भाजपा	कांग्रेस	अन्य

- भाजपा ने पहली बार किया क्लीन स्वीप, कमलनाथ का गढ़ छिंदवाड़ा भी ढहा

इंदौर में एक लाख वोट नोटा में पड़े

- इंदौर लोकसभा सीट से शंकर लालवानी विजयी घोषित किए गए। उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। सीट पर नोटा को एक लाख से ज्यादा वोट मिले। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन के बाद भाजपा का दामन थाम लिया था।

भाजपा ने एक प्रतिशत ज्यादा मत लेकर किया कमाल

- भाजपा ने प्रदेश की 29 सीटों पर करीब 59.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। यह 2019 के 58.5 प्रतिशत के मुकाबले सिर्फ एक प्रतिशत ज्यादा है। कांग्रेस को साल 2019 के चुनाव में मिले 34.8 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 32.19 प्रतिशत वोट ही मिल पाए। ढाई प्रतिशत मतों की कमी से पार्टी शून्य पर आ गई।

दिल्ली के दिल में मोदी क्लीन स्वीप की हैट्रिक

अमृत विचार। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों पर एक बार फिर भाजपा ने भगवा लहरा दिया है। साल 2019 में भी पार्टी ने यहां सातों सीटें अपने नाम की थी। हालांकि दिल्ली में इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गठबंधन के तौर पर चुनाव मैदान में उतरी थी। लेकिन इसका फायदा उन्हें नहीं मिल पाया। भाजपा ने सभी सातों सीटों पर क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा दी। भाजपा ने 2014 और 2019 में भी दिल्ली की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने 4 जबकि कांग्रेस ने 3 सीटों पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था। भाजपा ने अकेले दम पर सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। भाजपा के सभी प्रत्याशियों चांदनी चौक से प्रवीण खंडेलवाल, उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी, पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज, उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया, पश्चिमी दिल्ली से कमलजीत सहरावत और दक्षिण दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जीत दर्ज की है। इंडिया गठबंधन के साथ बसपा के प्रत्याशी भी सभी सीटों पर हार गए। लोकसभा में मिली जीत से भाजपा दिल्ली में और मजबूत होगी। वहीं आम आदमी पार्टी की परेशानी बढ़ेगी। भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं के जेल में होने से आप के सामने पार्टी को एकजुट रखने की चुनौती होगी। मनोज तिवारी के मुकाबले कन्हैया कुमार ने अपनी हार मानते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन को उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने का आदेश दिया है। वह इस क्षेत्र की जनता के लिए एक सक्रिय और सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे और उनकी मांगों और मुद्दों के लिए निरंतर आवाज उठाते रहेंगे।

बांसुरी स्वराज।

अमृत विचार
5
बुधवार, 5 जून 2024
www.amritvichar.com

लोकसभा चुनाव जनता का फैसला

सहारनपुर (1)

(+64542)
1 : इमरान मसूद (कांग्रेस)
547967 (कुल मिले मत)
2 : राघव लखनपाल (भाजपा)
483425 (कुल मिले मत)

बागपत (11)

(+159459)
1 : राजकुमार सांगवान (भाजपा+)
488967 (कुल मिले मत)
2 : अमरपाल (सपा)
329508 (कुल मिले मत)

मैनपुरी (21)

(+221639)
1 : डिंपल यादव (सपा)
598526 (कुल मिले मत)
2 : जयवीर सिंह (भाजपा)
376887 (कुल मिले मत)

हरदोई (31)

(+27856)
1 : जय प्रकाश रावत (भाजपा)
486798 (कुल मिले मत)
2 : उषा वर्मा (सपा)
458942 (कुल मिले मत)

इटावा (41)

(+58419)
1 : जितेंद्र दोहरे (सपा)
490747 (कुल मिले मत)
2 : रामशंकर कठेरिया (भाजपा)
432328 (कुल मिले मत)

फूलपुर (51)

(+4332)
1 : प्रवीण पटेल (भाजपा)
452600 (कुल मिले मत)
2 : अमरनाथ मौर्या (सपा)
448268 (कुल मिले मत)

बस्ती (61)

(+100994)
1 : रामप्रसाद चौधरी (सपा)
527005 (कुल मिले मत)
2 : हरीश द्विवेदी (भाजपा)
426011 (कुल मिले मत)

सलेमपुर (71)

(+3573)
1 : रमाशंकर राजभर (सपा)
405472 (कुल मिले मत)
2 : रवींद्र कुशवाहा (भाजपा)
401899 (कुल मिले मत)

कैराना (2)

(+69116)
1 : इकरा चौधरी (सपा)
528013 (कुल मिले मत)
2 : प्रदीप कुमार (भाजपा)
458897 (कुल मिले मत)

गाजियाबाद (12)

(+336965)
1 : अतुल गर्ग (भाजपा)
854170 (कुल मिले मत)
2 : डॉली शर्मा (कांग्रेस)
517205 (कुल मिले मत)

एटा (22)

(मतगणना जारी)
1 : देवेश शाक्य (सपा)
475808 (कुल मिले मत)
2 : राजवीर सिंह (भाजपा)
447756 (कुल मिले मत)

मिश्रिख (32)

(+33406)
1 : अशोक कुमार रावत (भाजपा)
475016 (कुल मिले मत)
2 : संगीता राजवंशी (सपा)
441610 (कुल मिले मत)

कन्नौज (42)

(+170922)
1 : अखिलेश यादव (सपा)
642292 वोट (कुल मिले मत)
2 : सुब्रत पाठक (भाजपा)
471370 (कुल मिले मत)

इलाहाबाद (52)

(+58795)
1 : उज्जवल रमण सिंह (कांग्रेस)
462145 (कुल मिले मत)
2 : नीरज त्रिपाठी (भाजपा)
403350 (कुल मिले मत)

सन्त कबीर नगर (62)

(+92170)
1 : लक्ष्मीकांत पप्पू निषाद (सपा)
498695 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण निषाद (भाजपा)
406525 (कुल मिले मत)

बलिया (72)

(+43384)
1 : सनातन पांडेय (सपा)
467068 (कुल मिले मत)
2 : नीरज शेखर (भाजपा)
423684 (कुल मिले मत)

मुजफ्फरनगर (3)

(+24672)
1 : हरेन्द्र मलिक (सपा)
470721 (कुल मिले मत)
2 : संजीव बलियान (भाजपा)
446049 (कुल मिले मत)

गौतम बुद्ध नगर (13)

(+559472)
1 : डॉ. महेश शर्मा (भाजपा)
857829 (कुल मिले मत)
2 : महेन्द्र सिंह नागर (सपा)
298357 (कुल मिले मत)

बदायूं (23)

(+34991)
1 : आदित्य यादव (सपा)
501855 (कुल मिले मत)
2 : दुर्विजय सिंह शाक्य (भाजपा)
466864 (कुल मिले मत)

उन्नाव (33)

(+35818)
1 : साक्षी महाराज (भाजपा)
616133 (कुल मिले मत)
2 : अनु टंडन (सपा)
580315 (कुल मिले मत)

कानपुर (43)

(+20968)
1 : रमेश अवस्थी (भाजपा)
443055 (कुल मिले मत)
2 : आलोक मिश्रा (कांग्रेस)
422087 (कुल मिले मत)

बाराबंकी (53)

(+215704)
1 : तनुज पुनिया (कांग्रेस)
719927 (कुल मिले मत)
2 : राजरानी रावत (भाजपा)
504223 (कुल मिले मत)

महाराजगंज (63)

(+35451)
1 : पंकज चौधरी (भाजपा)
591310 (कुल मिले मत)
2 : वीरेंद्र चौधरी (कांग्रेस)
555859 (कुल मिले मत)

जौनपुर (73)

(+99335)
1 : बाबू सिंह कुशवाहा (सपा)
509130 (कुल मिले मत)
2 : कृपा शंकर सिंह (भाजपा)
409795 (कुल मिले मत)

बिजनौर (4)

(+37508)
1 : चंदन चौहान (भाजपा+)
404493 (कुल मिले मत)
2 : दीपक सैनी (सपा)
366985 (कुल मिले मत)

बुलंदशहर (14)

(+275134)
1 : डॉ. भोला सिंह (भाजपा)
597310 (कुल मिले मत)
2 : शिवराम (कांग्रेस)
322176 (कुल मिले मत)

आंवला (24)

(+15969)
1 : नीरज मौर्य (सपा)
492515 (कुल मिले मत)
2 : धर्मेंद्र कश्यप (भाजपा)
476546 (कुल मिले मत)

मोहनलालगंज (34)

(+70292)
1 : आरके चौधरी (सपा)
667869 (कुल मिले मत)
2 : कौशल किशोर (भाजपा)
597577 (कुल मिले मत)

अकबरपुर (44)

(+44345)
1 : देवेंद्र सिंह भोले (भाजपा)
517423 (कुल मिले मत)
2 : राजाराम पाल(सपा)
473078 (कुल मिले मत)

फैजाबाद (54)

(+54567)
1 : अवधेश प्रसाद (सपा)
554289 (कुल मिले मत)
2 : लल्लू सिंह (भाजपा)
499722 (कुल मिले मत)

गोरखपुर (64)

(+103526)
1 : रवि किशन (भाजपा)
585834 (कुल मिले मत)
2 : काजल निषाद (सपा)
482308 (कुल मिले मत)

मछलीशहर (74)

(+35850)
1 : प्रिया सरोज (सपा)
451292 (कुल मिले मत)
2 : बीपी सरोज (भाजपा)
415442 (कुल मिले मत)

नगीना (5)

(+151473)
1 : चंद्रशेखर (आसपा)
512552 (कुल मिले मत)
2 : ओम कुमार (भाजपा)
361079 (कुल मिले मत)

अलीगढ़ (15)

(+15647)
1 : सतीश गौतम (भाजपा)
501834 (कुल मिले मत)
2 : बिजेंद्र सिंह (सपा)
486187 (कुल मिले मत)

बरेली (25)

(+34804)
1 : छत्रपाल सिंह गंगवार (भाजपा)
567127 (कुल मिले मत)
2 : प्रवीण सिंह एरन (सपा)
532323 (कुल मिले मत)

लखनऊ (35)

(+135159)
1 : राजनाथ सिंह (भाजपा)
612709 (कुल मिले मत)
2 : रविदास मेहरोत्रा (सपा)
477550 (कुल मिले मत)

जालौन (45)

(+53898)
1 : नारायण दास अहिरवार (सपा)
530180 (कुल मिले मत)
2 : भानु प्रताप वर्मा (भाजपा)
476282 (कुल मिले मत)

अम्बेडकरनगर (55)

(+137247)
1 : लालजी वर्मा (सपा)
544959 (कुल मिले मत)
2 : रितेश पांडेय (भाजपा)
407712 (कुल मिले मत)

कुशीनगर (65)

(+81790)
1 : विजय कुमार दुबे (भाजपा)
516345 (कुल मिले मत)
2 : अजय प्रताप सिंह (सपा)
434555 (कुल मिले मत)

गाजीपुर (75)

(+124861)
1 : अफजाल अंसारी (सपा)
539912 (कुल मिले मत)
2 : पारस नाथ राय (भाजपा)
415051 (कुल मिले मत)

मुरादाबाद (6)

(+105762)
1 : रुचि वीरा (सपा)
637363 (कुल मिले मत)
2 : कुंवर सर्वेश सिंह (भाजपा)
531601 (कुल मिले मत)

हाथरस (16)

(+247318)
1 : अनूप वाल्मिकी (भाजपा)
554746 (कुल मिले मत)
2 : जसवीर वाल्मिकी (सपा)
307428 (कुल मिले मत)

पीलीभीत (26)

(+164935)
1 : जितिन प्रसाद (भाजपा)
607158 (कुल मिले मत)
2 : भगवत सरन गंगवार (सपा)
442223 (कुल मिले मत)

रायबरेली (36)

(+390030)
1 : राहुल गांधी (कांग्रेस)
687649 वोट (कुल मिले मत)
2 : दिनेश प्रताप सिंह (भाजपा)
297619 (कुल मिले मत)

झांसी (46)

(+102614)
1 : अनुराग शर्मा (भाजपा)
690316 (कुल मिले मत))
2 : प्रदीप जैन 'आदित्य' (कांग्रेस)
587702 (कुल मिले मत)

बहराइच (56)

(+64227)
1 : आनंद कुमार गोंड (भाजपा)
518802 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद्र (सपा)
454575 (कुल मिले मत)

देवरिया (66)

(+34842)
1 : शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा)
504541 (कुल मिले मत)
2 : अखिलेश प्रताप सिंह (कांग्रेस)
469699 (कुल मिले मत)

चन्दौली (76)

(+21565)
1 : बीरेंद्र सिंह (सपा)
474476 (कुल मिले मत)
2 : महेंद्र नाथ पांडेय (भाजपा)
452911 (कुल मिले मत)

रामपुर (7)

(+87434)
1 : मोहिबुल्लाह नदवी (सपा)
481503 (कुल मिले मत)
2 : घनश्याम सिंह लोधी (भाजपा)
394069 (कुल मिले मत)

मथुरा (17)

(+293407)
1 : हेमा मालिनी (भाजपा)
510064 (कुल मिले मत)
2 : मुकेश धनगर (कांग्रेस)
216657 (कुल मिले मत)

शाहजहांपुर (27)

(+55379)
1 : अरुण कुमार सागर (भाजपा)
592718 (कुल मिले मत)
2 : ज्योत्सना गोंड (सपा)
537339 (कुल मिले मत)

अमेठी (37)

(+167196)
1 : केएल शर्मा (कांग्रेस)
539228 (कुल मिले मत)
2 : स्मृति इरानी (भाजपा)
372032 (कुल मिले

हमीरपुर-महोबा (47)

(+2629)
1 : अजेन्द्र सिंह लोधी (सपा)
490683 (कुल मिले मत)
2 : पुष्पेन्द्र चंदेल (भाजपा)
488054 (कुल मिले मत)

कैसरगंज (57)

(+148843)
1 : करण भूषण सिंह (भाजपा)
571263 (कुल मिले मत)
2 : भगत राम (सपा)
422420 (कुल मिले मत)

बांसगांव (67)

(+3150)
1 : कमलेश पासवान (भाजपा)
428693 (कुल मिले मत)
2 : सदल प्रसाद (कांग्रेस)
425543 (कुल मिले मत)

वाराणसी (77)

(+152513)
1 : नरेन्द्र मोदी (भाजपा)
612970 (कुल मिले मत)
2 : अजय राय (कांग्रेस)
460457 (कुल मिले मत)

सम्भल (8)

(+121494)
1 : जियाउरहमान (सपा)
571161 (कुल मिले मत)
2 : परमेश्वर लाल सैनी (भाजपा)
449667 (कुल मिले मत)

आगरा (18)

(+271294)
1 : एसपी सिंह बघेल (भाजपा)
599397 (कुल मिले मत)
2 : सुरेश चंद कर्दम (सपा)
328103 (कुल मिले मत)

खीरी (28)

(+34329)
1 : उत्कर्ष वर्मा 'मधुर' (सपा)
557365 (कुल मिले मत)
2 : अजय मिश्र (टेनी) (भाजपा)
523036 (कुल मिले मत)

सुल्तानपुर (38)

(+43174)
1 : राम भुआल निषाद (सपा)
444330 (कुल मिले मत)
2 : मेनका गांधी(भाजपा)
401156 (कुल मिले मत)

बांदा (48)

(+71210)
1 : कृष्णा देवी पटेल (सपा)
406567 (कुल मिले मत)
2 : आरके सिंह पटेल (भाजपा)
335357 (कुल मिले मत)

श्रावस्ती (58)

(+76673)
1 : राम शिरोमणि वर्मा (सपा)
511055 (कुल मिले मत)
2 : साकेत मिश्रा (भाजपा)
434382 (कुल मिले मत)

लालगंज (68)

(+115023)
1 : दरोगा प्रसाद सरोज (सपा)
439959 (कुल मिले मत)
2 : नीलम सोनकर (भाजपा)
324936 (कुल मिले मत)

भदोही (78)

(+44072)
1 : डॉ. विनोद कुमार बिंद (भाजपा)
459982 (कुल मिले मत)
2 : ललितेश पति त्रिपाठी (टीएमसी)
415910 (कुल मिले मत)

अमरोहा (9)

(+28670)
1 : कंवर सिंह तंवर (भाजपा)
476506 (कुल मिले मत)
2 : दानिश अली (कांग्रेस)
447836 (कुल मिले मत)

फतेहपुर सीकरी (19)

(+43405)
1 : राजकुमार चाहर (भाजपा)
445657 (कुल मिले मत)
2 : राम नाथ सिकरवार (कांग्रेस)
402252 (कुल मिले मत)

धौरहरा (29)

(+4449)
1 : आनंद भदौरिया (सपा)
443743 (कुल मिले मत)
2 : रेखा वर्मा (भाजपा)
439294 (कुल मिले मत)

प्रतापगढ़ (39)

(+66206)
1 : एसपी सिंह पटेल (सपा)
441932 (कुल मिले मत)
2 : संगम लाल गुप्ता (भाजपा)
375726 (कुल मिले मत)

फतेहपुर (49)

(+33199)
1 : नरेश उत्तम पटेल (सपा)
500328 (कुल मिले मत)
2 : निरंजन ज्योति (भाजपा)
467129 (कुल मिले मत)

गोंडा (59)

(+46224)
1 : कीर्तिवर्धन सिंह (भाजपा)
474258 (कुल मिले मत)
2 : श्रेया वर्मा (सपा)
428034 (कुल मिले मत)

आज़मगढ़ (69)

(+161035)
1 : धर्मेंद्र यादव (सपा)
508239 वोट (कुल मिले मत)
1 : दिनेश यादव निरहुआ (भाजपा)
347204 (कुल मिले मत)

मिर्जापुर (79)

(+37810)
1 : अनुप्रिया पटेल (भाजपा+)
471631 (कुल मिले मत)
2 : रमेश चंद बिंद (सपा)
433821 (कुल मिले मत)

मेरठ (10)

(+10585)
1 : अरुण गोविल (भाजपा)
546469 (कुल मिले मत)
2 : सुनीता वर्मा (सपा)
535884 (कुल मिले मत)

फिरोज़ाबाद (20)

(+89312)
1 : अक्षय यादव (सपा)
543037 (कुल मिले मत)
2 : विश्वदीप सिंह (भाजपा)
453725 (कुल मिले मत)

सीतापुर (30)

(+89641)
1 : राकेश राठौर (कांग्रेस)
531138 (कुल मिले मत)
2 : राजेश वर्मा (भाजपा)
441497 (कुल मिले मत)

फर्रुखाबाद (40)

(+2678)
1 : मुकेश राजपूत (भाजपा)
487963 (कुल मिले मत)
2 : डॉ नवल किशोर शाक्य (सपा)
485285 (कुल मिले मत)

कौशाम्बी (50)

(+103944)
1 : पुष्पराज सरोज (सपा)
509787 (कुल मिले मत)
2 : विनोद सोनकर (भाजपा)
405843 (कुल मिले मत)

डुमरियागंज (60)

(+42728)
1 : जगदंबिका पाल (भाजपा)
463303 (कुल मिले मत)
2 : भीष्मा शंकर तिवारी(सपा)
420575 (कुल मिले मत)

घोसी (70)

(+162943)
1 : राजीव राय (सपा)
503131 (कुल मिले मत)
2 : अरविंद राजभर (सुभासपा)
340188 (कुल मिले मत)

राबर्ट्सगंज (80)

(+129234)
1 : छोटेलाल खरवार (सपा)
465848 (कुल मिले मत)
2 : रिंकी कोल (भाजपा+)
336614 (कुल मिले मत)

भोले ने जीत और पाल ने लगाई हार की हैट्रिक

2014 में पहली बार मोदी लहर में जीते थे देवेंद्र सिंह भोले

अकबरपुर सीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

जीत के बाद भोले अपने समर्थकों से गले मिले। अमृत विचार

अमृत विचार। अकबरपुर संसदीय सीट पर भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने जीत की हैट्रिक लगाई है, जबकि सपा उम्मीदवार राजाराम पाल ने हार की हैट्रिक बनाई। भोले पहली बार 2014 में संसदीय चुनाव में मैदान में उतरे थे, तब नरेंद्र मोदी की प्रचंड लहर थी। इस चुनाव में उन्हें जीत मिली तो फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी ही पार्टी के विधायकों के विरोध के बाद न सिर्फ उन्होंने 2019 में जीत दर्ज की बल्कि इस चुनाव में भी उन्होंने कड़े मुकाबले में संसद पहुंचने में कामयाबी हासिल की। 2019 में बसपा- सपा गठबंधन था पर इस बार के मुकाबले उनकी जीत का अंतर ज्यादा था। इस बार कांग्रेस-सपा के उम्मीदवार राजाराम पाल न सिर्फ उनके सामने मजबूती से डंटे रहे पर मोदी की गारंटी, क्षेत्र में किए गए विकास के कार्यों के दम पर भोले ने उन्हें आगे नहीं निकलने दिया।

2009 में कांग्रेस के टिकट पर राजाराम पाल ने इस सीट से जीत दर्ज की थी। इससे पहले भी वे बसपा के टिकट पर बिल्हौर सीट से सांसद बने थे। 2009 के बाद राजाराम पाल 2014 और 2019 में कांग्रेस के टिकट पर अकबरपुर से मैदान में उतरे पर मतदाताओं ने उन्हें नकार दिया। 2014 में उन्हें चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। 2019 में चूंकि सपा और बसपा संयुक्त रूप से मैदान में थीं इसलिए राजाराम पाल इस चुनाव में तीसरे स्थान पर थे। राजाराम पाल पाला बदलकर सपा में गए तो वहां उन्हें तबज्जो भी खूब मिली। इस बार के चुनाव में उन्हें पार्टी ने मैदान में उतारा पर कांग्रेस के कमजोर संगठन और सपा पदाधिकारियों से कांग्रेसियों के तालमेल की कमी का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। राजाराम पाल टिकट मिलने के बाद से ही अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थे। यही वजह थी कि वे चुनाव प्रचार के लिए घर से सुबह 11 बजे के बाद निकलते थे। यह अति आत्मविश्वास भी उनके लिए घातक साबित हुआ। भोले मतदाताओं को यह बताने में कामयाब रहे कि उन्हें क्षेत्र में कौन-कौन से बड़े विकास कार्य कराए हैं। मोदी सरकार की नीतियों का भी बखान उन्हें खूब किया। साथ ही राजाराम पाल और उनकी पार्टी की ओर से संविधान व आरक्षण खत्म होने की जो दलीलें पेश की गईं उन पर मतदाता विश्वास न करे इसके लिए भी वे लगातार अपना पक्ष रखते रहे। इसका परिणाम सुखद रहा और वे जीत दर्ज करने में कामयाब हुए।

भोले को अपनों ने खूब छकाया

सांसद देवेंद्र सिंह भोले को विरोधी बसपा के राजेश द्विवेदी और सपा के राजाराम पाल के साथ ही उन्हें अपनों ने भी खूब परेशान किया। तीन विधायक ऐसे रहे जिन्होंने तो उनकी हार के लिए भितरघात भी किया। एक विधायक के समर्थकों ने तो बकायदा कानपुर में जय श्रीराम अकबरपुर में राजाराम का नारा भी लगाया। ये नारा संसदीय क्षेत्र के कई बूथों पर मतदान के दिन गूंजा। हालांकि मतदाताओं के विश्वास से भितरघात को पार कर भोले जीतने में कामयाब हुए।

51,42,56
भाजपा देवेंद्र सिंह भोले

72,679
बसपा राजेश द्विवेदी

46,97,66
कांग्रेस राजाराम पाल

2019 का जनादेश

5,81,282
भाजपा देवेंद्र सिंह भोले

3,06, 140
बसपा निशा सचान

1,08,341
कांग्रेस राजाराम पाल

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दूरी हार का कारण

कांग्रेस से सपा में आए राजाराम पाल को उम्मीद थी कि उन्हें कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से पूरी मदद मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। कांग्रेस के पदाधिकारी लगातार उनसे दूरी बनाए रहे। जब कोई बड़ा नेता आया तो वे जरूर उनके साथ दिखे। कल्याणपुर, बिठूर विधानसभा क्षेत्र में तो उनके साथ तालमेल कहीं भी नहीं दिखा। इसी का परिणाम रहा कि राजाराम पाल को एक बार फिर हार का स्वाद चखना पड़ा।

हमीरपुर-महोबा सीट पर पुनर्मतगणना के बाद सपा की जीत

हमीरपुर। हमीरपुर-महोबा लोकसभा चुनाव में मतों की गिनती में शुरुआत से भाजपा प्रत्याशी पुष्पेंद्र सिंह चंदेल बढ़त बनाए रहे। वहीं सपा के अजेंद्र सिंह लोधी इस दौरान बराबर उनसे सीधी लड़ाई करते नजर आए। जबकि बसपा के निर्दोष कुमार दीक्षित तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी के चक्रों में सपा प्रत्याशी ने 2603 वोटों की बढ़त से विजय हासिल की। इसके बाद हंगामा होने पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुर्नमतगणना के आदेश दिए। पुनः मतगणना के बाद सपा उम्मीदवार को 2629 वोट से विजयी घोषित किया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बुंदेलखंड की हमीरपुर-महोबा लोकसभा सीट की सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई। शुरुआती रुझान से ही भाजपा के पुष्पेंद्र सिंह चंदेल आगे चलते रहे हैं। दूसरे नंबर पर इंडिया गठबंधन की ओर से सपा के अजेंद्र सिंह राजपूत रहे हैं। बसपा के निर्दोष कुमार दीक्षित तीसरे नंबर पर शुरुआत से ही रहे। इस सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान हुआ था। 60.36 फीसदी वोटिंग हुई थी। काउंटिंग की शुरुआत में पोस्ट बैलट की गिनती से हुई। इसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती शुरू की गई। 33 राउंड चली गिनती देर शाम तक चलती रही। बीजेपी व सपा के बीच कांटे की टक्कर रही। शुरुआत से लेकर दोपहर तक बीजेपी सपा से 18 हजार वोटों से आगे रही, लेकिन शाम होते ही सपा के वोटरों में बढ़ोत्तरी होते ही बीजेपी सपा से 4700 वोटों के आगे चली। वहीं शाम सवा पांच बजे सपा प्रत्याशी अजेंद्र सिंह लोधी 2028 वोटों से जीत गए। इस पर हंगामे के बाद पुर्मतगणना कराई गई। जिसमें सपा उम्मीदवार 2629 वोट से जीत गए।

बुंदेलखंड में दौड़ी साइकिल, सिर्फ झांसी लोस सीट बचा पाई भाजपा

बांदा-चित्रकूट सीट

कुल मिले मत 4,06,567
जीत का अंतर 71,210

कृष्णा शिवशंकर पटेल (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 3,35,357

आरके पटेल (भाजपा)

जालौन-गरौठा सीट

कुल मिले मत 5,30,180
जीत का अंतर 53,898

नारायण दास अहिरवार (सपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 4,76,282

भानुप्रताप वर्मा (भाजपा)

झांसी सीट

कुल मिले मत 9,90,316
जीत का अंतर 1,02,614

अनुराग शर्मा (भाजपा)

निकटतम प्रतिद्वंद्वी कुल मिले मत 5,87,702

प्रदीप जैन आदित्य (कांग्रेस)

बृजेश श्रीवास्तव, कानपुर

- झांसी में लगातार तीसरी मर्तबा भाजपा ने हासिल की जीत
- हमीरपुर में पुनर्मतगणना के बाद सपा के अजेंद्र सिंह लोधी जीते

अमृत विचार : बुंदेलखंड की सूखी धरा में इस बार कमल मुरझा गया। साइकिल की रफ्तार में भारतीय जनता पार्टी सिर्फ झांसी सीट ही बचा पाई। यह दीगर बात है कि झांसी सीट में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की, लेकिन बांदा-चित्रकूट, जालौन-गरौठा और हमीरपुर-महोबा सीट समाजवादी पार्टी ने छीन ली। इन तीनों सीटों पर दो चुनावों से भाजपा का कब्जा था और इस बार हैट्रिक लगने की संभावना जताई जा रही थी।

वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बांदा-चित्रकूट संसदीय सीट पर समाजवादी पार्टी से आरके पटेल ने जीत हासिल की थी, लेकिन उसके बाद 2014 के चुनाव में भाजपा ने भैरोंप्रसाद मिश्रा को मैदान पर उतारा और मोदी लहर में यह सीट भाजपा के खाते में आ गई। इसके बाद 1019 के चुनाव में सपा छोड़कर आए आरके पटेल को भाजपा ने चुनाव लड़ाया और जीत हासिल की। इस बार जनता ने भाजपा प्रत्याशी को नकार दिया।

यही हाल जालौन-गरौठा सीट का रहा। वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी घनश्याम अनुरागी ने जीत हासिल की, लेकिन 2014 के चुनाव में भाजपा ने भानुप्रताप वर्मा को मैदान पर उतारकर मोदी लहर के सहारे अपना कब्जा जमा लिया। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने फिर भानुप्रताप वर्मा पर को चुनाव लड़ाया और वह 5,30,180 पाकर चुनाव जीते, लेकिन इस बार वह हैट्रिक लगाने से चूक गए।

हमीरपुर-महोबा संसदीय सीट भी भाजपा के हाथ से खिसक गई। यहां वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में बसपा के विजय बहादुर सिंह ने जीत हासिल की थी। वर्ष 2014 और 2019 में भाजपा ने पुष्पेंद्र चंदेल को चुनाव मैदान में उतारा। दोनों बार ही भाजपा ने जीत हासिल की, लेकिन इस बार पुष्पेंद्र चंदेल हैट्रिक से चूक गए। इसके पहले 1996 और 1998 में भाजपा के गंगाचरण राजपूत ने लगातार दो चुनाव जीते थे। इस बार सपा के अजेंद्र सिंह लोधी जीते। यहां पुनर्मतगणना के बाद सपा को 4,90,683 मत और पुष्पेंद्र चंदेल को 4,88,054 मत मिले। इस तरह 2629 मतों से सपा को जीत मिली।

भाजपा ने झांसी में लगातार तीसरी बार जीत हासिल की। वर्ष 2009 में कांग्रेस के प्रदीप जैन आदित्य ने विजय पाई थी, जबकि 2014 में भाजपा से उमा भारती ने चुनाव जीता था। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने अनुराग शर्मा को उतारा और जीत हासिल की।

डीएम-एसपी ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

मतों की गिनती के दौरान मतगणना कार्मिकों को मोबाइल, कैलकुलेटर, स्मार्ट वॉच आदि ले जाने पर रोक लगाई गई थी। कुछ कार्मिको की जेब में मोबाइल पाए जाने पर उनका मोबाइल जमा करा दिया गया। स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईवीएम मशीन टेबिलों तक भेजी गई।

सड़क पर लगे बैरियर पर लगे पुलिस जवान। अमृत विचार

भाजपा के रमेश ने कांग्रेस के आलोक को हराया

कानपुर सीट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। संसदीय क्षेत्र कानपुर पर भाजपा ने फिर कब्जा जमाया। कड़े मुकाबले में पार्टी उम्मीदवार रमेश अवस्थी ने कांग्रेस-सपा उम्मीदवार आलोक मिश्रा को पटखनी दी। भाजपा उम्मीदवार को 20968 मतों से जीत मिली। परिणाम की घोषणा होते ही इंडिया गठबंधन के खेमे में उदासी का माहौल छा गया।

नौबस्ता नवीन गल्लामंडी में सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई। इस दौरान कई बार रमेश तो कुछ राउंड में आलोक मिश्रा आगे रहे। 26 राउंड में मतगणना पूरी हुई तो रमेश अवस्थी को 443055 मत मिले, जबकि आलोक मिश्रा के खाते में 422087 वोट आए। इस सीट पर इस बार जीत-हार का अंतर सिर्फ 20,968 रहा। ऐसा कई बार हुआ जब कांग्रेस के कार्यकर्ता बढ़त बनाने पर आलोक मिश्रा के जीतने की उम्मीद में जश्न मनाते दिखे, लेकिन जब रमेश आगे हुए तो भाजपा के खेमे में खुशी की लहर दौड़ी और कांग्रेस- सपा कार्यकर्ता बेचैन दिखे।

अंतिम चरण की मतगणना में स्थितियां स्पष्ट हुईं और रमेश अवस्थी ने 20 हजार 968 वोटों से जीत दर्ज की। इस बार लोकसभा सीट कानपुर में 883279 मतदाताओं ने मताधिकारी का प्रयोग किया था। जिसमें 4117 लोगों ने नोटा का इस्तेमाल किया है। वहीं 552 डाक मतपत्र अवैध पाए गए।

जीत के बाद खुशी का इजहार करते भाजपा सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

पार्टी	उम्मीदवार	मिले वोट
कांग्रेस	आलोक मिश्रा	422087
बसपा	कुलदीप भदौरिया	12032
भाजपा	रमेश अवस्थी	443055
सभी जन पार्टी	अशोक पासवान	1974
प्रसश्त धीर	ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक	465
वालेंद्र कटियार	सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया	270
संजय सिंह	प्राउटिस्ट ब्लाक	350
अजय कुमार मिश्रा	निर्दलीय	672
अरविंद कुमार श्रीवास्तव	निर्दलीय	398
आलोक मिश्रा	निर्दलीय	1198
मनोज कुमार	निर्दलीय	778

जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

कड़ी सुरक्षा के बीच कराई मतगणना

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- मतगणना स्थल के चारों तरफ चप्पे चप्पे पर तैनात रहा पुलिस फोर्स

अमृत विचार। महोबा चरखारी मार्ग में स्थित राजकीय पालिटेक्निक में मंगलवार को सुबह आठ बजे से शुरू कराई गई मतगणना दौरान मतगणना स्थल के चारो तरफ चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। पॉलीटेक्निक मार्ग को बैरियर लगाकर सील कर दिया गया। पॉलीटेक्निक के करीब बने रेलवे स्टेशन से आने वाली सवारियों की आवागमन पर भी रोक लगा दी गई। जिससे इस मार्ग पर कोई वाहन नहीं चल सका, जिससे स्टेशन आने जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

मतगणना स्थल मैदान पर भी चारों तरफ पुलिस फोर्स तैनात रहा। किसी को भी बिना पास के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया।

मतगणना स्थल के अंदर किसी को जाने की अनुमति नहीं दी गई, जिससे मतगणना स्थल पर अधिकारियों और मतगणना कार्मिकों के अलावा कोई नही फटक सका। सुबह से शाम तक चली मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

दुकान में लगे टीवी पर चुनाव परिणाम देखते लोग। अमृत विचार

लोग मोबाइल व टीवी से चिपके रहे

कुरारा(हमीरपुर)। लोकसभा चुनाव परिणाम जानने के लिए कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में लोग मोबाइल और टीवी में डटे रहे। शुरुआत में भाजपा प्रत्याशी की बढ़त पर भाजपा समर्थक खुशी जता रहे थे। सपा प्रत्याशी के आगे होने पर चेहरों में मुस्कान गायब होने लगी। सपा समर्थक उत्साहित होकर परिणाम जानने के लिए टीवी और मोबाइल में देखने में जुटे हुए हैं। कस्बा व ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग मोबाइल व टीवी पर देखने में लगे थे।

कार्मिक को एम्बुलेंस ले जाते कर्मी। अमृत विचार

गर्मी से मतगणना कार्मिक हुआ बेहोश

मतगणना के दौरान भीषण गर्मी के चलते एक मतगणना कार्मिक बेहोश हो गया, जिससे कुछ समय के लिए उस टेबिल पर सन्नाटा छा गया। आनन-फानन में कार्मिक को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर उसका उपचार किया गया। उपचार करने के बाद डाक्टरों ने उसे भर्ती कर लिया और तीन घंटे के बाद हालत में सुधार होने पर कार्मिक की छुट्टी कर दी गई।

जेठ ने दी जान से मारने की धमकी

कुरारा(हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के भौली गांव में पीड़िता महिला के साथ जेठ द्वारा गाली गलौज व मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता सिया रानी पत्नी ललिता निषाद ने दी तहरीर में बताया कि सोमवार की शाम जेठ घनश्याम निषाद गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर मारा।

परिजनों से नाराज होकर युवती ने खाया जहर

कुरारा(हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के चकोठी गांव में 25 वर्षीय युवती ने परिजनों से नाराज होकर जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया हालत बिगड़ते देख परिजन कुरारा सीएचसी उपचार के लिए लेकर आए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार न होते देखकर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। क्षेत्र के चकोठी गांव निवासी सरिता (25) पत्नी संतराम मंगलवार को परिजनों से नाराज होकर जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया था। हालत बिगड़ते देख परिजन कुरारा सीएचसी उपचार के लिए लेकर आऐ ड्यूटी में तैनात डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया

महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

राठ(हमीरपुर)। क्षेत्र के बिहूनी गांव में 45 वर्षीय महिला नारायणी ने घरेलू झगड़े के चलते अपने घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर अपनी जीवन लीला को समाप्त करने का प्रयास किया। जिसके बाद महिला की हालत बिगड़ने पर मौके पर मौजूद परिजनों ने उसे आनन फानन में इलाज हेतु राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत बिगड़ने पर उसे राठ के सरकारी अस्पताल भेजा गया।

हरदोई और मिश्रिख दोनों सीटों पर भाजपा की जीत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिले की सीटों पर जनता ने इस बार फिर से कमल खिलाकर पुराने सांसदों के सिर पर जीत का सेहरा बांधा है। हरदोई लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी जयप्रकाश रावत तथा मिश्रिख लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत दोबारा चुनाव जीत कर देश के सबसे बड़ी पंचायत में जनता की नुमाइंदी के लिए पहुंचे। जयप्रकाश को चार लाख 85 हजार 745 वोट मिले, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंदी सपा की ऊषा वर्मा को चार लाख 57 हजार 553 वोट मिले। भाजपा प्रत्याशी ने ऊषा वर्मा को 28 हजार 192 वोटों से हराया। बसपा के प्रत्याशी बीआर अंबेडकर को मात्र एक लाख 22 हजार 334 वोट ही मिल पाए।

वहीं मिश्रिख लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत को4,73,971 और उनकी निकटतम प्रतिद्धंदी सपा की संगीता राजवंशी को 4,40,157 वोट मिले। साथ ही बसपा के बीआर अहिरवार को 1,11,670वोट ही मिल सके। भाजपा प्रत्याशी अशोक रावत ने सपा की संगीता रावत को 33,214 मतों से शिकस्त देते हुए चौथी बार दिल्ली का रूख किया है।

अशोक रावत को जीत का प्रमाण देते जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी।

बताते चलें कि जिले के हरदोई लोकसभा क्षेत्र से भाजपा से वर्तमान सांसद जयप्रकाश रावत, सपा से पूर्व सांसद ऊषा वर्मा व बसपा से बीआर अंबेडकर चुनाव लड़ रहे थे। इस लोकसभा क्षेत्र में शाहाबाद, गोपामऊ, हरदोई, सवायजपुर, सांडी विधानसभा क्षेत्र आते हैं। मंगलवार को हुई मतगणना में सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती शुरू हुई। इसके पश्चात ईवीएम में पड़े वोटों को गिनने की प्रक्रिया शुरू हुई। शुरुआती चरण से ही जयप्रकाश रावत ने बढ़त बना ली। बढ़त की यह प्रक्रिया अंतिम राउंड तक चलती रही।

परेशानी करीब एक साल से 3500 लाभार्थियों का अटका भुगतान

मातृत्व वंदना योजना का दो माह से पोर्टल ठप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से करीब एक साल से मांए वंचित हैं। योजना का पोर्टल करीब 10 माह बाद खुलने के बाद फिर से बंद कर दिया गया। जिससे करीब 3500 लाभार्थियों का भुगतान अटका है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के मुकाबले मात्र 34 फीसदी महिलाओं को को ही इसका लाभ मिल सका है। करीब साढ़े छह हजार आवेदकों का अप्रूवल नहीं मिल सका है। अब शासन ने योजना को स्वास्थ्य विभाग से हटाकर प्रोबेशन में शिफ्ट कर दिया है। जिसे बाल विकास विभाग (आईसीडीएस) देखेगा।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत महिलाओं को पहले बच्चे का जन्म होने पर तीन किस्तों में पांच हजार रुपये की धनराशि सरकार से मिलती है। इसके लिए आशा कार्यकर्ता के जरिए आवेदन करना होता है। जिला समन्वयक मोहित कुमार के अनुसार शासन ने स्वास्थ्य विभाग से हटाकर प्रोबेशन में शिफ्ट कर दिया है। जिसे बाल विकास विभाग (आईसीडीएस) देखेगा। लेकिन अभी तक नई गाइडलाइन न मिलने से योजना का कार्य दो माह से पूरी तरह ठप है। कहा कि नए पोर्टल में शहरी व ग्रामीण आवेदनों को अप्रूवल नहीं मिल सका है। वहीं पुराने पोर्टल में 33 हजार लाभार्थियों के सापेक्ष करीब 3500 लाभार्थियों का भुगतान अटका है।

> शासन स्तर से प्रधानमंत्री मातृत्व योजना को उनके विभाग को हैंडओवर किया गया है, लेकिन जिला स्तर से अभी तक ऐसी कोई गाइडलाइन नहीं मिली है। जैसे निर्देश मिलेंगे, वैसे ही योजना का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा।
>
> शैलेंद्र सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी

लक्ष्य के मुकाबले मात्र 34.36 फीसदी प्राप्ति

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्तीय वर्ष में जिले को 6842 का लक्ष्य मिला था। इसमें अब तक 2351 का डाटा फीड किया गया। वहीं अब तक मात्र 503 लाभार्थियों को ही धनराशि प्राप्त हुई है जो लक्ष्य का 34 .36 फीसदी है। ब्लॉकवार प्रगति के हिसाब से गोहांड में 41 .73 फीसदी, कुरारा में 40 .92, मौदहा में 18 .33, मुस्करा में 38 .28, राठ में 57 .86, सरीला में 22 .48, सुमेरपुर में 18 .01 व हमीरपुर नगरीय में 66 .27 फीसदी प्रगति हुई है।

मतगणना स्थल पर जायजा लेते आईजी। अमृत विचार

जीत के बाद खुशी मनाते सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

खाने को लेकर पुलिसकर्मियों में मची रही होड़। अमृत विचार

अब तक कोई उम्मीदवार नहीं लगा सका हैट्रिक

फतेहपुर सीट पर 19 बार सांसद चुनने का मतदाताओं को मिला मौका

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। फतेहपुर संसदीय सीट पर किसी भी दल का प्रत्याशी हैट्रिक नहीं सका। जबकि दो बार सांसद रहने का मौका पूर्व पीएम वीपी सिंह समेत कांग्रेस के एक व भाजपा के दो प्रत्याशियों को मिला। दो बार सांसद रहने वालों में कांग्रेस से हरिकृष्ण शास्त्री व भाजपा से डा. अशोक पटेल के साथ इसी दल की साध्वी निरंजन ज्योति शामिल हैं। संसदीय चुनाव के इतिहास में हैट्रिक मारने का सपना किसी भी दल का अभी तक पूरा नहीं हो सका है। भाजपा उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति इस चुनाव में तीसरी जीत की लाइन पर थीं लेकिन सपा के प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल, उनकी विनिंग ट्रैक को रोकने में कामयाब रहे। इससे पहले यह मौका कांग्रेस व जनता दल को मिला था लेकिन यहां की सियासी पिच ने इसकी इजाजत नहीं दी।

19वीं लोकसभा चुनाव तक फतेहपुर संसदीय सीट पर 14 लोगों को सांसद बनने का मौका मिला है। हालांकि एक उपचुनाव समेत यहां के मतदाताओं को 19 बार सांसद चुनने का मौका मिला है। संसदीय सीट के छठवे सांसद जनता पार्टी के वसीर अहमद की कार्यकाल के मध्य में मौत होने से जिले में 1978 में उप चुनाव हुआ था। इसमें जनता पार्टी के ही सैय्यद लियाकत हुसैन ने कांग्रेस के प्रेम दत्त तिवारी को पराजित कर पार्टी का कब्जा बहाल रखा था। इस चुनाव को मिलाकर जिले में अब तक 19 लोकसभा चुनाव हो सके हैं। 19 चुनावों में कांग्रेस के संतबक्स सिंह, कांग्रेस के हरीकृष्ण शास्त्री, भाजपा के डा. अशोक पटेल और भाजपा की ही साध्वी निरंजन ज्योति दो बार सांसद बनी हैं। इस तरह से जिले से अब तक कुल 14 लोगों को सांसद बनने का मौका मिल चुका है। वर्ष 1957 में हुए पहले चुनाव में कांग्रेस के अंसार हरवानी ने जीत हासिल की थी। 1962 के चुनाव में यहां की जनता ने निर्दल गौरीशंकर को चुना। 1967 के चुनाव में कांग्रेस से संतबक्श सिंह विजयी हुए। 1971 के चुनाव में भी सिंह चुनाव जीतने में कामयाब रहे। 1977 के चुनाव में संतबक्श को तीसरी बार मौका दिया गया लेकिन भारतीय लोकदल प्रत्याशी बशीर अहमद से चुनाव हार गए। 1980 के चुनाव में कांग्रेस फिर लौटी। इस चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बेटे हरिकृष्ण शास्त्री ने जनता पार्टी सेक्युलर के लियाकत हुसैन को शिकस्त दी। 1984 के चुनाव में भी हरिकृष्ण के हाथ बाजी लगी और उन्होंने लोकदल से यह चुनाव लडने वाले लियाकत को परास्त किया। 1989 के चुनाव में हरिकृष्ण को हैट्रिक के लिए मैदान में उतारा गया लेकिन राजा मांडा की आंधी के आगे उनकी एक न चली। यह चुनाव वीपी सिंह ने जीता। 1991 के चुनाव में भी विश्वनाथ प्रताप सिंह का जादू चला और उन्होंने भाजपा के विजय सचान को हरा दिया। 1996 के चुनाव में भाजपा को एक और हार नसीब हुई। यह चुनाव बसपा के विशभंर प्रसाद निषाद ने भजपा के महेंद्र प्रताप नारायन सिंह से जीता। इसके बाद 1998 के चुनाव में भाजपा के डॉ अशोक पटेल ने बसपा के विशंभर प्रसाद निषाद को पटकनी देकर चुनाव जीता। साल भर बाद हुए मध्यावधि चुनाव में भी अशोक को ही यहां की जनता ने पंसद किया। इस चुनाव में बसपा के सूर्यबली निषाद चुनाव हार गए। वर्ष 2004 में बसपा का एक और जादू चला। बसपा उम्मीदवार महेंद्र प्रसाद निषाद ने राकेश सचान को हराकर बसपा की सियासी सफलता रोक दी। 2009 में सपा को यहां से पहली सफलता मिली। राकेश सचान ने बसपा उम्मीदवार महेंद्र प्रसाद निषाद से यह सीट छीन ली। इसके बाद 2014 व 2019 के चुनाव में भाजपा की सांध्वी निरंजन ज्योति को कामयाबी मिली।

सुबह तांबेश्वर मंदिर पहुंचीं भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति। अमृत विचार

मतगणना स्थल की ओर जाते सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल। अमृत विचार

जीते-हारे प्रत्याशियों के बयान

इस बार जनता ने झूठ व जुमलों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्हें पता चल गया है कि भाजपा सिर्फ झूठ के सहारे उनका वोट लेती है और बाद में उनकी ही कमर तोड़ने का काम करती है।

-नरेश उत्तम पटेल
विजयी प्रत्याशी, सपा

हार-जीत मायने नहीं रखती है, मायने रखता है जनता के बीच में रहना और उनके सुख दुख को अपना बना लेना। वह जनता के बीच हमेशा रही हैं और आगे भी रहेंगी।

-साध्वी निरंजन ज्योति
भाजपा, पूर्व सांसद

अब तक यह रहे सांसद

वर्ष	सांसद	वर्ष	सांसद
1952	शिवदत्त उपाध्याय	1991	वीपी सिंह
1957	अंसार हरवानी	1996	वीपी निषाद
1962	गौरीशंकर कक्कड़	1998	डा. अशोक पटेल
1967	संतबक्स सिंह	1999	डा. अशोक पटेल
1971	संतबक्स सिंह	2004	महेन्द्र प्रसाद निषाद
1977	बशीर अहमद	2009	राकेश सचान
1978	लियाकत हुसैन	2014	साध्वी निरंजन ज्योति
1980	हरीकृष्ण शास्त्री	2019	साध्वी निरंजन ज्योति
1984	हरीकृष्ण शास्त्री	2024	नरेश उत्तम पटेल
1989	वीपी सिंह		

टीवी व मोबाइल स्क्रीन पर टिकी रहीं निगाहें

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव की सुबह आठ बजे से शुरू मतगणना के सामने आ रहे रुझान का हश्र जानने के लिए टीवी व मोबाइल स्क्रीन पर निगाहें टिकीं रही। कहां एनडीए का सिक्का चल रहा है ओर कहां पर इंडिया गठबंधन का जादू चल रहा है। कौन किस राउंड में आगे और पीछे हो रहा है। इन तमाम सारे सवाल, हरेक मतदाता की जिज्ञासा का मंगलवार पहला विषयवस्तु बने रहे। यही कारण रहा कि राह चलते लोग, मतगणना के सामने आ रहे रुझान जानने को भीड़ के बीच रुकते नजर आए। विभिन्न टीवी चैनल के जरिए सामने आ रहे लोकसभा के शुरुआत से ही चुनावी नतीजों को लेकर आम जनता तक में दिलचस्पी देखने को मिलती रही। जिस तरह से उत्तर प्रदेश समेत कई अन्य राज्यों के रुझान सामने आते रहे। मतगणना का सच जानने को हर कोई उतावला नजर आया। घरों में दोपहर के वक्त देखे जाने वाले धारावाहिकों को विराम देते हुए महिलाएं न्यूज चैनल देखने में मशगूल दिखाई देती रहीं। राह चलते लोगों की भी इलेक्ट्रानिक्स की दुकानों की टीवी व एलईडी स्क्रीन पर चल रही चुनावी खबर पर निगाहें टिकतीं रही। वर्मा चौराहा की एक दुकान में इलेक्शन रिजल्ट न्यूज को लेकर दीवानगी इस कदर दिखाई दी कि एक स्कूटी सवार उम्रदराज भी ब्रेक मारकर एनडीए व इंडिया गठबंधन में अब तक कौन बेहतर जानने की कोशिश में दिखाई दिए।राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस बार के चुनाव के शुरूआती रुझान जिस तरह से सामने आए हैं। उससे एक बात साफ हो गई कि जीत का अंतर बहुत नहीं होने वाला है। हार-जीत का फासला हजारों तक सिमटा रहेगा। यही कारण रहा कि सुबह से ही आम मतदाता भी मतगणना का परिणाम जानने में तल्लीन रहा। कभी भाजपा की उम्मीदवार साध्वी निरंजन ज्योति आगे निकलतीं तो कभी सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल। उतार-चढ़ाव में न केवल पार्टी, प्रत्याशी और समर्थक ही नहीं बल्कि आम मतदाता का भी दिल तेजी से धड़कता रहा।

टीवी व मोबाइल स्क्रीन पर लोगों की निगाहें टिकीं रहीं।

अव्यवस्था का शिकार रहा मीडिया कंट्रोल रूम

संवाददाता, फतेहपुर

- पालिका के टैंकर से निकले गर्म पानी से बुझाई प्यास

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान मीडिया कर्मियों के लिए बने कंट्रोल रूम में अव्यवस्थाएं हावी रही। अफसरों से वार्ता करने का प्रयास किया गया तो वो भी बगलें झांकने लगे। जनपद के सभी मीडियाकर्मियों में जिला प्रशासन के प्रति रोष बना रहा।

बता दें कि मतगणना स्थल पर भीषण गर्मी के दौरान खुले में पंडाल लगाकर मीडिया सेंटर बनाया गया। जिसमें गर्मी से बचने के लिए जहां एक मात्र कूलर था, वहीं, मीडियाकर्मियों के बैठने के लिए पर्याप्त कुर्सियां भी मौजूद नहीं थी। साथ ही मतगणना के आंकड़े जुटाने के लिए मीडिया कर्मियों को इधर-उधर दौड़ भाग करनी पड़ी। इस दौरान कई बार प्रशासनिक अफसरों से नोकझोंक भी हुई। उधर, सेंटर पर लगाए गए टीवी सेट पर प्रशासनिक व पुलिस विभाग के कर्मचारी कब्जा जमाए रहे। उधर, सूचना विभाग के कर्मियों पर थोक के भाव से पास जारी करने के आरोप भी लगते रहे। समस्या का समाधान करने के लिए मीडियाकर्मियों द्वारा अफसरों को कई बार अवगत कराया गया। लेकिन हर बार वह मामले के समाधान की जगह बचते रहे। वहीं, मीडियाकर्मियों के अंदर जाने पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि नियमानुसार व्यवस्था की गई है।

सघन तलाशी के बाद हुई एंट्री

- त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में हो रही मतगणना के दौरान बाहर लगी पुलिस ने एजेंटों समेत अन्य मतगणनाकर्मियों की सघन चेकिंग के बाद ही उन्हें अंदर प्रवेश दिया गया। इतना ही नहीं कई लोगों के पास बीड़ी, पानमसाला, सिगरेट, मोबाइल मिलने पर पुलिस ने बाहर रखकर आने को कहा लेकिन यह प्रतिबंधित सामान बाहर रखने के बजाय लोग पुलिस से ही भिड़ गए। मामूली कहासुनी और नोकझोक के बाद कर्मी मानने को तैयार हुए।

डेढ़ घंटे बाद मिल सका पहला रुझान

- लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान एक घंटे बाद मिलने वाला रुझान लेने के लिए मीडियाकर्मी अफसरों से मांग करते रहे। पहले रुझान के लिए सूचना अधिकारी व व्यवस्था में लगे संबंधित अफसरों से लेकर जिला निर्वाचन अफसरों से मांग की गई। लेकिन अफसरों की लापरवाही के चलते नौ बजे मिलने वाला पहला रुझान करीब साढ़े दस बजे मिला। जिसके बाद अन्य रुझानों के लिए भी प्रशासनिक अफसरों द्वारा जारी करने में देरी की गई। यहां तक की पूर्ण परिणाम चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड होने के बाद भी देर तक परिणाम जारी नहीं किया जा सका।

ठंडे पानी को तरसता नजर आया हर कोई

- पुलिस हो या मतगणना कर्मी और या फिर मीडिया कर्मी, हर कोई मतगणना स्थल पर ठंडे पेयजल के लिए तरसता दिखा। बता दें कि मतगणना स्थल पर नगर पालिका की ओर से पानी से भरे टैंकर खड़े किए गए थे। जिसका पानी सुबह तो पीने में ठीक लगा लेकिन जैसे जैसे पारा चढ़ा तो टैंकर का पानी गर्म हो गया। इसके बाद लोग ठंडे पानी के लिए भटकते मिले। हालांकि लोगों को गर्म पानी पीकर ही अपनी प्यास बुझानी पड़ी।

आधी आबादी की प्रतिक्रिया

पिछली सरकार में कई महत्वपूर्ण फैसले हुए जो मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में रहे, जिसमें से एक तीन तलाक का मुद्दा था। सरकार को मुस्लिम महिलाओं के रोजगार को बढ़ावा देने के लिए ठोक कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए अब नई सरकार को रणनीति बनानी चाहिए।

-आइशा खान, बीटीसी छात्रा

पिछले पांच सालों में बेरोजगारी बढ़ी है। इस पर सरकार को गंभीर होना चाहिए। अधिक से अधिक औद्योगिक क्षेत्र का विकास हो जिससे रोजगार की संभावनाएं बढ़ें। इससे अपराध भी नियंत्रित होगा। महिला सुरक्षा के प्रति खास सतर्कता बरतने की जरूरत है।

-सविता सिंह

पिछले दस सालों का कार्यकाल देखा जाए तो अच्छा रहा। हालांकि इस बार उन्हें मौका नहीं मिला है। आने वाली नई सरकारी को लड़कियों और महिलाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर बेहतर इंतजाम करने चाहिए। साथ ही देश की सुरक्षा के लिए सेनाओं को और मजबूत करना चाहिए।

-गीता सिंह

शिक्षा के क्षेत्र में जनपद पिछड़ा है। यहां उच्च शिक्षा के लिए छात्र छात्राओं को दूसरे जनपद जाना पड़ता है। मेडिकल या इंजीनियर की पढ़ाई के लिए कालेज की जरूरत है। सरकार को इस ओर काम करने की जरूरत है। **-शमा खान, छात्रा**

भाजपा के 'गढ़' में 'पंजा' लेकर दौड़ी 'साइकिल'

संवाददाता, फतेहपुर

- रोजगार और महंगाई के मुद्दे पर मतदान हुआ

अमृत विचार। पिछले दस साल से संसदीय क्षेत्र फतेहपुर को भाजपा अपना गढ़ मानती रही। इस बार लोकसभा चुनाव परिणाम में पंजा लेकर साइकिल खूब दौड़ी और जीत के शिखर तक पहुंची। यहां भाजपा सपा में सीधी लड़ाई दिखी। जीत-हार का आकलन करना दोनों ही दलों के लिए अंत तक मुश्किल था। कुछ देर में बसपा ठंडी पड़ गई।

मतदान परिणाम के दौरान बसपा के न ही समर्थक दिखे और न ही उनमें कोई उत्साह। पहले राउंड के परिणाम घोषित होते ही बसपा समर्थकों का चेहरा उतर गया। वहीं भाजपा और सपा के बीच सीधी टक्कर सामने आ गई। बता दें कि मतदान के बाद भाजपा के जीत का अनुमान ही लगाया जा रहा था, लेकिन परिणाम ने सबको चौंका दिया। भाजपा के पक्ष में मतों का ध्रुवीकरण नहीं हो पाया। कम मतदान से दोनों दलों की चुनौती और बढ़ गई थी। मतदान परिणाम के बाद लोगों ने इस पर खुल कर बात की और उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा के पास कोई मुद्दा ही नहीं था, बस रैली पर रैली किए जा रहे थे। लोगों ने कहा कि इस बार उन्होंने रोजगार और महंगाई के मुद्दे पर वोट किया है। बता दें कि इस बार भाजपा के हारने का एक मुख्य कारण बना कि एक जाति विशेष ने इन्हें पूरी तरह से दरकिनार कर दिया। सपा प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल के समाज के साथ-साथ अन्य जातियों ने भी पूरा सपोर्ट किया।

अंतर्कलह बनी भाजपा की हार का कारण

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति की हार का कारण भाजपा की अंतर्कलह को माना जा रहा है। यहां 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भी भाजपा के दो प्रत्याशी हार गए थे। इसके पीछे भी अंतर्कलह ही मानी जा रही थी। बता दें कि दो साल पहले हुए विधान सभा चुनाव के दौरान छह विधानसभाओं में भाजपा के चार प्रत्याशियों ने जीत हासिल की थी। वहीं दो सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद जातीय समीकरण को लेकर पार्टी में अंतर्कलह की बात सामने आई थी। हालांकि यह कलह कभी खुलकर सामने नहीं आई लेकिन अन्दरखाने इतनी तेज चल रही थी कि लोकसभा चुनाव में भितरघात की शक्ल ले ली। एक खास बिरादरी जो पार्टी के बेहद करीब थी उसने भी वोटिंग के दौरान पार्टी से दूरी बना ली।

- विधानसभा चुनाव के बाद शुरू हो गया था भितरघात

लकीर पीटी | इस बार नीले झंडे वाली पार्टी के सियासी रंग शुरुआत से ही फीके नजर आए

जातीय समीकरण के ताना-बाना में उलझकर रह गई बसपा

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। दोआबा की सरजमीं पर जातीय फैक्टर के सहारे ढाई दशक से भी ज्यादा समय से अपनी सियासी पकड़ का बेहतर अहसास कराने वाली बसपा इस चुनाव में चर्चा तक में नहीं रही। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह सरकार में ओबीसी आरक्षण लागू होने पर इस व्यवस्था का लाभ जनता दल के उठाने के बाद बेहतर तरीके से बसपा ही उठाती रही। बसपा ने जातीय फैक्टर के सहारे जीत का रास्ता तलाशा। यह दीगर बात रही कि उसे इस प्रयास में महज दो जीत ही हासिल हो सकीं।

इस बार नीले झंडे वाली पार्टी के सियासी रंग शुरुआत से ही फीके नजर आए। यही कारण रहा कि अबकि बसपा के नीला झंडा के लहराने में वह बात नजर नहीं आई, जिस पर अभी तक विरोधियों की आंखें टिकती रहीं हैं। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार में 13 अगस्त 1990 को ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण देने की अधिसूचना जारी हुई थी। उसी के बाद इस सीट का भी उम्मीदवार चयन का मिजाज जातिगत भागीदारी के हिसाब से तय होने लगा। ओबीसी आरक्षण का 1989 के चुनाव में जनता दल और फिर व्यवस्था का फायदा सबसे पहले बसपा ने ही उठाया। वर्ष 1996 से वर्ष 2019 के बीच हुए चुनाव में हरेक पार्टी ने इसी जाति का ट्रंप खेलना मुनासिब समझा। इसमें बसपा की बात करें तो वह अपने कैडर के साथ जातीय फैक्टर के सहारे चुनाव दर चुनाव गंगा व यमुना के बीच बसे इस जिले में अपनी सियासी पकड़ का लगातार अहसास कराती चली आई। ऐसे में इस चुनाव में भी पार्टी से किसी बडे करिश्में की भले ही उम्मीद नहीं की गई लेकिन यह भी सोंचा नहीं गया था कि दो चुनाव में फतह का झंडा गाडने वाली यह पार्टी बाकी के चुनाव में नंबर दो पर काबिज रही। आंकडों पर, वर्ष 1996 के चुनाव में बसपा से विशंभर प्रसाद निषाद को यहां की जनता ने अपना समर्थन लुटाया। वर्ष 1998 के चुनाव में आरक्षण की मलाई भाजपा को खाने को मिली और यहां से डॉक्टर अशोक पटेल चुनकर संसद पहुंचे।

ठीक एक साल बाद हुए चुनाव में भी डॉक्टर साहब को पसंद किया गया। वर्ष 2004 का चुनाव आया तो फिर बसपा का नीला रंगए पार्टी के कैडर वोटर और प्रत्याशी की बिरादरी के साथ मौका एक हालात के सियासी ट्रंप खेलते हुए अपना झंडा बुलंद करने में कामयाब रहा। वर्ष 2009 के चुनाव में सपा उम्मीदवार राकेश सचान को यहां की जनता का साथ मिला। राकेश इस वक्त भाजपा में हैंए जिनकी बिरादरी में अच्छी खासी पकड़ है। वर्ष 2014 और 2019 के चुनाव में भी बसपा को रनिंग ट्रैक पर दौड़ते देखा गया। यही कुछ ऐसे सियासी पहलू हैं जो मायावती की पार्टी को इस चुनाव से दूर करती दिखाई दे रही है। राजनीतिक जानकारों के मानना है कि बसपा शुरू से ही अपनी किस्मत पर खुद दांव लगा कर चल रही है।

बसपा ने सपा के बाद अपना उम्मीदवार उतारा। इसके बावजूद जातिगत समीकरणों पर गौर नहीं किया गया। भाजपा ने चुनाव में दो बार से यहां संसद साध्वी निरंजन ज्योति को मैदान में उतारने के बाद सपा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल उम्मीदवार बनाकर जनता के बीच पेश कर दिया। नरेशए जिले के अमौली ब्लाक के रहने वाले हैं। भाजपा की बात करें तो उसका भी दावा कुर्मी बिरादरी पर बनता नजर आ रहा है क्योंकि पूर्व सांसद राकेश सचान के साथ विधायक राजेंद्र सिंह पटेल व जय कुमार सिंह जैकी के कंधे पर भी इस चुनाव की जिम्मेदारी रही। ऐसे में बसपा को कुर्मी बिरादरी पर दांव नहीं खेलना था लेकिन ऐसा किया गया और डॉक्टर मनीष सचान को पार्टी सिंबल देकर मैदान में उतार दिया गया।

मतगणना स्थल पर जाने से पहले समर्थकों के साथ बसपा प्रत्याशी मनीष सिंह सचान। अमृत विचार

> बहन जी ने मुझे यहां की जनता के बीच भेजा और वह लोगों से मिले। मौजूदा सत्ता को हटाने के लिए जनता ने काम किया है। अब वह राजनीति में रहते हुए हर किसी के दिल में जगह बनाने का काम करेंगे।
>
> **-मनीष सिंह सचान**
> बसपा प्रत्याशी

क्रुकेरेकु

भाजपा को जिताने के लिए मोदी ने की थी रैली

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तो जनवरी माह से ही शुरू हो गई थीं। आचार संहिता लगने के बाद चुनाव प्रचार में तेजी आई और पांचवें चरण के मतदान को लेकर नेताओं ने भाग-दौड़ शुरू कर दी थी। भाजपा से लोकसभा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति के चुनाव प्रचार को लेकर कहीं कोई कमी नहीं रखी गई। इसके बावजूद उन्हें शिकस्त हाथ लगी। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के 19 दिग्गज नेताओं ने पूरे दोआबा को मथ डाला लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं आए। भाजपा की पहली रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे थे और सबसे आखिर में खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहुंचकर रैली को सम्बोधित किया। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक समेत कई नेताओं ने पहुंचकर रैली की थी। इसके बावजूद लोगों पर न उनकी रैली का असर लोगों पर पड़ा और न ही मोदी की गारंटी इस बार काम आई।

हर राउंड में नोटा का चौथे नंबर पर रहा दखल

फतेहपुर। चुनाव लडने वाले उम्मीदवार और पार्टी से खफा मतदाताओं का तबका इस चुनाव में अच्छा खासा सामने आया। नोटा की बात करें तो वह चौथे नंबर की पायदान पर काबिज नजर आया। पहले राउंड में 299 मत नोटा के हक में डाले गए। दूसरे राउंड में यह उछल कर 586 पर पहुंच गया। तीसरे राउंड में मत संख्या 862 हो गई। चौथे राउंड में नोटा को मिले वोट की तादाद 1149 जा पहुंची। पांचवें राउंड में 1429, छठवें राउंड में 1696, सातवें राउंड में नोटा पर अपना मत लुटाने वाले वोटरों की संख्या बढकर 2017 हो गई। आठवें राउंड में 2331, नौवें राउंड में 2658,10 वें राउंड में 2971, 11 वें राउंड में 3278, 12 वें राउंड में 3608, 13 वें राउंड में 3984, 14 वें राउंड में 4266, 15 वें राउंड में नोटा का बटन दबाने वाली संख्या बडकीक 4604 हो गई। इसी तरह 16 वें राउंड में 4920, 17 वें राउंड में 5271, 18 वें राउंड में 5588, 19 वें राउंड में 5960, 20 वें राउंड में 6293 रहा।

चिलचिलाती धूप में जमा रहे समर्थक

लोकसभा चुनाव के परिणाम को नजदीक से जानने को समर्थक, मंडी परिसर के बाहर जमा रहे। दोपहर को चिलचिलाती धूप के बीच बेहाल करने वाली गरमी की जो परवाह किए बगैर अपने अपने प्रत्याशी की किस्मत का सच जानने को मौसम की मार झेलते दिखाई दिए। समर्थकों का उतावलापन जैसे जैसे राउंड बढते रहे। वैसे वैसे उसमें इजाफा होता चला गया। बिंदकी से आए एक पार्टी का समर्थक मोसम की मार झेल नहीं सका और तेज गरमी के कारण चक्कर खाकर गिर पड़ा।

पराजय के बाद मायूस भाजपाई। अमृत विचार

केंद्रीय पुलिस बल की निगरानी में हुई मतगणना। अमृत विचार

मतगणना स्थल पर मौजूद कर्मी व पुलिस। अमृत विचार

आठवें राउंड के बाद दौड़ी 'साइकिल', मुरझाया 'कमल'

फतेहपुर संसदीय क्षेत्र :27 साल में पहली बार वजूद को तरसी बसपा

संवादादाता, फतेहपुर

अमृत विचार। पिछले दो लोकसभा चुनावों में इस सीट पर मजबूत पैठ बनाने वाली भाजपा दोपहर के बाद पिछड़ना शुरू हुई तो फिर विनिंग ट्रैक पर लौटना मुश्किल हो गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चली मतगणना के दौरान सामने आ रहे नतीजे भाजपाइयों को राउंड दर राउंड विचलित करते रहे। यही कारण रहा कि जैसे-जैसे धूप बढ़ती गई, मतगणना परिसर के इर्द-गिर्द जमा भाजपाइयों का जोश ठंडा पड़ता गया।

उधर रफ्तार पकड़ती साइकिल से डेढ़ दशक बाद सपाइयों में जान दिखी। चुनाव आयोग की बंदिशों के चलते सड़कों में वह धमाल तो नहीं दिख सका, लेकिन जो उल्लास और उत्साह नजर आया। वह बड़ी जीत की सफलता का द्योतक बना। मंडी परिसर में प्रशासनिक निगहबानी के बीच सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई। चुनाव लड़ने वाले दलीय व निर्दलीय सभी 15 प्रत्याशी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना स्थल पहुंचे। जिन्हें कई राउंड के सुरक्षा चक्र से गुजरना पड़ा। पहला रूझान आने में तीन घंटा लग गया। 11 बजकर 25 मिनट पर आए पहले राउंड के परिणाम में भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति बढ़त लेकर आई। यह बढ़त आठ राउंड तक सत्तारूढ़ पार्टी का साथ देती रही। इसके बाद चुनावी परिणामों ने ऐसी करवट ली कि पूरा माजरा ही बदल गया। जो भाजपा सभी विधानसभाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़ रही थी वह अगले सामने आ रहे राउंड में पिछड़ती चली गई। सपा के नरेश उत्तम पटेल जिन्हें लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे उन सभी कयासों को झुठलाते हुए आगे बढ़ते गए। इन दोनों दलों के बीच सीट हथियाने की छिड़ी जंग के बीच बसपा कोई करामात नहीं कर सकी। पार्टी प्रत्याशी डा. मनीष सचान इस चुनाव में तीसरे नंबर की लड़ाई लड़ते नजर आए। उधर चुनावी शुचिता को लेकर पर्यवेक्षक से लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी सी. इन्दुमती राउंड लेती रहीं। पुलिस कप्तान उदय शंकर की टीम सुरक्षा चौकसी को लेकर अलर्ट मोड पर दिखाई दी।

अब तक हुए चुनाव में किसको कितने मिले मत

वर्ष	विजयी पार्टी	मत	पराजित पार्टी	मत
1996	बसपा	135043	भाजपा	111569
1999	भाजपा	142911	बसपा	141848
2004	बसपा	163568	सपा	111000
2009	सपा	218953	बसपा	166885
2014	भाजपा	367835	बसपा	485994
2019	भाजपा	556040	बसपा	367835
2024	सपा	498349	भाजपा	464733

मतगणना स्थल के बाहर माला बेचता माली।

इस चुनाव में मिले मत

प्रत्याशी	पार्टी	कुल मत
नरेश उत्तम पटेल	सपा	498349
निरंजन ज्योति	भाजपा	464733
मनीष सिंह सचान	बसपा	90729
बीरेन्द्र सिंह	निर्दलीय	7874
कमलेश कुमार सिंह	परिवर्तन समाज पार्टी	5199
रामकिशोर	राष्ट्र उदय पार्टी	4074
पंकज अवस्थी	निर्दलीय	4434
जीतेन्द्र कुमार मौर्य	निर्दलीय	3325
कुलदीप कुशवाहा	निर्दलीय	2709
राज बहादुर	पीपीई	2637
नीरज कुमार	अखिल भारतीय परिवार पार्टी	2558
राम बिहारी	भारतीय शक्ति चेतना पार्टी	2334
नीरज लोधी	विकास इंसाफ पार्टी	2019
जय चन्द्र कुमार	वीकेआरएमएस पार्टी	1598
राजेश कुमार पटेल	सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी	1453
नोटा	-	8087

'टॉप थ्री' प्रत्याशियों को विधानसभा क्षेत्रों में मिले मत

प्रत्याशी	पार्टी	जहानाबाद	बिन्दकी	सदर	अयाहशाह	हुसेनगंज	खागा
नरेश उत्तम पटेल	सपा	89061	85758	92103	63132	87527	80101
निरंजन ज्योति	भाजपा	80561	76002	88794	67549	67250	83693
मनीष सिंह सचान	बसपा	8427	14727	15793	15345	17175	19142

प्रवेश से पहले चेकिंग करते सुरक्षाकर्मी। अमृत विचार

पहरा इतना सख्त कि परिंदा भी पर न मार सके

फतेहपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। जगह जगह पर सुरक्षा कर्मी, अपने दायित्वों का निर्वहन करते नजर आए। पेरामिलेट्री फोर्स के साथ सिविल पुलिस के जवान मुस्तैद रहे। यही कारण रहा कि मतगणना स्थल के आसपास का इलाका जवानों की धमाचौकड़ी से छावनी में तब्दील नजर आया। मतगणना परिसर में प्रवेश से पहले सुरक्षा चक्र से गुजरना पडा। कई कार्मिकों की जेब में रखा पान मसाला जब्त कर लिया गया।

आमजन के बीच होती रही चखचख

आँग-फतेहपुर। मंगलवार दिन भर चली गिनती में आंकड़े ऊपर नीचे हो रहे थे लेकिन चार सौ पार का जादू शायद सुबह ही मिट्टी में मिल गया था। जनता चौराहे पर दुकानों व होटलों में निर्भीक होकर सच्चाई उगल रही थी। लोग कह रहे थे कि भू- माफिया, खनन माफिया तथा अनैतिक कार्य करने वालों का साथ देने से जनप्रतिनिधि लोगों के दिलों में राज नहीं कर सकता है। क्षेत्रीय मतदाताओं में विधायक हो या सांसद ने पीड़ित से रूबरू होकर उसके हाल जानने की कोशिश नहीं की। जनप्रतिनिधि जातिवाद और पूंजीवाद का खेल खेलते रहे।

पल्ला झाड़ता रहा सत्ता पक्ष

दोपहर बाद तक रुझानों का रुख जानने के लिए लोग टीवी से चिपके रहे। होटल, चाय,पान की दुकानों में लोग चुस्कियां लेते रहे। वहीं बढ़त बनाने वाले प्रत्याशी के समर्थक जश्न के मूड में दिखे । सत्तापक्ष के नेता टीवी पर जनादेश देख अपना पल्ला झाड़ रहे थे। चौराहे पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामशंकर शुक्ला ने चुटकी लेते हुए कहा कि बीजेपी के नेता जनादेश सिरमाथे कहकर इज्जत बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

मतगणना के दौरान सीने में दर्द के चलते जमीन पर लेटा मीडियाकर्मी। अमृत विचार

मतगणना स्थल पर मीडिया कर्मी को पड़ा हार्टअटैक

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। मंडी समिति पर अचानक एक मीडिया कर्मी को दौरा पड़ गया। मौजूद लोगों ने आनन-फानन जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उन्हें डाक्टर ने कानपुर के लिए रेफर कर दिया। घटना की जानकारी पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। मतगणना स्थल पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था न होने से लोगों में खासी नाराजगी रही।

मतगणना स्थल के मीडिया पंडाल में मीडियाकर्मी अजय सिंह को दिल का दौरा पड़ गया। उन्हे तत्काल एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार अजय सुबह से ही मतगणना स्थल पर नजर बनाये हुए थे। इसी दौरान सुबह करीब 11 बजे सीने में दर्द हुआ उनकी हालत बिगडने लगी। वह कुर्सी में बैठे थे अचानक नीचे गिर गए तभी आसपास मौजूद अन्य साथियों ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर अस्पताल भेजा। डाक्टर ने बताया बीपी बढ़ा हुआ था, गंभीर हालत में उन्हें कानपुर के लिए रेफर कर दिया गया है।

बताते चलें कि मतगणना स्थल पर चिकित्सक व एम्बुलेंस नही होने से एम्बुलेंस बुलानी पड़ी थी। मतगणना स्थल पर उपचार की अव्यवस्थाये हावी रही। वहीं मंगलवार को भी तपिश भरी गर्मी रही जिससे लोग पसीना बहाते नजर आये।

गर्मी के चलते शर्बत का वितरण

आँग फतेहपुर। गर्मी से लोगों को अभी राहत नही मिली इधर लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर कस्बा स्थित हाईवे पुल के नीचे मतगणना रूझान की लोग आपस में चर्चा करते रहे। वहीं दूसरी ओर कस्बे की नवयुवक मंडली ने आपसी सहयोग से सबको शरबत पिलाकर उन्हें गर्मी में राहत दी । शरबत वितरण कार्यक्रम में सत्यम गुप्ता ए अभिषेक गौतम, शुभम , छोटू शिवहरे आदि नवयुवकों ने राहत पहुंचाने के कार्य में हिस्सा लिया।

हर राउंड में गठबंधन ने दी कड़ी टक्कर

कार्यालय संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। फतेहपुर लोकसभा की सुबह 8 बजे मतगणना शुरू हुई। यहां गठबंधन प्रत्याशी नरेश उत्तम पटेल गिनती के हर राउंड में भाजपा की साध्वी निरंजन ज्योति को कड़ी टक्कर देते रहे। तीसरे नंबर पर बसपा के डाक्टर मनीष सचान रहे।

- सपा ने फतेहपुर सीट पर दूसरी बार जीत दर्ज कराई

लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण में 20 मई को मतदान हुआ था। यहां 56.90 फीसदी वोटिंग हुई थी। काउंटिंग के शुरूआत में पोस्ट बैलट की गिनती शुरू हुई। जिस सुविध का इस्तेमाल सीमित वोटर करते है। गठबंधन सपा के नरेश उत्तम पटेल पोस्ट बैलट वोटर की गिनती में बढ़त हासिल की।

2019 के आम चुनाव की बात करे तो भाजपा की साध्वी निरंजन ज्योति ने बसपा के सुखदेव वर्मा को दो लाख से अधिक वोटों से हराकर विजय हासिल की थी। कभी फतेहपुर लोकसभा सीट कांग्रेसियों का गढ़ माना जाता था। यही से जीतकर विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री बने थे। पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री के बेटे हरिकिशन शास्त्री भी यहां से दो सांसद रहे।

2014 में साध्वी ने दर्ज की थी जीत

लोकसभा चुनाव 2014 में बीजेपी ने पीएम चेहरे की घोषणा करके चुनाव का रुख बदल दिया था। नरेंद्र मोदी को बीजेपी ने पीएम उम्मीदवार घोषित किया था जिसका बीजेपी को 2014 के लोकसभा चुनाव में फायदा भी मिला था। एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। फतेहपुर सीट पर साध्वी निरंजन ज्योति ने बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने बसपा के अफजल सिद्दीकी को हराया था। निरंजन ज्योति को 485994 वोट मिले थेए जबकि अफजल सिद्दीकी को 298788 वोट मिले थे। सपा के राकेश सचान 179724 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। कांग्रेस की उषा मौर्या चौथे स्थान पर रही थीं। उनको 46588 वोट मिले थे।

पूर्व पीएम वीपी सिंह यहां से लड़ते थे चुनाव

एक समय में यह देश की सबसे हाई प्रोफाइल सीट मानी जाती थी उन दिनों यहां से पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह चुनाव लड़ते थे उनके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बेटे भी इसी सीट से दो बार जीत कर संसद पहुंच चुके हैं गंगा और यमुना के दोआबा में बसा यह लोकसभा क्षेत्र एक तरफ से कानपुर नगर दूसरी तरफ से प्रयागराज उन्नाव और रायबरेली जिले से घिरा हुआ है। इसी प्रकार दक्षिण दिशा में यमुना नदी इस शहर को बांदा और हमीरपुर जिले से अलग करती है इस लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा सीटें फतेहपुर सदर, बिंदकी,जहानाबाद, अयाह शाह, हुसैनगंज और खागा आती है।

यह है जातीय स्थिति

फतेहपुर लोकसभा सीट में करीब साढ़े 19 लाख मतदाता हैं। इनमें करीब चार लाख एससी, तीन लाख क्षत्रिय, ढाई लाख ब्राह्मण, दो लाख निषाद (केवट), डेढ़ लाख मुस्लिम, एक लाख 20 हज़ार वैश्य व एक लाख 10 हज़ार यादव के अलावा अन्य जाती के मतदाता है।

पुलिस को ज्ञापन देते ग्रामीण। अमृत विचार

होटल में मिला प्रेमी जोड़ा, मचा हंगामा

तिर्वा, कन्नौज। क्षेत्र के मनीपुर्वा गांव में पिछले कई दिनों से एक घर में होटल का संचालन हो रहा है। मंगलवार कों होटल में एक प्रेमी जोड़ा पहुंचने पर ग्रामीणों ने हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस प्रेमी जोड़ा समेत होटल संचालक को कोतवाली ले आई। युवती को परिजनों के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने गांव में होटल बंद करने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिना मानकों के होटल का संचालन कर अवैध गतिविधियां हो रही हैं। पुलिस को कई बार होटल संचालक के खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया लेकिन कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। संचालक धमकी देने लगा। प्रभारी निरीक्षक संजय शुक्ला ने बताया कि मामले की जांचकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर के बाहर सोते समय युवक पर पलटा गिट्टी लदा ट्राला, मौत

संवाददाता, तिर्वा, कन्नौज

अमृत विचार। तेज रफ़्तार गिट्टी से भरा ट्राला अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में घर के बाहर सो रहा युवक ट्राला की गिट्टी के नीचे दब गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना से गुस्साए परिजनों ने बीच सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें चालक पर कार्रवाई का भरोसा दिलाकर शांत कराया।

कोतवाली क्षेत्र के बलनपुर गांव निवासी राजू दोहरे (40) गांव में ही सब्जी की दुकान लगाकर परिवार का भरण पोषण करता था। सोमवार की रात घर के बाहर सो रहा था। मंगलवार की सुबह झाँसी से गिट्टी लादकर ट्राला तिर्वा-बेला मार्ग से तिर्वा आ रहा था। जैसे ही ट्राला बलनपुर गांव के पास पहुंचा तो तेज रफ़्तार होने से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्राला में भरी गिट्टी घर के बाहर सो रहे राजू के ऊपर गिर गई जिससे वह दब गया। घटना देख आसपास लोगों ने गिट्टी हटाकर युवक को बचाने का प्रयास किया लेकिन गिट्टी अधिक होने के कारण हताश हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से गिट्टी हटवाई और युवक को बाहर निकलवाया। करीब दो घंटे तक गिट्टी के नीचे दबे रहने से युवक ने दम तोड़ दिया। शव देख परिजनों में चीख पुकार मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। घटना से गुस्साए परिजनों समेत गांव वालों ने शव को बीच सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और कार्रवाई की मांग करने लगे। प्रभारी निरीक्षक संजय शुक्ला ने समझा बुझाकर मामला शांत कराया और कार्रवाई का आश्वासन देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे के बाद परिजनों को समझाती पुलिस। अमृत विचार

- घर के बाहर सो रहा था, गुस्साए परिजनों ने लगाया जाम

सड़क पर शर्बत वितरण करते गायत्री परिवार के लोग। अमृत विचार

गायत्री परिवार ने शर्बत बांटकर दी राहत

तिर्वा, कन्नौज

अमृत विचार। गर्मी से कुछ देर के लिए ताजगी देने के लिए गायत्री परिवार ने अपने साधको के साथ मिलकर राहगीरों को शर्बत वितरण किया। मंगलवार की दोपहर गायत्री परिवार ने साधकों के साथ क्रांति चौराहा पर शर्बत वितरण किया। इस मौके पर राजाराम शर्मा,राजेंद्र सिंह,राजू चौहान,राकेश गुप्ता, श्रीकाण्यमिश्र, रामौतार मनबासिया, सुरेंद्र, नितिन, रजत, राहुल प्रभात समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

निरीक्षण बंदियों के मामले की पैरवी संबंधित न्यायालय में करने के निर्देश

एडीजे को कारागार शौचालय में मिली गंदगी व बदबू

संवाददाता, जलालाबाद, कन्नौज

अमृत विचार। मंगलवार को उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ व जनपद न्यायाधीश चन्द्रोदय कुमार के निर्देशन में अपर जिला जज लवली जयसवाल ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान शौचालय में गंदगी मिली तो दो बंदियों ने मामले की पैरवी हेतु सरकारी अधिवक्ता दिलाए जाने व दो ने जमानतदार दाखिल न कर पाने की समस्या बताई। इसमें एडीजे ने लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल को बंदियों के मामले की पैरवी संबंधित न्यायालय में करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जानकारी लेतीं एडीजे लवली जायसवाल। अमृत विचार

एडीजे ने जिला कारागार में बैरकों के शौचालयों में गंदगी व बदबू पाई। अस्पताल के बाथरूम की सीट व टाइल्स टूटी मिली। महिला बैरक के शौचालयों के दरवाजों में नीचे गैप मिला। इसके लिए जेल अधीक्षक को निर्देशित कर समस्याओं को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। जेल अधीक्षक पीके त्रिपाठी ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा महिला बंदियों की विधिक सहायता हेत नियुक्त जेल पराविधिक स्वयं सेवक दोषसिद्ध बंदी सूली केंद्रीय कारागार लखनऊ स्थानारित कर दी गयी है। तो जेल अधीक्षक को ऐसे महिला बंदी जो पराविधिक स्वयं सेवक का कार्य करने हेतु इच्छुक है। उसकी सूचना प्राधिकरण को अविलंब भेजना सुनिश्चित करे। इस दौरान प्रशिक्षण न्यायिक अधिकारी खुशबू धनकड, अपर सिविल जज (जु.डि.), अंकित कौशिक अपर सिविल जज, डिप्टी जेलर, बंदीरक्षक, मो. सैफ, लिपिक बसंतराम मौजूद रहे।

पर्यावरण से ही हमारे जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष

संवाददाता, गुरसहायगंज, कन्नौज

- पौधरोपण कर बचाएं अपना व अपनों का जीवन

अमृत विचार। जीवन जीने के लिए भोजन पानी जितना आवश्यक है। उतना ही स्वच्छ पर्यावरण का होना आवश्यक है। अगर हम अपने जीवन को स्वच्छ और रोगमुक्त बनाना चाहते हैं। तो उसमें सबसे पहले पर्यावरण को दूषित होने से बचाना होगा।

कवि अरूण चक्रवर्ती।

यह विचार विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी कवि अरूण चक्रवर्ती ने व्यक्त किए। कहा कि 05 जून 1973 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। पर्यावरण संरक्षण की आज बेहद जरूरत है। आज प्रकृति के साथ खिलवाड़ ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है।

इसी कारण हमें गर्मी के मौसम में अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है तो विभिन्न ऋतुओं का समय सिकुड़ गया है। कारखानों, विषैले पदार्थों, वन के कटाव और शहर की गंदगी ने पर्यावरण को क्षति पहुचाई है।

मंडी में ईवीएम से मतों की संख्या निकाल कर दिखाते मतगणना कर्मी। अमृत विचार

एक लाख वोटों से अधिक की लीड के बाद प्रसन्न मुद्रा में सपाई।

मंडी में मतगणना करते कर्मचारी। अमृत विचार

वोटरों को भाये 'भैया', 'दादा' को कहा...नमस्ते

अखिलेश यादव को मिले 642292 वोट, तो सुब्रत को करना पड़ा 471370 से संतोष

भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक।

सपा के अखिलेश यादव।

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

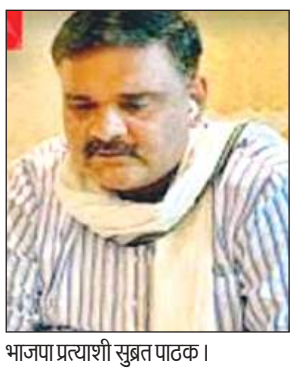

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मंगलवार को हुई मतगणना के बाद सपा प्रत्याशी व पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को जनता ने चौथी बार अपना प्रतिनिधि चुन लिया। उन्हें कुल 642292 वोट मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के सांसद व प्रत्याशी सुब्रत पाठक को 471370 वोटों से संतोष करना पड़ा। इस तरह से मतदाता ने मौन रूप से 'घर' और 'गढ़' की लड़ाई में 'भैया' को जिताकर 'दादा' को नमस्ते बोल दिया।

कन्नौज लोकसभा का चुनाव खासा दिलचस्प रहा। चुनाव की घोषणा के समय से ही इस सीट पर भाजपा के संभावित प्रत्याशी और सपा अध्यक्ष के बीच वाक् युद्ध का दौर समय-समय पर चलता रहा। साथ ही चुनौती भी दी जाती रही। जनवरी के महीने में श्री राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा के बाद देश भर में ऐसी राम लहर चली कि सांसद को पूरा भरोसा हो गया कि दूसरी जीत कहीं नहीं गई। विभिन्न अवसरों पर उन्होंने सपा से अखिलेश यादव को यहां से चुनाव लड़ने के लिए ललकारा भी। अंततः सपा मुखिया ने यहां से चुनाव लड़ने का एलान कर नामांकन भी कर दिया। तभी से यह तय माना जा रहा था कि यह सीट भाजपा ने गंवा दी। मंगलवार की सुबह मंडी समिति स्थित मतगणना स्थल पर वोटों की गिनती शुरू हुई तो पहले ही चक्र से अखिलेश ने भाजपा प्रत्याशी से बढ़त ले ली थी और फिर चक्र दर चक्र यह अंतर बढ़ता गया। शाम को मतगणना की समाप्ति पर सपा प्रत्याशी ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी को 170922 वोटों से पराजित किया। बसपा प्रत्याशी 81639 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे जबकि खास बात यह कि नोटा ने 4818 वोट लेकर चौथा स्थान बनाया।

मतगणना स्थल पर सुरक्षा में तैनात पैरामिलेट्री के जवान।

मतगणना स्थल पर मंडी में आपस में बात करते डीएम, एसपी, सीओ।

किस प्रत्याशी को कितने मिले वोट

प्रत्याशी	पार्टी	प्राप्त मत	प्रतिशत
अखिलेश यादव	समाजवादी पार्टी	642292	52.74
सुब्रत पाठक	भारतीय जनता पार्टी	471370	38.71
इमरान बिन जफर	बहुजन समाज पार्टी	81639	6.71
आलोक वर्मा	राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी	4492	0.37
ललित कुमारी	निर्दलीय	3267	0.27
सिनोद कुमार	निर्दलीय	1733	0.14
राज कठेरिया	निर्दलीय	1464	0.12
भानु प्रताप सिंह	निर्दलीय	1432	0.12
शैलेंद्र कुमार	भारतीय किसान परिवर्तन पार्टी	1151	0.09
यादवेंद्र किशोर	निर्दलीय	1062	0.09
सुभाष चंद्र	आल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक	801	0.07
सुनील कुमार	भारतीय शक्ति चेतना पार्टी	739	0.06
प्रमोद यादव	भारतीय कृषक दल	560	0.05
पुरुषोत्तम तिवारी	निर्दलीय	543	0.04
इरफान अली	निर्दलीय	470	0.04
नोटा	(इनमें से कोई नहीं)	4818	0.40

मतगणना स्थल पर बूथों पर सपा को मिले वोट देखते सपा जिलाध्यक्ष व पूर्व विधायक।

भाजपा प्रत्याशी की हार के बाद बूथों पर मिले मतों की चार्ट में मिलान करते भाजपाई।

मतगणना स्थल पर पहुंचे भाजपा प्रत्याशी व सांसद सुब्रत पाठक को रास्ता बताता दरोगा। अमृत विचार

मतगणना परिसर में बिजली केबिल में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी। अमृत विचार

मतगणना स्थल पर खोली गई कैंटीन में खानपान करते लोग।

मंदिर, हिंदुत्व फैक्टर कामयाब नहीं

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- जनता को भाया अखिलेश सिंह का चेहरा, पुराने विकास कार्य आए काम
- सुब्रत पाठक से व्यक्तिगत नाराजगी व बसपा का वोट बैंक भी सपा में पहुंचा

अमृत विचार। अयोध्या में जिस जोरशोर से 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई भाजपा को उसका फायदा कन्नौज समेत यूपी की कई लोस क्षेत्र की सीटों पर नहीं मिल सका। इसके अलावा हिंदुत्व फैक्टर व राष्ट्रवाद का मुद्दा भी काम नहीं आया। अगर फायदा मिलता तो भाजपा की यह दुर्गति नहीं होती। जनता की विशेष नाराजगी पुराने प्रत्याशियों से थी जो पार्टी ने नहीं बदले। इसके अलावा महंगाई, बेरोजगारी व पीड़ितों की सुनवाई न होना भी सत्ता पक्ष को नुकसान पहुंचा गया।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा तो वर्ष 2012 से 2017 तक की प्रदेश सरकार में खुद के मुख्यमंत्री रहते हुए कराए गए विकास कार्य गिनाए। चुनावी भाषणों में उन्होंने भाजपा पर कई विकास कार्य रोकने व शुरू न कराने के भी आरोप लगाए। इसके अलावा हर वर्ग में अखिलेश यादव की पैठ भी जीत का कारण बनी। भाजपा के सुब्रत पाठक से लोगों की व्यक्तिगत नाराजगी भी उनकी हार का कारण बना। लोगों का कहना है कि अगर वह छोटे से भी काम को लेकर पहुंचे तो नहीं हुए। बसपा प्रत्याशी इमरान बिन जफर पार्टी के कैडर वोट को भी पूरी तरह से बचा नहीं पाए। कहा जा रहा है कि संविधान के मामले को तूल देकर इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों को बसपा का काफी वोट हथिया लिया। अनुसूचित जाति के वोटरों को पता था कि बसपा प्रत्याशी लड़ाई में नहीं है, इस वजह से भाजपा को हराने के लिए सपा में वोट किया।

भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक भी पहुंचे

कन्नौज। भाजपा सांसद व प्रत्याशी सुब्रत पाठक दोपहर के समय मतगणना स्थल पहुंचे। मइया की लाल चुनरी डाले वह सीधे सबसे पहले कन्नौज विधान सभा के मतगणना स्थल पहुंचे। एजेंटो से बात की। इसके बाद तिर्वा व छिबरामऊ विधान सभा मतगणना स्थल पर पहुंच कर भाजपा की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद वह बाहर चले गये। उस समय सपा प्रत्याशी अखिलेश यादव करीब 50 हजार वोटो से आगे थे। सुब्रत के मतगणना स्थल पर प्रवेश करते ही पुलिस हरकत में आ गई। पैरामिलेट्री के जवानों को लगा दिया गया वही बाहर खड़ी पुलिस को भी बुलाया गया।

चुनाव परिणाम देखने को टीवी से चिपके रहे लोग

गुरसहायगंज/ कन्नौज। लोकसभा चुनाव परिणाम देखने के लिए सुबह से ही लोग घरों, दुकानों व कार्यालयों में टीवी के सामने जम गए। कई लोग मोबाइल पर सोशल मीडिया के माध्यम से चुनावी अपडेट लेते रहे। बढ़त पर अलग-अलग दलों के समर्थकों ने मिष्ठान वितरित कर व नारे लगाकर उत्साह का प्रदर्शन किया। मंगलवार लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम देखने व जानने को लेकर लोगों में खासा उत्साह सुबह से ही देखने को मिला। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह 08 बजे से ही लोग घरों में टीवी खोलकर बैठ गए और पल-पल का अपडेट लेते रहे। अधिकांश लोग दुकान व अन्य स्थानों पर बैठ कर मोबाइल फोन पर भी सोशल मीडिया के माध्यम से जीत हार की जानकारी लेते रहे। सड़कों व बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। प्रदेश सहित कन्नौज में सपा को भारी जीत मिलती देख सपाईयों ने मिष्ठान वितरित कर व नारे लगाए।

पहले ही चक्र से अखिलेश ने बढ़ा ली थी बढ़त

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- भाजपा सांसद से सीट छीन लिया डिंपल की हार का बदला
- पांचों विधानसभा क्षेत्रों से साइकिल ने कमल को पछाड़ा

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इत्रनगरी की सीट भाजपा से छीनकर 2019 में हुई पत्नी डिंपल की हार का बदला ले लिया। अखिलेश ने मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक को को करीब पौने दो लाख वोटों से करारी शिकस्त दी है। खास बात यह है कि लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांच विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा ने किसी पर जीत हासिल नहीं की। अखिलेश यादव ने पहले ही राउंड से बढ़त बना थी, जो अंतिम राउंड तक कायम रही।

मंगलवार को निगम मंडी में लोकसभा चुनाव की मतगणना सुबह आठ बजे से प्रारंभ हुई। पहले 12 टेबिलों पर पोस्टल बैलेट की गिनती की गई। इसके बाद ईवीएम से मतगणना प्रारंभ हुई। पहले राउंड में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अखिलेश यादव ने पांचों विधानसभा क्षेत्र में 23,541 वोट हासिल किए तो भाजपा के सुब्रत पाठक ने 14,479 मत प्राप्त किए थे। वहीं, बहुजन समाज पार्टी के इमरान बिन जफर ने केवल 2,179 वोट ही प्राप्त किए।

पहले राउंड में नोटा को 175 मत मिले, जो सभी निर्दलीय प्रत्याशियों से भी अधिक थे। इसी प्रकार अंतिम 35वें राउंड तक सपा की बढ़त कायम रही और अखिलेश यादव ने भाजपा को 1.70 लाख वोटों से परास्त कर दिया। लोकसभा क्षेत्र में कुल 12,14,886 वोट पड़े थे, जिसमें अखिलेश यादव को 6,42,292 वोट मिले तो प्रतिद्वंद्वी भाजपा के सुब्रत पाठक को 4,71,370 वोट ही मिल सके। अखिलेश ने 52.74 प्रतिशत वोट प्राप्त किए, जबकि सुब्रत को 38.71 प्रतिशत वोट मिल सके। वहीं, अंतिम राउंड में सपा ने जहां 292 वोट प्राप्त किये तो भाजपा को 184 मत मिले, जबकि बसपा को महज आठ वोट ही मिल सके।

सुब्रत को पिछली बार से कम मिला वोट

भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक को इस चुनाव में पिछली बार से कम वोट मिला है। 2019 में सुब्रत को 5,63,087 वोट मिले थे, जबकि इस बार उन्हें 4,71,370 वोट ही मिले हैं। इस तरह देखा जाए तो सांसद को इस बार 93,956 वोट कम मिले हैं। यदि प्रतिशत के लिहाज से देखा जाए तो 2019 में सुब्रत को जहां 49.37 प्रतिशत मत मिले, वहीं इस बार 38.71 प्रतिशत ही वोट मिले हैं।

अखिलेश ने हर बार से अधिक वोट किए हासिल

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यहां से चौथी बार जीत दर्ज की है। इस बार उन्होंने हर बार से अधिक वोट हासिल किए हैं। साल 2000 में अखिलेश यादव ने कन्नौज से पहला चुनाव लड़ा था, तब उन्हें 3,06,054 (43.10 प्रतिशत) वोट मिले थे। इसके बाद 2004 में उन्होंने 4,64,367 (61.21 प्रतिशत) वोट हासिल कर इतिहास रच दिया था। 2009 के चुनाव में उन्हें 3,56,895 (45.52 प्रतिशत) वोट प्राप्त किए तो इस बार 6,42,292 (52.74 प्रतिशत) वोट प्राप्त कर इत्रनगरी के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया।

दावे हवा-हवाई | अपनी सदर कन्नौज विधानसभा क्षेत्र से भी सपा को नहीं हरा सके समाज कल्याण मंत्री

असीम ने दी थी अखिलेश को चार लाख वोटों से हराने की चुनौती

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- क्षेत्र के पांच में से चार भाजपा विधायक सुब्रत को जीत नहीं दिला सके

अमृत विचार। स्थान- तहसील छिबरामऊ क्षेत्र का इलाका विशुनगढ़। तारीख- 12 फरवरी। कार्यक्रम- ग्राम परिक्रमा यात्रा। यहां समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को न सिर्फ कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का आमंत्रण दिया था बल्कि चार लाख मतों से हराने की चुनौती भी दी थी। कहा जा रहा है कि जो चुनाव परिणाम आया है उसके बाद असीम के दावों की पोल खुल गई है।

विशुनगढ़ में 12 फरवरी को ग्राम परिक्रमा यात्रा में बोलते समाज कल्याण मंत्री।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण सदर विधानसभा क्षेत्र कन्नौज से विधायक हैं। 12 फरवरी को ग्राम परिक्रमा यात्रा में उन्होंने कहा था 'परिवार की सारी सीटें घोषित कर दी हैं। अपनी सीट घोषित क्यों नहीं की। क्या कन्नौज में आने से डर लग रहा है। अगर कन्नौज आने में डर लग रहा है तो हम लोग यह लड़ाई जीत चुके हैं।' आगे कहा था कि 'चुनौती देता हूं कहीं और मत जाइएगा अखिलेश जी यहीं कन्नौज से लोकसभा का चुनाव लड़िएगा। चार लाख मतों से कम हराएं तो बताइएगा।' मंगलवार को जो चुनाव परिणाम आए उसमें भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक सपा के अखिलेश यादव से एक लाख 70 हजार से अधिक मतों से चुनाव हार गए। इतना ही नहीं सदर विधानसभा क्षेत्र से भी असीम अरुण भाजपा प्रत्याशी को जीत नहीं दिला सके।

अपने घर में भी हारे सुब्रत

भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक का घर सदर विधानसभा क्षेत्र में है। वह अपने इलाके में भी चुनाव नहीं जीत सके। पार्टी के दो दिग्गज यहां हैं। एक में वह खुद हैं दूसरा नंबर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का आता है। चुनावी सभाओं के अलावा अन्य कार्यक्रमों में दोनों ही नेताओं ने बड़ी-बड़ी बातें व दावे किए, जिनको मतदाताओं ने पसंद नहीं किया। उसका ही नतीजा आया है कि सुब्रत चुनाव हार गए।

तेज प्रताप होते प्रत्याशी तो बदल सकती थी तस्वीर

सपा ने पहले तेज प्रताप यादव को कन्नौज सीट से प्रत्याशी घोषित किया था। अंतिम क्षण में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने खुद यहां से उतरने का ऐलान कर दिया। कहा जा रहा है कि अगर तेज प्रताप यादव ही लड़ते तो भाजपा प्रत्याशी जीत सकते थे। इसके पीछे कहा जा रहा था कि भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक, समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण समेत कई भाजपा नेताओं ने अखिलेश यादव को चुनाव लड़ने के लिए उकसाया। इससे वह खुद चुनावी अखाड़े में उतरे और करीब पौने दो लाख वोटों से विजयी रहे।

नहीं लगीं प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की जनसभाएं

कन्नौज संसदीय क्षेत्र में पांच विधानसभा इलाके हैं। इसमें तीन विधानसभा सदर, तिर्वा व छिबरामऊ जनपद कन्नौज में ही आतीं हैं। औरैया की बिधूना और कानपुर देहात की रसूलाबाद विधानसभा भी शामिल हैं। चर्चा है कि जनपद में तीन विधानसभा होने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी जनसभा नहीं लगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रचार करने नहीं आए। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी पहले के कई चुनाव की तरह यहां नहीं दिखे। इन कारणों से भी भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा।

जनता से दूरी व विकास कार्य न कराना पड़ा महंगा

अजय मिश्र, कन्नौज। वर्ष 2019 में सुब्रत पाठक ने भाजपा के बैनर तले जब पहला लोकसभा क्षेत्र का चुनाव जीता तो मतदाताओं को बड़ी उम्मीदें थीं। उन पर वे खरे नहीं उतर सके। शायद इसी वजह से जनता ने उनको नकार दिया। कहा जा रहा है कि पहली बार सांसद बनने के बाद से वह क्षेत्र में कम दिखे। विकास कार्यों का भी अभाव रहा। इसके अलावा बड़बोलापन भी भारी पड़ा। सपा-बसपा गठबंधन की प्रत्याशी डिंपल यादव को पांच साल पहले भाजपा के सुब्रत पाठक ने करीब साढ़े 12 हजार मतों से परास्त किया था। तब डिंपल पर आरोप लगे थे कि वह जनता से दूर रहतीं हैं। उनसे मिलना मुश्किल है। इसके अलावा सपा कार्यकर्ताओं में पार्टी प्रत्याशी की जीत को लेकर अति उत्साह भी था कि बसपा का कैडर वोट जरूर मिलेगा। इससे जीत तय है। हालांकि हुआ इसके उलट और इन सब वजहों से वह चुनाव हार गईं। वर्ष 2019 का चुनाव जीतने के बाद सांसद सुब्रत पाठक क्षेत्र में बहुत कम दिखे। लोगों का आरोप है कि उन्होंने ऐसे कोई विकास कार्य नहीं कराए जो दिखते हों। राजनीतिक विशेषज्ञों का तो यहां तक कहना है कि राज्य व केंद्र में भाजपा की ही सरकारें हैं, इन सबको भाजपा सांसद अच्छी तरह भुना सकते थे और संसदीय क्षेत्र में बेहतर विकास करा करा सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मतदाताओं का दर्द है कि चुनाव जीतने के बाद करीब साढ़े चार साल तक उनकी सुधि नहीं ली गई। जब 2024 के लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में करीब छह महीने रह गए तो सांसद क्षेत्र में घूमने लगे। भाषणों में उन्होंने हमेशा श्रीराम मंदिर, राष्ट्रवाद, हिंदुत्व आदि मुद्दों को ही प्रमुखता दी। विकास कार्य न होना, महंगाई व बेरोजगारी से परेशान मतदाताओं ने भाजपा के मुद्दों को सिरे से खारिज कर दिया।

झलकियां

सरायमीरा में रहा कर्फ्यू जैसा नजारा

कन्नौज। चप्पे-चप्पे पर खड़ी पुलिस को देख किसी ने भी अपने न तो दुकानें खोली न ही वह घर से बाहर निकले। जडाक बंगली रोड को पूरी तरह से सील कर दिया गया था। जो लोग निकले भी उनको रोडवेज स्टैंड के पास रास्ता बंद मिलने पर वैरंग लौटना पड़ा। इससे सड़क पर पुलिस तो दिखी लेकिन दलों के समर्थक नहीं दिखे। लोगोंको दो किलोमीटर का सफर पैदल करना पडा। जीटी रोड सरायमीरा में वाहनों के निकलने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। क्रासिंग से लोगों को पूर्व ओवरब्रिज तक पैदल जाना पड़ा। इससे मरीजों व बच्चों के साथ सामान लेकर चलने वाले लोगों के सामने खासी दिक्कत रही।

कैंटीन ने एजेंटों व पुलिस को दी राहत

कन्नौज। मतगणना स्थल मंडी में पहली बार दो कैंटीन खोली गई थी। कोल्ड ड्रिंक, नमकीन के अलावा बिस्कुट अन्य खानपान का सामान मिलने से लोगों को भूख व प्यास से परेशान नहीं होना पड़ा। पुलिस को भी यदि पानी नहीं मिला तो उस ने भी कैंटीन पर पहुंच कर पानी की बोतल खरीद कर राहत ली।

एक साथ खड़े होकर बतियाती रहीं महिला पुलिस

कन्नौज। मतगणना स्थल पर सादे कपड़ों में महिला पुलिस की भी ड्यूटी थी। दो बजे के बाद नतीजा साफ हो जाने पर किसी तरह की नारेवाजी व अव्यवस्था न होने पर ये सभी भी मुख्य गेट के निकट छाया में खड़े होकर आपस में बतियाती रहीं। उस समय उनकी लगभग ड्यूटी पूरी तरह से समाप्त हो चुकी थी।

मतगणना स्थल पर पत्रकारों का प्रवेश रहा वर्जित

कन्नौज। पहली बार पत्रकारों को अकेले मतगणना स्थल पर जाने से पूरी तरह मनाही थी। जिलाधिकारी के इसकी जानकारी मतगणना कर्मचारियों के अलावा पुलिस को भी दी थी। इसके चलते पत्रकार जब भ्रमण करने की बात जिला सूचना अधिकारी से करते तो वह पांच-पांच की टोली में मतगणना स्थल ले जाते। यही हाल प्रेस फोटोग्राफरों का रहा। इस बार मतगणना में लोहे की जाली लगाकर दूरी बनाई गई थी। जाली अधिक ऊंची होने से फोटोग्राफरों को दिक्कत आई।

क्षिप्रं विजानाति चिरं शृणोति विज्ञाय चार्थं भते न कामात्।
नासम्पृष्टो व्युपयुङ्क्ते परार्थे तत् प्रज्ञानं प्रथमं पण्डितस्य ॥

ज्ञानी लोग किसी भी विषय को शीघ्र समझ लेते हैं, लेकिन उसे धैर्यपूर्वक देर तक सुनते रहते हैं । किसी भी कार्य को कर्तव्य समझकर करते है, कामना समझकर नहीं और व्यर्थ किसी के विषय में बात नहीं करते ।

संपादकीय

जनता की जीत

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावों की मतगणना जारी है। मतगणना में सामने आए रुझान और नतीजों से देश के मौजूदा राजनीतिक हालात की बनती तस्वीर नजर आ रही है। इंडिया गठबंधन ऊर्जा और उत्साह से भर गया है। उत्तर प्रदेश ने सबको चौंकाया है। अखिलेश यादव दमदार नेता साबित हुए। प्रदेश से इस तरह के परिणाम मिलेंगे, इस बात का आंकलन तो भाजपा के विरोधियों को भी नहीं था। जबकि एक्जिट पोल्स ने जो रूझान दिखाए, तकरीबन सभी एक स्वर में फिर से भाजपा की बड़ी जीत के अनुमान लगा रहे थे। नतीजों ने राजनीति के साथ-साथ जनता के बदलते मिजाज को भी रेखांकित किया है। चुनाव परिणाम कायदे से जनता को विजेता बना रहे हैं। लगभग डेढ़ वर्ष पहले तक जिन मोदी एवं भाजपा के लिए 2024 का चुनाव बेहद आसान माना जाता था, उसकी तस्वीर राहुल गांधी की यात्राओं ने बदल दी। भाजपा के मुकाबले चेहरे, विमर्श तथा संगठन तीनों ही स्तरों पर विकल्प तैयार हुए। इतना ही नहीं, संयुक्त विपक्ष भी खड़ा हुआ। साथ ही अजेय होने का मिथ टूटा। परिणाम साबित कर रहे हैं कि देश लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संकल्पित है। संविधान को बदलने की भाजपा की मंशा का नैरेटिव जो विपक्ष ने तय किया, उसके जरिए बाबा साहेब आंबेडकर के नाम पर दलित समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की गई, जो सफल होती नजर आई। विपक्ष के इस दांव ने बसपा के उस दलित वोट बैंक को अपनी ओर शिफ्ट करा लिया जो पिछले चुनावों में भाजपा के साथ खड़ा रहता था।

इस बार चुनाव जिस तरीके से लड़ा गया, वह कई सवाल खड़े करता है। देश के इतिहास में यह पहला चुनाव है जिनमें कई घटनाएं पहली बार हुईं। इससे पहले किसी चुनाव में इतने झूठ नहीं बोले गए थे। चुनाव में नेताओं का बड़बोलापन ही दिखता रहा। सैकड़ों अरब खर्च करने के बावजूद देश में पिछली बार से औसतन वोट कम क्यों पड़े? चुनाव नतीजों से देखना यह है कि भारत ने अपनी भारतीयता को कितना बचाकर रखा है और अभी 'भारतीय पुनर्निर्माण' के लिए आत्मनिरीक्षण, आत्मसुधार और संघर्ष करना कितना बाकी है। एक बड़ी समवेत आवाज बनने को आगे का रास्ता कैसे तय करते हैं। चुनाव के आंकड़े से ज्यादा महत्वपूर्ण है देश की विविधता, सामाजिक न्याय और बौद्धिक स्वतंत्रता की रक्षा। इस दृष्टि से कहा जा सकता है कि आज के नतीजे हम सब के लिए अच्छा संदेश है।

खेतों से उजड़ते पेड़, मानवीय अस्तित्व पर खतरा

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात- खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास ।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0 .6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे।

न तो अब खेतों में कोयल की कूक सुनाई देती है और न ही सावन के झूले पड़ते हैं। यदि फसल को किसी आपदा का ग्रहण लग जाए तो आय का जरिया होने वाले फल भी गायब हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका "नेचर सस्टैनबिलिटी" में 15 मई 2024 को प्रकाशित आलेख बताता है कि भारत में खेतों में पेड़ लगाने की परंपरा अब समाप्त हो रही है। कृषि-वानिकी का मेलजोल कभी भारत के किसानों की ताकत था। देश के कई पर्व-त्योहार, लोकाचार, गीत- संगीत खेतों में खड़े पेड़ों के इर्द गिर्द रहे हैं। मार्टिन ब्रांट, दिमित्री गोमिंस्की, फ्लोरियन रेनर, अंकित करिरिया, वेंकन्ना बाबू गुथुला, फ़िलिप सियाइस, ज़ियाओये टोंग, वेनमिन झांग, धनपाल गोविंदराजुलु, डैनियल ऑर्टिज़-गोंज़ालो और रासमस फेंशोल्टन के बड़े दल ने भारत के विभिन्न हिस्सों में आंचलिक क्षेत्रों में जा कर शोध कर पाया कि अब खेत किनारे छाया मिलन मुश्किल है। इसके कई विषम परिणाम खेत झेल रहा है।

जब देश में बढ़ता तापमान व्यापक समस्या के रूप में सामने खड़ा है और सभी जानते हैं कि धरती पर अधिक से अधिक हरियाली की छतरी ही इससे बचाव का जरिया है। ऐसे में इस शोध का यह परिणाम गंभीर चेतावनी है कि बीते पांच वर्षों में हमारे खेतों से 53 लाख फलदार व छायादार पेड़ गायब हो गए हैं। इनमें नीम, जामुन, महुआ और कटहल जैसे पेड़ प्रमुख हैं।

इन शोधकर्ताओं ने भारत के खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का नक्शा तैयार किया और फिर लगातार दस साल उनकी निगरानी की। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर-पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण-मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। रिपोर्ट से सामने आया कि खेतों में सबसे अधिक पेड़ उजाड़ने में तेलंगाना और महाराष्ट्र अव्वल रहे हैं। जिन पेड़ों को 2010-11 में दर्ज किया गया था उनमें से करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। बहुत जगहों पर तो खेतों में मौजूद आधे पेड़ गायब हो चुके हैं। अध्ययन से यह भी पता चला है कि 2018 से 2022 के बीच करीब 53 लाख पेड़ खेतों से अदृश्य थे। यानी इस दौरान हर किमी क्षेत्र से औसतन 2.7 पेड़ नदारद मिले। वहीं कुछ क्षेत्रों में तो हर किमी क्षेत्र से 50 तक पेड़ गायब हो चुके हैं।

यह विचार करना होगा कि आखिर किसान ने अपने खेतों से पेड़ों को उजड़ा क्यों? यह किसान भलीभांति जानता है कि खेत कि मेढ़ पर छायादार पेड़ होने का अर्थ है, पानी संचयन, पत्ते और पेड़ पर बिराजने वाले पंछियों की बीट से निशुल्क कीमती खाद, मिट्टी की मजबूत पकड़ और सबसे बड़ी बात-खेत में हर समय किसी बड़े बूढ़े के बने रहने का एहसास। इन पेड़ों पर पक्षियों का बसेरा भी रहता था। जो फसलों में लगने वाले कीट-पतंगों से रक्षा करते थे। फसलों को नुकसान करने वाले कीटाणु सबसे पहले मेड़ के पेड़ पर ही बैठते हैं। उन पेड़ों पर दवाओं को छिड़काव कर दिया जाए तो फसलों पर छिड़काव करने से बचत हो सकती है। जलावन, फल- फूल से अतिरिक्त आय तो है ही।

इसके बावजूद नीम, महुआ, जामुन, कटहल, खेजड़ी (शमी), बबूल, शीशम, करोई, नारियल आदि जैसे बहुउद्देशीय पेड़ों का काटा जाना, जिनका मुकुट 67 वर्ग मीटर या उससे अधिक था, किसान की किसी बड़ी मजबूरी की तरफ इशारा करता हैं। एक बात समझनी होगी कि हमारे यहां तेजी से खेती का रकबा कम होता जा रहा है। एक तो घरों में ही खेती की जमीन का बंटवारा हुआ, फिर लोगों ने समय-समय पर व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए खेतों को बेचा। आज से पचास साल पहले 1970-71 तक देश के कुल किसानों में से आधे किसान सीमांत थे। सीमांत यानि जिनके पास एक हेक्टेयर या उससे काम जमीन हो। 2015-16 आते-आते सीमांत किसान बढ़कर 68 प्रतिशत हो गए हैं। अनुमान यही आज इनकी संख्या 75 फीसदी है। सरकारी आंकड़ा कहता है कि सीमांत किसानों की औसत खेती 0.4 हेक्टेयर से घटकर 0.38 हेक्टेयर रह गई है। ऐसा ही छोटे, अर्ध मध्यम और मझोले किसान के साथ हुआ। कम जोत का सीधा असर किसानों की आय पर पड़ा है। अब वह जमीन के छोटे से टुकड़े पर अधिक कमाई चाहता है तो उसने पहले खेत की चौड़ी मेंढ़ को ही तोड़ डाला। इसके चलते वहां लगे पेड़ कटे। उसे लगा कि पेड़ के कारण हाल चलाने लायक भूमि और सिकुड़ रही है तो उसने पेड़ पर कुल्हाड़ी चला दी। इस लकड़ी से उसे तात्कालिक कुछ पैसा भी मिल गया। इस तरह घटती जाट का सीधा सर खेत में खड़े पेड़ों पर पड़ा। सरकार खेतों में पेड़ लगाने की योजना, सब्सिडी के पोस्टर छापती रही और किसान अपने काम होते रकबे को थोड़ा सा बढ़ाने की फिराक में धरती के श्रंगार पेड़ों को उजाड़ता रहा। देश में बड़े स्तर पर धान बोने के चस्के ने भी बड़े पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। साथ ही खेतों में मशीनों के इस्तेमाल बढ़ने ने भी पेड़ों की बली ली। काई बार भारी भरकम मशीनें खेत की पतली पगडंडी से लाने में पेड़ आड़े आते थे तो तात्कालिक लाभ के लिए उन्हें काट दिया गया।

यह किस से छुपा नहीं हैं कि चरम मौसम की हर अवस्था खेत की फसल को नुकसान पहुंचाती है-अधिक गर्मी में डायना छोटा हो जाता है तो अधिक बरसात में फसल गिर कर सड़ने की संभावना ज्यादा होती है। यदि खेत में छायादार पेड़ हों तो हर चरम मौसम में ये फसल के लिए राहत की निशानी होते हैं। यह कड़वा सच है कि जमीन उपयोग के विस्तार से खेत तो कम होंगे ही, लेकिन पेड़ों का कम होना मानवीय अस्तित्व पर बड़े संकट का आमंत्रण हैं। आज समय की मांग है कि खेतों के आसपास सामुदायिक वानिकी को विकसित किया जाए, जिससे जमीन की उर्वरा, धरती की कोख का पानी और हरियाली का सारा बना रहे।

प्रसंगवश

साहित्य में पर्यावरण चिंतन

पर्यावरण विमर्श आधुनिक जीवन में महत्वपूर्ण और चर्चित विषय है। पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य, वन्य जीवन, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण से संबंधित कहानियां और गीतों का विवेचन भी साहित्य में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मनुष्य ने अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए आरंभ में प्रकृति को समझने, उसे नियंत्रित करने में और अनुकूल बनाने की कोशिश की। मनुष्य प्रकृति की देखी-अनदेखी शक्तियों से डरा और उसे प्रसन्न करने के लिए उसकी वंदना में ऋचाएं और गीत भी लिख डाले। दुर्दम्य प्रकृति को उसने उस मात्रा में अपने अनुकूल बना लिया जितना कि उसके जीवन रक्षा के लिए आवश्यक था। वेदों की ऋचाएं हो या आदि कवि की वाणी सब में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध व्यक्त किया गया है। रामायण, महाभारत, कालिदास संस्कृत साहित्य की अन्य महाकाव्यात्मक कलेवर वाली रचनाओं में प्रकृति और मनुष्य का सहज संबंध प्रदर्शित होता नजर आ रहा है। इन्हीं महाकाव्यात्मक कथानकों को आधार बनाकर आधुनिक काल में लिखी गई रचनाओं में जनजीवन और प्रकृति का बदला हुआ संबंध साफ दिखाई देता है।

प्रो. मीना यादव
हिंदी विभाग, बरेली कॉलेज बरेली

आदिकालीन वीर काव्यात्मक रचनाओं में प्रकृति का वर्णन वीर काव्य की पृष्ठभूमि के अनुरूप हुआ है। साथ ही एक दूसरा बड़ा क्षेत्र जीवन की क्षणभंगुरता को दिखाने के लिए प्रकृति को उपदेश की तरह पेश करना है-कबीर आदि भक्त कवियों में यह बखूबी देखा जा सकता है जैसे "माली आवत देखकर कलियां करें पुकार फूली फूली सब चुन लियो काल्ह हमारी बार"।

इसी तरह गर्मी के मौसम की निकटता को प्रकट करने के लिए बिहारी ने लिखा है- "कहलाने एके बसत अहि मयूर, मृग बाध जगत तपोवन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ"।

प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। यहां प्रकृति सिर्फ लुभाती नहीं है। वह प्रसन्नता तथा सुख-दुख की साथी भर नहीं है। वह प्रेरणा है, बंधन से मुक्ति की। 1930 का भारत जिसमें औपनिवेशिक गुलामी के बंधन में छटपटाता भारत है वही प्रकृति की उन्मुक्तता, बंधनहीनता, आत्मीयता, निराशा पूर्ण वातावरण में आशा और प्रफुल्लता का संचार करती है। मनुष्य को अपने बंधनों से मुक्त होकर स्वतंत्र भाव से जीने की प्रेरणा भी रचनाकारों को प्रकृति से मिली।

प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है। इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है। प्रकृति के साथ तालमेल और उत्प्रेरणा का शानदार उदाहरण आधुनिक काल के हिंदी साहित्य का छायावादी काव्य है। प्रकृति का मानवीकरण छायावाद की एक अद्भुत संवृति थी, जो छायावाद में घटित हुई। महादेवी वर्मा ने इस विचार को अपने साहित्य में स्थान दिया और नामवर सिंह ने छायावाद शीर्षक से अपनी आलोचना पुस्तक में इसे स्थापित किया। कामायनी (जयशंकर प्रसाद) की चिन्ता प्रकृति और मनुष्य समाज के बीच का बढ़ता असंतुलन है।

इसका कारण प्रसाद ने आधुनिक पूंजीवादी सभ्यता के लालच को ठहराया है। जीने के लिए जरूरी चीजों से ज्यादा प्रकृति के पास है लेकिन मनुष्य के लालच और मुनाफे के लिए नहीं। लालच से असंतुलित होकर प्रकृति क्रुद्ध रूप धारण करती है और फिर सब कुछ नष्ट हो जाता है। प्रसंगवश कहा जाए कि वर्तमान में असीमित पूंजीवादी लालच का दूसरा नाम विकास है इस कारण हम आज पर्यावरण संतुलन की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। छायावाद के महत्वपूर्ण कवि सुमित्रानंदन पंत प्रकृति के सुकुमार कवि कहलाए तो सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने स्वयं को बसंत का अग्रदूत कहा। नागार्जुन की रचना-वरुण के बेटे, सर्वेश्वर की-कुआनो नदी, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की-भेड़िया, नासिरा शर्मा की-कुइयांजान, काशीनाथ सिंह का-जंगल जातकम, रत्नेश्वर कुमार सिंह की-एक लड़की पानी पानी पर्यावरण के संदर्भ में लिखी गई है। पर्यावरण की समस्या अंतर्राष्ट्रीय समस्या है इस समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी होते रहते हैं। आज धरातल पर इस दिशा में ठोस कार्य किया जाना बाकी है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अर्थ और प्रयोजन

भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार मूल अधिकारों में शामिल किया गया है, जिसमे भारतीय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित छह प्रकार की स्वतंत्रता दी गई हैं। संविधानविदों ने कदाचित सोचा होगा कि लोकतांत्रिक पद्धति में विभिन्न राजनैतिक विचारों का प्रादुर्भाव होगा। अतः यह आवश्यक है कि नागरिकों के सोच विचार का स्वागत होना चाहिए जिससे रचनात्मक प्रवृत्ति को बल मिले।

लोकतांत्रिक समाज के लोकतांत्रिक पद्धति के विकास के लिए विचारों का खंडन मंडान, तर्क-वितर्क, आरोप-प्रत्यारोप नकारा नहीं जा सकता परन्तु इसके साथ साथ यह भी अपेक्षित है कि यह सब मर्यादित तरीके से होना चाहिए, संयत भाषा में, सौम्यनसता के साथ, सैद्धांतिक सच को मुखरित करते हुए। प्रयोजन होना चाहिए अपने विचारों के माध्यम से व्यापक हित में रचनात्मक तत्वों को प्रतिस्थापित करना।

आजादी के पूर्व से ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के एक सबल पक्ष के रूप में पत्रकारिता को अनौपचारिक रूप से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में समाज में महत्व मिला जिसका एक गौरवपूर्ण इतिहास और परंपरा रहा है। उम्मीद जगी की पत्रकारिता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में व्यक्ति, समाज, और विचार के अभिव्यक्ति का प्रमुख कारक बनते हुए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का रक्षक बनेगा। समय की बात है तमाम अन्य मूल्यों के ह्रास के साथ साथ ही पत्रकारिता भी ह्रास के प्रभाव से मुक्त नहीं रह सका। इसका भी जितना राजनीतिकरण, बाजारीकरण हुआ, उतना लोकीकरण नहीं हो पाया।

पत्रकारिता अब जो प्रमुख रूप से मीडिया और सोशल मिडिया के रूप में स्थापित हो गया है। इस इलेक्ट्रानिक युग में, आज सर्वाधिक लांछित किया जा रहा है। इस लांछन से कि यही सबसे अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरूपयोग कर रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समस्यायों को गंभीर बनाने का प्रयास किया जाता है, समाधानों को भटकाया जाता है, अतिवाद को प्रोत्साहित किया जाता है, सत्य और सार्थक अभिव्यक्ति की उपेक्षा होती है, लोक को दिग्भ्रमित किया जाता है। यह बिडंबना ही है कि जिस पत्रकारिता पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण का उत्तरदायित्व रहा है, वही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है।

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो।

विगत कई वर्षों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न संविधानविदों, राजनीतिज्ञों तथा न्यायविदों के चिंतन का विषय रहा है। समय समय पर इसके अर्थ और प्रयोजन को भी विद्वजनों ने व्याख्यायित भी किया है। यह सच है कि किसी विचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक हो सकती है जिससे किसी अन्य के अधिकार, स्वतंत्रता पर न तो प्रहार हो, न ही उसका हनन हो। सामान्य रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अर्थ और प्रयोजन को परिभाषित किया जा सकता है कि सच्चाई और साहस के साथ कल्याणकारी विचारों को सुन्दरतापूर्वक देश के, समाज के समक्ष मुखरित करना। अभिव्यक्ति में न तो निरंकुशता होनी चाहिए न ही मनमानीपन, न ही कुंठा, न अतिवादिता। सत्य सबके लिए एक होता है। एक के लिए जो कल्याणकारी है वह दूसरों के लिए अकल्याणकारी क्यों कर है। सौंदर्यबोध संवेदना की चेतना पर निर्भर करता है। अभिव्यक्ति का आवश्यक कारक है -संवेदनशीलता,सौमनस्यता और समन्वय। स्वतंत्रता एक उत्कृष्ट मूल्य है इसे स्वच्छंदता और अराजकता न बनाया जाए।

आज के परिप्रेक्ष्य में, इस विपत्तिकाल में जब मानव अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में मीडिया सोशल मीडिया पर संवेदनहीन अमर्यादित बहसें, वाट्सअप पर अतिवादी अनर्गल प्रसारण, अमानवीयता की पराकाष्ठा है जो संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय पर ही क्रूर प्रहार कर रहे है-फिर क्या शेष बच पाएगा। विपत्ति का राजनीतिकरण सारी मर्यादायों का उल्लंघन करता जा रहा है। निरीह किंकर्तव्यविमूढ़ अन्यान्य वेदनाओं को झेलता लोक समझ नहीं पा रहा है कि उसके साथ कौन यह क्रूर मजाक कर रहा है। समय सब कुछ जानता है वह किसी को क्षमा नहीं करता।

ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ और प्रयोजन है की वेदनाओं से आहत लोक को करुणा के भाव से समाधान मिले। क्रूर मजाकों का पर्दाफाश हो। आसन्न संकट का संवेदनशीलता, सौमनस्यता, समन्वय के साथ सामर्थ्यवान हल ढूंढे।

सोशल फोरम

आत्ममंथन का समय

उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा की दुर्गति का विश्लेषण चलता रहेगा। मगर तमाम दुरभिसंधियों, दुष्प्रचारों, टूल किटों और बाह्य हस्तक्षेपों के बावजूद एनडीए का राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी गठबंधन की पार्टी के रुप में उभरना कोई कम उपलब्धि नहीं है। एक संकेत स्पष्ट देख रहा हूं कि इस बार वोट जिहाद का फतवा कामयाब हुआ है। इसलिए भाजपा को अभी और दृढ़ता के साथ अपने एजेंडे पर कायम रहना चाहिए। मोदी के नाम पर जिस तरह की आत्ममुग्धता, बेपरवाही भाजपा के पूरे कैडर में व्याप्त है उससे यथाशीघ्र उबरना होगा। उत्तर प्रदेश में प्रत्याशियों के चयन में घोर चूक की गई। स्थानीय नेतृत्व के बजाय जबर्दस्ती प्रत्याशी थोपे गए। अमित शाह द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री की उपेक्षा करके प्रत्याशी उतारे गए, ऐसी चर्चाएं आम जनता में व्याप्त है। कहीं कहीं दूसरे चर्चित और लोकप्रिय प्रत्याशियों को भाजपा के प्रत्याशी के पक्ष में जबरिया बैठा दिया गया। जनता को यह धौंसबाजी पसंद नहीं आई। इस सीमा तक जाने की जरुरत नहीं थी। दुष्परिणाम सामने है। जनता के मनोभावों और नब्ज को पकड़ने में उत्तर प्रदेश में भाजपा से चूक अवश्य हुई है।

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

संविधान को मोदी बदल देंगे। पिछड़ी जातियों और दलितों का आरक्षण छीन लेगी जैसे अनर्गल प्रचारों की काट कर पाने में भाजपा कैडर पूरी तरह नाकाम रहा। तरह-तरह की गलतबयानियां होती रहीं, फिजां बदलती रही मगर भाजपा कैडर केवल मोदी का चेहरा देखता रहा। न तो होमवर्क किया और न ही ग्राऊंड वर्क। यह भी एक सपाट सत्य है कि भाजपा के साथ अति पिछड़ों और दलित का जो एक बड़ा सपोर्ट था वह उत्तर प्रदेश में उससे खिसक गया। सभी भाजपाई इसी खयाम खयाली में डूबे रहे कि मोदी हैं तो मुमकिन है। बाकी छुट्टे गोवंश से फसलों का नुकसान आदि मुद्दे प्रभावी रहे। बहरहाल जो हुआ सो हुआ। अभी केंद्र में और प्रदेश में भाजपा का शासन ही है। उसे अपनी भूलों से सबक लेकर समर्पित भाव से जनता जनार्दन की सेवा में अभी से जुट जाना चाहिए। 2027 का विधान सभा चुनाव अब लक्ष्य होना चाहिए।

-फेसबुक वॉल से

400 पार: अहंकार पर प्रहार

कुछ काम करने और अधिक भावनात्मक मुद्दे उभार कर, अतिशय प्रचार द्वारा अनिश्चित काल तक देश पर राज्य करने के नरेंद्र मोदी के सपने को ग्रहण लग गया है। उनकी अपनी पार्टी 240 के आसपास सिमट रही है। रही बात एनडीए गठबंधन की, तो राजनीति में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता। कोई किसी से मिल सकता है। स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए। पर्दे के पीछे की वार्ताओं के दौर शुरू हो गए हैं। ऊंट किस करवट बैठेगा, यह चंद रोज़ में साफ हो जाएगा, किंतु इतना तो स्पष्ट हो ही गया है कि भाजपा का नारा 'अबकी बार, चार सौ पार' ध्वस्त हो गया और मोदी-शाह का अहंकार चूर चूर। यह पार्टी भगवान और धर्म वाली मानी जाती थी। इन्हें यह जान लेना चाहिए था कि भगवान गर्व-प्रहारी हैं। समय समय पर उन्होंने अपने भक्तों के भी अहंकार चूर्ण किए हैं, दैत्यों की कौन कहे। नारद जी को जब अहंकार हुआ कि उन्होंने काम को जीत लिया और सब जगह गाते फिरे, तो शंकर जी ने उन्हें मना किया कि भगवान विष्णु को यह प्रसंग न सुनाना। वे नहीं माने और क्षीरसागर जाकर श्री हरि को अपनी अहंकार मूलक काम विजय कथा सुना ही डाली। बस फिर क्या था भगवान ने गर्व चूर्ण करने की ठान ली-

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है। पार्टी ने अधिनायकवाद पनपाया। व्यक्ति पूजा शुरू हो गई। जनता से कहा गया 'समझो हर सीट से मोदी खड़े हैं'। मोदी को भगवान बताने की होड़ लग गई। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि 'पुरी के जगन्नाथ स्वामी भी मोदी के भक्त हैं'। एक कार्यक्रम में एक विशाल माला मोदी के गले में डाली जा रही थी, तो राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा ने भी अपना सिर उसमें डाल दिया। अमित शाह ने तुरंत इशारा किया और इन नेताओं को माला के बाहर सिर करना पड़ा। यह दंभ! पार्टी के एक से एक कद्दावर नेताओं को दूध की मक्खी की तरह तिरस्कृत किया गया। विपक्षी मुख्यमंत्री तक जेल में डाले गए। जिस पर मोदी की निगाह टेढ़ी हुई, उस के पीछे प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और सीबीआई लगाए गए। लोकतंत्र दम तोड़ रहा था। नारा यहां तक दिया गया कि 'मोदी राम को लाए हैं'। अतः अब राम उन्हें लाएंगे'। यानी राम अपने ऊपर किए गए उपकार का बदला देंगे। इस सारे अहंकार को चूर्ण होना ही था। अच्छा हो कि भाजपा अपने संसदीय दल का नेता अब मोदी के अतिरिक्त किसी दूसरे को चुने और तब आगे बढ़े।

करुणानिधि मन दीख विचारी। उर अंकुरेउ गर्व तरु भारी/ बेगि सो मैं डारिहउँ उखारी।पन हमार सेवक हितकारी।। वही हुआ। दो तिहाई से ज्यादा बहुमत की कहीं आवश्यकता नहीं होती है।

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई केन्या से हिमालय में पहुंचे

यदि आप हिमालय क्षेत्र में रहते हैं तो इन दिनों और एक विशेष प्रकार की ड्रैगनफ्लाई हजारों लाखों की संख्या में अपने आस पास उड़ते हुए देख रहे होंगे। यह ड्रैगनफ्लाई इन दिनों अरबों खरबों और उससे भी अधिक संख्या में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में प्रवास में आई हुई हैं। बटर फ्लाई शोध संस्थान के निदेशक पीटर स्मैटाचैक बताते हैं कि यह ड्रैगन फ्लाई अपनी चौथी पीढ़ी के रूप में इन दिनों हिमालय क्षेत्र में हैं। बताते हैं कि अभी यह ड्रैगनफ्लाई भारत में केन्या से आई है। अभी इसकी यह पीढ़ी भारत में अंडे देगी और मर जाएगी। अंडों से निकली ड्रैगन फ्लाई फिर केन्या वापस जाएगी। वहां वह पीढ़ी अंडे देगी और वह मर जाएगी। उन अंडों से निकले बच्चे केन्या से दक्षिण अफ्रिका जाएंगे। वहां अंडे देंगे और मर जाएंगे। वहां अंडों से निकले बच्चे केन्या का रूख करते हैं और वहां अंडे देंगे। वहां भी अंडे देने के बाद वह मर जाएगी और वहां अंडों से निकले बच्चे फिर भारत पहुंचेंगे। बताते हैं कि यह चार पीढ़ी में लगभग 25 हजार किमी का सफर तय करते हैं।

राकेश सनवाल
पत्रकार, भीमताल

अमूर फाल्कन से इस ड्रैगन फ्लाई का विशेष संबंधः अमूर फाल्कन बाज़ परिवार का एक छोटा शिकारी पक्षी है। यह दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीकी तटों में सर्दियों के लिए भारत और अरब सागर में बड़े झुंडों में प्रवास करने से पहले दक्षिण-पूर्वी साइबेरिया और उत्तरी चीन में प्रजनन करता है। पक्षी विशेषज्ञों के मुताबिक अमूर फाल्कन एक मात्र ऐसा मांसहारी पक्षी है जो कि माइग्रेट करते हुए समुद्र के बीच से भी गुजरती है और ऐसे में भी कभी यात्रा के दौरान नहीं उतरती है। बताते हैं कि अमूर फाल्कन ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई के साथ उड़ान भरती है और रास्ते में इनको खाती है और इसलिए रास्ते भर उसको भोजन मिलता रहता है। बाकी माइग्रेट पक्षी समुद्र के किनारे किनारे माइग्रेट करती हैं।

ग्लोब स्किमर ड्रैगनफ्लाई

दक्षिण भारत में पाई जाने वाली ड्रैगन फ्लाई भी इसी प्रजाति की ड्रैगनफ्लाई है। दक्षिण भारत की यह ड्रैगन फ्लाई माइग्रेट नहीं करती है।

पीटर स्मैटाचैक
निदेशक, बटर फ्लाई शोध संस्थान

एक-एक वोट की लड़ाई में खिला 'कमल'

फर्रुखाबाद संसदीय क्षेत्रः मतगणना के दौरान भाजपा-सपा में दिखी कांटे की टक्कर, 2678 वोट से भाजपा जीती

संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार । लोकसभा चुनाव की मतों की गिनती के दौरान भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। 25 राउंड तक मतगणना में कभी भाजपा तो कभी सपा उम्मीदवार आगे-पीछे होते रहे। इसके बाद भाजपा ने जो बढ़त हासिल की जो विजय में तब्दील हो गई। हालांकि भाजपा के मुकेश राजपूत ने 487963 वोट पाकर मात्र 2678 मत से फर्रुखाबाद संसदीय क्षेत्र से जीत दर्ज की है। जबकि सपा प्रत्याशी को 485285 मत प्राप्त हुए। भाजपा की जीत के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने धांधली का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

मतगणना के प्रथम और द्वितीय चक्र में सपा उम्मीदवार नवल किशोर शाक्य भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपत से बहुत कम अंतर से आगे चले । इसके बाद भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत लगातार बढ़त बनाते रहे। 14वें राउंड से सपा उम्मीदवार भाजपा प्रत्याशी से फिर आगे हो गए। दिलचस्प बात यह है

वोटों की गिनती करते मतदान कर्मी। अमृत विचार

मुकेश राजपूत को मिला जीत का प्रमाण पत्र।

● द्वितीय चक्र के बाद भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत लगातार बढ़त बनाते रहे

कि जहां 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत अपने निकटतम प्रतिद्वंदी मनोज अग्रवाल को शुरू से ही 50 हजार वोटों से बढ़त बना रहे थे। वहीं इस बार सपा और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर हुई है। मतगणना के 14 चरण तक मुकेश राजपूत 4000 मतों से आगे पहुंच सके। इसके बाद सपा उम्मीदवार नवलकिशोर शाक्य ने बढ़त बना कर भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत को पीछे कर दिया। सपा के नवल किशोर ने 19वे राउंड में भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत को लगभग 6 हजार वोटों से पीछे कर दिया। यहां सपा और भाजपा के बीच एक एक वोट को लेकर लड़ाई हुई है। 20वें राउंड में सपा प्रत्याशी नवल किशोर को 352038 मत मिले। जबकि भाजपा को 351178 मत मिले। सपा उम्मीदवार की बढ़त का अंतर 860 रह गया। 21वें राउंड में सपा प्रत्याशी भाजपा से 4026 मतों से आगे हो गये। 25 राउंड तक सपा प्रत्याशी नवल किशोर शाक्य बढ़त बनाये रहे। इसके बाद मुकेश राजपूत ने बढ़त बनाकर तीसरी बार 2678 वोट से फर्रुखाबाद संसदीय क्षेत्र से जीत दर्ज की है। उनको 487963 वोट मिले जबकि सपा प्रत्याशी को मिले 485285 मत प्राप्त हुए।

किसको कितने वोट मिले

2678	487963	485285
वोट से जीत	मुकेश राजपूत (भाजपा)	नवल किशोर शाक्य (सपा)

अब तक कौन-कौन कब रहा सांसद

1957	मूलचन्द्र	कांग्रेस
1967	अवधेश चंद्र सिंह	कांग्रेस
1971	अवधेश चंद्र सिंह	कांग्रेस
1977	दयाराम शाक्य	जनसंघ
1998	स्वामी सच्चिदानन्द	भाजपा
2004	चंद्रभूषण सिंह	सपा
2009	सलमान खुर्शीद	कांग्रेस
2014	मुकेश राजपूत	भाजपा
2019	मुकेश राजपूत	भाजपा

हेराफेरी का आरोप लगा किया हंगामा

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मतगणना स्थल मंडी समिति सातनपुर में परिणाम घोषित होते ही सपा के एजेंट ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन ने 24 चरण की मतगणना के बाद मतगणना धीमी कराकर जबरिया भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत को जीता दिया है। सपा कार्यकर्ता मतगणना केंद्र के बाहर नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। पुलिस ने समाजवादी पार्टी के एजेंट और सपा कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। वे नहीं माने और पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसको लेकर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर सपा कार्यकर्ताओं को मतगणना केंद्र के बाहर से हटाने का प्रयास किया। समाचार लिखे जाने तक सपा के एजेंट और कार्यकर्ता मत करना केंद्र के बाहर आंदोलन कर रहे हैं। मतगणना केंद्र के बाहर भारी संख्या में पुलिस में लगा दिया गया है। समाचार लिखे जाने तक सपा कार्यकर्ता आंदोलन कर रहे हैं।

बुलडोजर तैयार: भाजपा प्रत्याशी सांसद मुकेश राजपूत पूर्व विधायक कुलदीप गंगवार के साथ सातनपुर स्थित मतगणना स्थल पर पहुंचे। सपा नेताओं के मतगणना स्थल के बाहर भीड़ देख बोले कि अराजकता फैलाने वालों के लिए बाबा का बुलडोजर कितनी शक्ति से काम करता है यह सभी को पता है। यहां अराजकता फैलाने वालों के लिए बाबा का बुलडोजर तैयार है।

हंगामा करते समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता। अमृत विचार

भीषण गर्मी से मतगणना कार्मिक हुए बीमार

बीमार कार्मिकों को दवा लिखते डाक्टर। अमृत विचार

मतगणना स्थल मंडी समिति सातनपुर में भीषण गर्मी के चलते तमाम व्यवस्थाओं के बाद भी 38 मतगणना कार्मिक लू की चपेट में आकर बीमार हो गए। हालांकि जिलाधिकारी वीके सिंह ने मतगणना में लगे कार्मिकों और एजेंट तथा अन्य कर्मियों के लिए जहां कूलर, पंखा और एसी की विशेष व्यवस्था की। इसके बावजूद बीमार हुए कार्मिकों को मंडी समिति में बनाए गए अस्थाई अस्पताल में दवाई दी गई।

गठबंधन प्रत्याशी ने की पुनर्मतगणना की मांग

संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी डॉ नवल किशोर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव में हम सभी बूथों से जीते। 27वें राउंड में अलीगंज विधानसभा से 5913 वोटो में घपला कर दिया गया। मैं जीत रहा था, लेकिन जिला प्रशासन ने खेल कर दिया। पुनर्मतगणना के लिए रिटर्निंग आफिसर व जिला अधिकारी को पत्र दे दिया है। चुनाव आयोग से भी मांग है कि पुनर्मतगणना करवाई जाए।

इंडिया गठबंधन उम्मीदवार नवल किशोर ने कही अपनी बात। अमृत विचार

जातीय समीकरण हावी होने से भाजपा के कम हुए वोट

फर्रुखाबाद। मतगणना से स्पष्ट हो गया है कि इस चुनाव में जाति समीकरण हावी होने से भाजपा के वोट बैंक में कमी आई है। राजनीति के जानकारों का कहना है कि सपा के उम्मीदवार नवल किशोर शाक्य के पक्ष में शाक्य जाति का मतदाता लामबंद हो गया। जबकि भाजपा को हराने के लिए मुस्लिम और यादवों ने खुलकर सपा के पक्ष में मतदान किया। मुस्लिम और शाक्य जाति के मतदाताओं का ध्रुवीकरण हो जाने की वजह से भाजपा के वोट बैंक में कमी आई है। बताते चलें कि वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में मुकेश राजपूत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा-बसपा गठबंधन के उम्मीदवार मनोज अग्रवाल को 22000 मतों से पराजित किया था। इस बार कांटे की टक्कर के बाद 2678 वोट से ही भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत की जीत हो सकी। लोगों का मानना है कि इस चुनाव में मतदाताओं की नाराजगी ने भी भाजपा के वोट बैंक को कम किया है। पिछले चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार को मतदाताओं ने हाथों-हाथों लिया था। लोगों का कहना है कि भाजपा को इस बार आए परिणामों से आने वाले समय में सबक लेना चाहिए और जनता की नाराजगी को दूर करना चाहिए।

जीत के बाद भाजपाइयों ने कई जगह मनाया जश्न

संवाददाता फर्रुखाबाद

● जीत का प्रमाण पत्र मिलने के बाद भाजपाइयों ने ढोल, बाजे के साथ नारेबाजी शुरू की

अमृत विचार। जिला निर्वाचन अधिकारी ने भाजपा उम्मीदवार मुकेश राजपूत को जीत का प्रमाण पत्र दिया। इसके बाद भाजपाइयों ने ढोल,बाजे के साथ नारेबाजी शुरू कर दी। जुलूस निकाल रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कटियार कोल्डस्टोरेज के निकट लगे बैरियर पर रोक दिया। इसी बीच विधायक नागेंद्र सिंह राठौर अपने वाहन से वहां पहुंचे तो उन्हें मंडी की ओर जाने दिया गया।

जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

नगर पालिका ने सड़क पर डाल दिया कीचड़, लोग परेशान

फर्रुखाबाद । नगर पालिका कर्मियों की लापरवाही से नाली से निकाला गया कीचड़ सड़क पर डाल दिया गया। इसका खामियाजा दिन भर राहगीरों और दुकानदारों को भुगतना पड़ रहा हैं। उनका सड़क पर निकलना दूभर हो रहा है। लालदरवाजे से लालसरांय तक की नाली को नगर पालिका के द्वारा साफ कराया गया था।

जेसीबी नें नाली से कचड़ा निकालकर सड़क पर डाल दिया। पहले सफाई के दौरान ही मशीन खराब हुई फिर उसे ठीक किया गया। उसके बाद जब मशीन ठीक हुई तो वह कचड़ा सड़क पर ही छोड़कर चले गये। जिससे सब्जी विक्रेता और दुकानदार पूरे दिन दुकान नही खोल पा रहे हैं। कई बाइक सवार फिसलकर गिर भी चुके हैं।

सार-संक्षेप

राहगीरों को पिलाया ठंडा शर्बत

फर्रुखाबाद। ज्येष्ठ माह की एकादशी पर समाजसेवकों की ओर से भीषण गर्मी में लोगों को गर्मी में राहत देने के लिए चौक पर शर्बत वितरण किया। ई रिक्शा चालक, ठेली वाले, मजदूर व राहगीरों ने ठंडा शर्बत पीकर भीषण गर्मी से राहत की सांस ली। डॉ0 मनोज महरोत्रा, विनोद अग्निहोत्री, डॉ राहुल राजपूत ,डॉ राज दीक्षित, शिशिर टंडन, श्याम अग्निहोत्री, मोनू राजपूत ,अंकुर पाठक, प्रियम अग्रवाल आदि ने सहयोग किया।

पुलिस के सामने भिड़े दो पक्ष, चले ईंट-पत्थर

क़ायमगंज फर्रुखाबाद। थाना मेरापुर के गाँव अमरापुर निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र हाकिम सिंह यादव को उसके परिवार के ही लोगो ने जमीनी विवाद में मारपीट कर घायल कर दिया। घायल का पुलिस ने मेडिकल कराया। जानकारी के अनुसार सुरेंद्र सिंह यादव का साढ़े पांच बीघा जमीन के लिए परिवार में ही विवाद चल रहा है । जिसको लेकर पुलिस भी मौके पर जांच करने गयी थी। पुलिस के सामने ही दोनों पक्ष भिड़ गए और ईंट पत्थर चलने लगे। जिससे एक पक्ष से सुरेंद्र सिंह घायल हो गए। उन्होंने दूसरे पक्ष के सुखवीर ,अबराज, हरवीर सोनू अजीत राधेश्याम आदि लोगो पर मारपीट कर घायल कर देने का आरोप लगाया है।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मौदहा (हमीरपुर)। मंगलवार सुबह 11 बजे करबे से बांदा की ओर जा रही रोडवेज बस ने बाइक सवार तीन लोगों को सीधी टक्कर मार दी। जिससे बाइक चालक प्रभाकर (32) निवासी फतेपुरवा की मौके पर मौत हो गई। वहीं बाइक में सवार राजा उर्फ मानवेंद्र (24) तथा सुनीता (45) गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक प्रभाकर ग्राम फतेपुरवा के मौजूदा प्रधान का भतीजा था। एक वर्ष पहले उसकी बहन की भी सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है।

शादी में शामिल होने गए जीजा का खेत में मिला शव

राठ (हमीरपुर)। साली की शादी में गए युवक का शव खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। युवक कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव का रहने वाला था। परिजन जहरीला पदार्थ खाने से मौत होने की आशंका जताई है। कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी निरंजन (23) बीते शनिवार को अपनी दो सालियों की शादी में शामिल होने के लिए अपनी ससुराल जरिया थाने के दांदौ गांव गया हुआ था। परिजनों ने बताया कि उसका शव सरीला के पास स्थित खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ मिला। युवक के परिजनों ने जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत होने की आशंका जताई है।

तारबाड़ी में आ रहे करंट से महिला की मौत

राठ(हमीरपुर)। कोतवाली क्षेत्र के औंता गांव में संदिग्ध परिस्थितियों के चलते अपने कछवारे में लगी तारबाड़ी में आ रहे करंट की चपेट में आने से राठ कोतवाली क्षेत्र के औंता गांव की निवासी 50 वर्षीय महिला गीता पत्नी कमला कुशवाहा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही मृतक महिला के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस के द्वारा मृतक महिला के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान क्रिकेटरों को मिलेगी पहचान

कार्यालय संवाददाता, बांदा

● ब्लाक स्तर पर आयोजित होंगे प्रतिभा खोज शिविर

अमृत विचार। ग्रामीण अंचल के प्रतिभावान क्रिकेटरों को तलाशने और तराशने के लिए बांदा क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में ब्लाक स्तर पर प्रतिभा खोज शिविर आयोजित होंगे। शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। 15 व 21 दिवसीय प्रशिक्षण निशुल्क शिविर आयोजित कर प्रतिभा को निखारा जाएगा।

बांदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीडीसीए) की मंगलवार को आयोजित बैठक में सचिव वासिफ जमा खां ने ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अच्छा प्रशिक्षण न मिलने पर चिंता जताई। ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को मौका दिए जाने पर जोर दिया। निर्णय लिया गया कि ग्रामीण अंचल के ब्लाक स्तरीय प्रतिभा खोज शिविर लगाकर प्रतिभावान क्रिकेटरों को तलाशने और तराशने का काम किया जाएगा। शीघ्र ही 15 व 21 दिवसीय निशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में खिलाड़ियों के रहने, खाने और खेल सामग्री का प्रबंध बीडीसीए करेगा। बीडीसीए अध्यक्ष चंद्रमौलि भारद्वाज ने बताया कि प्रतिभा खोज शिविर में आवेदन की तिथि शीघ्र ही घोषित की जाएगी। बैठक में राममिलन गुप्ता, विनय श्रीवास्तव, प्रदीप गुप्ता, शारिक नियाजी, मोहम्मद अहमद, मनोज मिश्रा, कुतैबा जमां, रेहान खान, विप्रांश यादव आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण सुरक्षा के लिये चलाई साइकिल

बांदा। कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.नरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर मंगलवार को पर्यावरण सुरक्षा की पहल के लिए साईकिल दिवस मनाया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मिशन लाईफ अंतर्गत विश्व साइकिल दिवस का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य वातावरणीय बदलाव के प्रति जागरूक करना रहा। विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने परिसर में कुलसचिव की अगुवाई में साइकिल रैली निकाल कर स्वास्थ्य लाभ व पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया गया। कुल सचिव ने साइकिल चलाने और उससे जुड़े स्वास्थ्य लाभ एवं पर्यावरण की सुरक्षा के संबंध में छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। कहा कि मोटर वाहन से कार्बन मोनोऑक्साइड व कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन से ओजोन परत में क्षति हो रही है।

100 से कम छात्र संख्या वाले 21 स्कूलों पर लटकी बंदी की तलवार

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

● कम छात्र संख्या पर महानिदेशक ने नाराजगी जताई

अमृत विचार। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के निर्देश पर 100 से कम छात्र संख्या वाले जनपद के 21 एडेड विद्यालयों पर बंदी की तलवार लटक गई है। अगर प्रधानाध्यापकों ने छात्र संख्या न बढ़ाई तो ऐसे विद्यालय बंद कर उनके शिक्षकों को समायोजित किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को प्रधानाध्यापकों को नोटिस भेजने के निर्देश दिए हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) विद्यालयों में कम छात्र संख्या को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने नाराजगी जताई है। शासनादेश के तहत सात सितंबर वर्ष 2006 में प्रदेश के एडेड (अ श्रेणी मान्यता प्राप्त) उच्च प्राथमिक विद्यालयों को अनुदान सूची पर लिए जाने के लिए शर्त रखी गई थी कि ऐसे विद्यालयों में छात्र संख्या 105 से कम न हो। वर्ष 2023-24 के यू-डायस का डाटा जब चेक किया गया तो प्रदेश के अधिकतर विद्यालयों में छात्र संख्या 100 से कम पाई गई। जनपद में भी 21 एडेड विद्यालय ऐसे हैं, जिनमें छात्र संख्या 100 से कम है। इनमें एक विद्यालय में तो मात्र 14 बच्चे नामांकित हैं, जिन्हें पढ़ाने के लिए दो शिक्षक तैनात हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने इन विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर नामांकन नहीं बढ़ते हैं तो भविष्य में ऐसे स्कूल बंद कर उनमें तैनात शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में समायोजित किया जाएगा। गौरतलब है कि जनपद में लगभग 55 एडेड विद्यालय संचालित हैं। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी गौतम प्रसाद ने बताया कि 21 विद्यालय ऐसे हैं, जनपद में जिनमें छात्र संख्या 100 से कम है। ऐसे स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को नोटिस भिजवाए जाएंगे।

परेशानी | करीब एक साल से 3500 लाभार्थियों का अटका पड़ा है भुगतान

मातृत्व वंदना योजना का दो माह से पोर्टल ठप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से करीब एक साल से मांए वंचित हैं। योजना का पोर्टल करीब 10 माह बाद खुलने के बाद फिर से बंद कर दिया गया। जिससे करीब 3500 लाभार्थियों का भुगतान अटका है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के मुकाबले मात्र 34 फीसदी महिलाओं को को ही इसका लाभ मिल सका है। करीब साढ़े छह हजार आवेदकों का अप्रूवल नहीं मिल सका है। अब शासन ने योजना को स्वास्थ्य विभाग से हटाकर प्रोबेशन में शिफ्ट कर दिया है। जिसे बाल विकास विभाग (आईसीडीएस) देखेगा।

> शासन स्तर से प्रधानमंत्री मातृत्व योजना को उनके विभाग को हैंडओवर किया गया है, लेकिन जिला स्तर से अभी तक ऐसी कोई गाइडलाइन नहीं मिली है। जैसे निर्देश मिलेंगे, वैसे ही योजना का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ कराया जाएगा।
>
> **शैलेंद्र सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी**

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत महिलाओं को पहले बच्चे का जन्म होने पर तीन किस्तों में पांच हजार रुपये की धनराशि सरकार से मिलती है। इसके लिए आशा कार्यकर्ता के जरिए आवेदन करना होता है। जिला समन्वयक मोहित कुमार के अनुसार शासन ने स्वास्थ्य विभाग से हटाकर प्रोबेशन में शिफ्ट कर दिया है। जिसे बाल विकास विभाग (आईसीडीएस) देखेगा। लेकिन अभी तक नई गाइडलाइन न मिलने से योजना का कार्य दो माह से पूरी तरह ठप है। कहा कि नए पोर्टल में शहरी व ग्रामीण आवेदनों को अप्रूवल नहीं मिल सका है। वहीं पुराने पोर्टल में 33 हजार लाभार्थियों के सापेक्ष करीब 3500 लाभार्थियों का भुगतान अटका है।

लक्ष्य के मुकाबले मात्र 34.36 फीसदी प्राप्ति

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्तीय वर्ष में जिले को 6842 का लक्ष्य मिला था। इसमें अब तक 2351 का डाटा फीड किया गया। वहीं अब तक मात्र 503 लाभार्थियों को ही धनराशि प्राप्त हुई है जो लक्ष्य का 34.36 फीसदी है। ब्लॉकवार प्रगति के हिसाब से गोहांड में 41.73 फीसदी, कुरारा में 40.92, मौदहा में 18.33, मुस्करा में 38.28, राठ में 57.86, सरीला में 22.48, सुमेरपुर में 18.01 व हमीरपुर नगरीय में 66.27 फीसदी प्रगति हुई है।

बाल अपचारियों ने बनाई पेंटिंग, मिला पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। इलाहाबाद उच्च न्यायालय एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा जारी कार्ययोजना के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जिला जज विकास कुमार प्रथम के निर्देश पर मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर राजकीय संप्रेक्षण गृह में बाल अपचारियों के मध्य विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अपर जिला जज नीलू मैनवाल ने बताया कि राजकीय संप्रेक्षण गृह में आवासित बाल अपचारियों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के पूर्व पेंटिंग बनाई गई है। बाल अपचारियों की पेंटिंग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बाल अपचारियों को प्रतीक चिह्न देकर उत्साह बढ़ाया गया।

अन्य प्रतिभागियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। सचिव ने कहा कि पेड़ पौधे गर्मी को अपने अंदर समाहित कर लेते हैं। सभी लोग अधिक से अधिक पौधे लगाएं, जिससे हमारा पर्यावरण शुद्ध हो सके। बाल संप्रेक्षण गृह में बाल अपचारियों ने पौधे भी रोपे।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

58,419 मतों से सपा के जितेंद्र दोहरे ने दर्ज की जीत

दोहरे बिरादरी के अलावा शाक्य, पाल ने दिया साथ

- भाजपा के डॉ. रामशंकर को हैट्रिक लगाने से रोका
- 2014 के बाद भाजपा से सीट छीनने में सपा को मिली कामयाबी

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। इटावा लोकसभा चुनाव के प्रतिष्ठापूर्ण मुकाबले में सपा के जितेंद्र दोहरे ने भाजपा के निवर्तमान सांसद डा. रामशंकर कठेरिया को लगभग 58419 मतों के अंतर से हराया।भाजपा से यह सीट छीनकर सपा ने एक बार फिर अपने राजनैतिक गढ़ को सुरक्षित करने में कामयाबी हासिल की है।सपा अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम अखिलेश यादव का गृह जनपद होने के नाते यह सीट सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी हुई थी। पिछले दो लोकसभा चुनावों से इटावा सुरक्षित सीट पर भाजपा जीत दर्ज कराती चली आ रही थी। 2024 के मुकाबले में भाजपा की जीत का सिलसिला थम गया और सपा ने अपनी सीट पर फिर से कब्जा कर लिया।

देर शाम निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए चुनाव परिणामों के मुताबिक सपा के प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे ने 490747 मत हासिल किए।उनके निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के डा. रामशंकर कठेरिया को 432328 मत मिले। बसपा की सारिका सिंह बघेल को 96541 मत मिले। हारजीत का अंतर लगभग 58419 रहा।निर्दलीय सुनील शंखवार एडवोकेट को 2950,मुलायम सिंह 1708,भुवनेश कुमारी सम्यक पार्टी को 1657,विवेक राज जनता समाजवादी पार्टी को 1574 मत मिले। इसके अलावा 6266 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया।

इटावा के नई मंडी में बने मतगणना स्थल में मंगलवार को इटावा लोकसभा के अंतर्गत आने वाली इटावा और भरथना तथा मैनपुरी लोकसभा की जसवंतनगर विधानसभा सीट की मतगणना कराई गई।देर शाम तक हुई गणना के बाद परिणाम जारी किए गए।इटावा और भरथना विधानसभा दोनों में सपा ने भाजपा से बढ़त बनाये रखी।दोनों ही विधानसभाओ में भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा।इटावा की मतगणना तीस चक्र में भरथना की मतगणना 33 चक्रों तक चली।

6229
मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया

- बसपा की सारिका सिंह बघेल को 96,541 मत मिले, चौथे नंबर रहे निर्दलीय सुनील शंखवार

डीएम अवनीश राय से जीत का प्रमाणपत्र लेते जितेंद्र दोहरे। अमृत विचार

इटावा विधानसभा में मिले मतों का विवरण

- जितेंद्र दोहरे सपा- 110332
- डॉ रामशंकर कठेरिया भाजपा- 107239
- सारिका सिंह बघेल बसपा – 11447
- भुवनेश कुमारी सम्यक पार्टी- 272
- विवेक राज जनता समाजवादी पार्टी- 450
- मुलायम सिंह निर्दलीय-315
- सुनील शंखबार निर्दलीय-622
- नोटा- 1269
- कुल पड़े मतों की संख्या- 2,31947
- कुल मतदाता – 4,18416

पोस्टल मत के बाद हार-जीत का अंतर 58,419 रहा

इटावा। पोस्टल मतों की गिनती में सपा के मुकाबले भाजपा आगे रही। पोस्टल मत में सपा के जितेंद्र दोहरे को 1389, भाजपा के डा रामशंकर कठेरिया को 1406, बसपा की सारिका सिंह को 288, सुनील शंखबार को 09, मुलायम सिंह को 20,भुवनेश कुमारी को 09, विवेक राज को 05 और नोटा में 37 मत प्राप्त हुए। कुल 3163 पोस्टल मत प्राप्त हुए। पोस्टल मतों को मिलाने के बाद सपा को 490747, भाजपा को 432328, बसपा को 96541 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार सपा के जितेंद्र दोहरे को 58419 मतों के अंतर से सांसद निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव अंशुल, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव यादव, उदयभान सिंह यादव, सपा जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य, दिबियापुर विधायक प्रदीप यादव मौजूद रहे।

कठेरिया ने मतदाताओं का जताया आभार

इटावा। भाजपा प्रत्याशी डा रामशंकर कठेरिया ने चुनाव में अपनी पराजय के बाद मतदाताओं का तहेदिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इटावा लोकसभा के हर सम्मानित मतदाता का हृदय से आभार जताते हुए चुनाव में अथक परिश्रम करने वाले सभी कार्यकर्ताओं और पार्टी संगठन का हार्दिक धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि वे जनता की सेवा करने के लिए राजनीति में आए हैं।

डॉ. रामशंकर कठेरिया

गेट पर मेटल डिटेक्टर से हुई चेकिंग

इटावा। नई मंडी पर मतगणना स्थल पर जाने के लिए गेट न. एक से जाने की व्यवस्था की गई थी, यहां गेट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था और मेटल डिटेक्टर से चेकिंग के बाद ही लोगों को अंदर जाने दिया जा रहा था। इसके साथ ही पास की चेकिंग भी की जा रही थी। खास बात यह थी कि जो भी पास बनाए गए थे उनकी एक लिस्ट इस गेट पर थी, उस लिस्ट से पास का मिलान करने के बाद ही अंदर जाने की इजाजत दी गई थे।

विकास के काम अब हम कराएंगे : जितेंद्र दोहरे

इटावा। इटावा लोकसभा सीटसे सांसद निर्वाचित होने के बाद सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे ने सभी मतदाताओं और सपा हाईकमान का अभार जताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हर वर्ग के मतदाताओं ने सपा की नीतियों में विश्वास जताते हुए हमारा भरपूर साथ दिया। हमारे कार्यकर्ताओं ने भी अथक परिश्रम किया। जो काम 10 साल ने भाजपा ने नही किए वो हम कराएंगे। यहां की जनता ने पीडीए को वोट किया है, इंडिया गठबंधन को वोट किया है। प्रशासन ने हमारा पूरा साथ दिया सभी लोगों में धन्यवाद करता हूं।

जितेंद्र दोहरे

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। 2019 के चुनाव में सपा बसपा गठबंधन होने के बाद भी शानदार जीत दर्ज दर्ज करने वाले भाजपा के डा रामशंकर कठेरिया को दूसरी बार जनता ने नकार दिया। यहां के चुनाव में इस बार विकास का मुद्दा नहीं चला आखिरकार जातिगत समीकरणों ने ही हारजीत का फैसला किया। सपा ने भाजपा के दांव से ही भाजपा को चित कर दिया। वर्ष 2014 में मोदी लहर में भाजपा ने दोहरे कार्ड खेलते हुए बसपा सरकार में मंत्री रहे अशोक दोहरे को अपना उम्मीदवार बनाया। अशोक दोहरे पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े। यहां भाजपा के परंपरागत वोट के अपनी सजातीय मतों को अपने पाले में करने में सफलता हासिल की। जिसकी बजह से उन्होंने शानदार जीत दर्ज की। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले से भाजपा छोड़ गए।

भाजपा ने इस बार भी अपने कद्दावर नेता डा रामशंकर कठेरिया को टिकट दिया। उन्होंने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में इटावा में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराये। मैनपुरी रेलवे क्रासिंग का ओवरब्रिज, फरुखाबाद क्रासिंग पर फुट ओवर ब्रिज, पासपोर्ट कार्यालय, भरथना और बसरेहर में बाईपास निर्माण, पचनद पर बांध समेत कई विकास योजनाओं से जनपदवासियों को लाभांवित कराया। परंतु सपा ने इस बार दोहरे बिरादरी के जितेंद्र दोहरे को प्रत्याशी के रूप में उतारकर 2014 वाला ट्रंप कार्ड खेल दिया। वहीं सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे अपनी बिरादरी के मतदाताओं को लुभाने में कामयाब रहे। चूंकि वे बसपा के कैडर कार्यकर्ता रहते हुए जिला अध्यक्ष तक रहे। इसलिए उनकी पकड़ अपनी बिरादरी में अच्छी थी। बसपा का वोट बैंक माना जाने वाला दोहरे जाटव समाज इस बार एकजुट होकर सपा के पाले में चला गया।

भाजपा, सपा और बसपा के को मिले मतों का ब्यौरा

वर्ष	2019
भाजपा	5,22,119
सपा	4,57,682
बसपा	चुनाव मैदान में नहीं
वर्ष	2024
भाजपा	4,32,328
सपा	4,90,747
बसपा	96,541

मतगणना के नजारे

सड़क से लेकर मतगणना स्थल तक रही कड़ी चौकसी

इटावा। लोकसभा चुनाव की नवीन मंडी में होने वाली मतगणना को लेकर मंगलवार को सड़क से लेकर मतगणना स्थल तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। थोड़ी थोड़ी दूर पर पुलिस तैनात दिखी। यहां नईमंडी में मतगणना कराई जा रही थी । इस मार्ग को जनसामान्य के लिए बंद कर दिया गया था केवल मतगणनस से जुड़े लोग ही वहां जा सकते थे। इसके लिए भरथना चौराहे पर बैरियर लगाकर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था, यहां से आगे सिर्फ उन्ही लोगों को जाने दिया गया था जो मतगणना स्थल पर जाने के लिए अधिकृत थे। इसके बाद भी गेट न. एक से पहले दो स्थानों पर बैरियर लगाए गए थे।

सभी को थी चुनावी स्थिति जानने की उत्सुकता

इटावा। मतगणना शुरू होने के बाद ही सभी को चुनावी स्थिति जानने की उत्सुकता थी। सभी एक दूसरे से जानकारी कर रहे थे कि कौन सा राउंड चल रहा है और कौन आगे चल रहा है। पत्रकारों के फोन की घंटियां भी बजती रही और लोग मतगणना के रुझानों के बारे में जानकारी करते रहे। राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता भी लगातार ताजा स्थिति की जानकारी कर रहे थे।

चाय-पान की दुकानों पर होती रही चर्चा

इटावा। लोकसभा चुनाव की मतगणना को लेकर चायपान की दुकानों पर चर्चा चलती रही। लोग अलग अलग दलों के प्रत्याशियों केआगे पीछे होने को लेकर चर्चाएं करते रहें। इटावा के साथ ही अन्य स्थानों के प्रत्याशियों की बढ़त या पीछे होने को लेकर भी लगातार चर्चाएं चलतीं रहीं। लोग चाय की चुस्कियों के साथ राजनैतिक चर्चा में मशगूल रहे।

टीवी पर लगी रहीं सभी की निगाहें

इटावा। मतगणना के दिन लोग सुबह से लेकर शाम तक टीवी से चिपके रहे या फिर अपने मोबाइल पर न्यूज देखते रहे। थोड़ी थोड़ी देर में रुझान बदल रहे थे जिसके चलते लोग टीवी के सामने ही डटे रहे। कार्यालयो में भी लोग चुनाव नतीजों के रुझान देखते रहे और राजनैतिक चर्चा होती रही। मतगणना के कारण अधिकारी मतगणना में रहे और फरियादी भी नहीं आए।

दूसरे राउंड के बाद उतरने लगे भाजपाइयों के चेहरे

इटावा। मतगणना शुरू होने से पहले भाजपा के कार्यकर्ता काफी खुश थे लेकिन इटावा लोकसभा सीट पर समाजवादी पार्टी ने पहले राउंड में ही बढ़त बना ली और अंत तक जारी रही। पहले राउंड के बाद दूसरे राउंड में भी जैसे ही सपा प्रत्याशी ने बढ़त बनाई वैसे ही भाजपाइयों के चेहरे उतरने लगे और भाजपाइयो के चेहरों पर मायूसी दिखाई दी।

सपाइयों ने दिखाया जमकर उत्साह

इटावा। मतगणना शुरू होने के बाद से ही सपा के जितेंद्र दोहरे को बढ़त मिलते ही सपाइयों के चेहरे खिल उठे। इटावा और भरथना विधानसभा की मतगणना के हर राउंड में भाजपा पिछड़ती ही रही। सपा के प्रदेश सचिव गोपाल यादव, जिला अध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू, पूर्व अध्यक्ष राजीव यादव, विवेक गुप्ता विक्की, जिला महासिचव वीरू भदौरिया और उनकी टीम एक दूसरे को बधाई देती रही।

पल पल की खबर लेते रहे अंशुल यादव

इटावा। इटावा लोकसभा चुनाव की बागडोर संभालने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव उर्फ अंशुल मतगणना को लेकर खासे चौकस रहे। उनकी एक निगाह नवीन मंडी मतगणना स्थल और दूसरी सपा हाईकमान पर लगी रही। वे कार्यकर्ताओं से पल पल की खबर लेते रहे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इटावा के चुनाव परिणाम की खबर लेते रहे।

इटावा जिले के आठ लोग पहुंचेंगे संसद बनेगा नया रिकार्ड

इटावा। लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद इटावा के नाम एक नया रिकार्ड दर्ज हो गया है। इटावा एक ऐसा जिला है जिसके आठ सांसद पहली बार लोकसभा में पहुंचेंगे। इसमें छह तो सैफई के एक ही गांव के हैं। खास बात यह भी है कि सभी आठ सांसद समाजवादी पार्टी केही हैं।

सपा संस्थापक नेताजी स्व मुलायम सिंह यादव का ही सबसे बड़ा राजनैतिक परिवार बन गया है। सपा अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम अखिलेश यादव, धर्मेंद्र यादव, डिंपल यादव, आदित्य यादव अंकुर, अक्षय यादव इस बार क्रमशः कन्नौज, आजमगढ़, मैनपुरी, बदायूं और फिरोजाबाद से सांसद निर्वाचित हुए हैं। वहीं सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो रामगोपाल यादव राज्य सभा सांसद हैं। समाजवादी परिवार के सभी छह सदस्य एक ही सैफई गांव के रहने वाले हैं। वहीं इटावा से सपा के टिकट पर जितेंद्र दोहरे चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। वहीं इटावा के ही देवेश शाक्य ने एटा से सपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कराई है। इस प्रकार सपा के आठ सदस्य एक ही जिले के रहने वाले हैं, जो संसद में अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

2 लाख 20 हजार मतों के बड़े अंतर से जीतीं डिंपल यादव

संवाददाता जसवंतनगर, इटावा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव, 2024 के परिणाम मंगलवार को आ गए। एक बार फिर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की धर्मपत्नी डिंपल यादव ने मैनपुरी संसदीय सीट जीतकर नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू होने के साथ-साथ उनकी विरासत को और भी ज्यादा मजबूती से संभालने के लिए कदम बढ़ा दिए।

नेताजी के निधन के बाद डिंपल यादव ने इस मैनपुरी परंपरागत सीट से पहली बार उपचुनाव लड़ा था और वह जीती थीं। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने मैदान में उतरकर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह को 2 लाख 20हजार से ज्यादा मतों से शिकस्त देकर मुलायम परिवार और मैनपुरी की जनता के बीच के रिश्तों को और भी ज्यादा मजबूती दे दी।

पूरे देश में इस बात की चर्चा रहती है कि समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी में सेंध लगाना, किसी के बस की बात नहीं है, क्योंकि इस संसदीय सीट से जो पांच विधानसभाएं जुड़ी हैं, उनमें जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र ऐसा क्षेत्र है, जिसके सैफई गांव में मुलायम सिंह यादव का जन्म हुआ था। इसी सैफई गांव से निकले मुलायम सिंह यादव ने पूरे देश में समाजवाद की अलख जगाई थी। जब तक मुलायम सिंह जीवित रहे, वह या उनके परिवार का ही सदस्य मैनपुरी का सांसद बनता रहा।

मैनपुरी के डीएम से निर्वाचन प्रमाण पत्र लेती डिंपल यादव अमृत विचार

1996 में मुलायम सिंह यादव पहली बार मैनपुरी से सांसद चुने गए थे उसके बाद वह चार बार सांसद बने एक बार उनके भतीजे धर्मेंद्र यादव तथा एक बार उनके पौत्र तेज प्रताप सिंह यादव सांसद चुने गए थे। 2022 के उपचुनाव में नेताजी के निधन के बाद डिंपल यादव चुनाव जीती थी। लोकसभा उपचुनाव 2022 में डिंपल यादव कुल मिलाकर भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य के मुकाबले 2,88,461 वोटों से विजई हुईं थीं। उन्हें उस चुनाव में 6 लाख 18 हजार 120 वोट मिले थे, जबकि उनके प्रतिद्वंदी रघुराज सिंह शाक्य को 3,29,655 वोट ही मिल सके थे। इस बार के लोकसभा चुनाव में डिंपल यादव की जीत का अंतर घटकर 2 लाख 20 हजार, 908 रह गया है। 2022 के लोकसभा चुनाव में अकेले जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र ने डिंपल यादव को 1 लाख 06 हजार वोटों की लीड दी थी, जो कि एक रिकॉर्ड लीड थी। इससे पूर्व विधानसभा चुनाव में ही 2022 में शिवपाल सिंह यादव जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र से 96 हजार वोटों की लीड से विजई हुए थे। मंगलवार को मैनपुरी संसदीय सीट के लिए जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के वोटों की ,जब गिनती हुई तो 33 राउंड के बाद जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र से डिंपल यादव को जसवंत नगर की जनता ने 8,8132 वोटो की बड़ी लीड दी। इस तरह देखा जाए तो मैनपुरी संसदीय क्षेत्र के पांचों विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक लीड एक बार फिर जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र से ही उन्हें प्राप्त हुई।

जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र की जब मैनपुरी सीट के लिए वोटों की गिनती इटावा में शुरू हुई, तो डिंपल यादव ने पहले राउंड से ही अपनी बढ़त बढ़ाना शुरू कर दिया। जसवंतनगर इलाके के 452 बूथ में से 403 बूथ ऐसे हैं, जिन पर डिंपल यादव को अपने प्रतिद्वंदी ठाकुर जयवीर सिंह के मुकाबले बराबर लीड मिली। जसवंतनगर ब्लॉक में उन्हें बलरई, जुगोरा सेक्टर में भारी लीड मिली। इसके अलावा सर्वाधिक बड़ा अंतर उन्हें धनुवा सेक्टर और उसके बाद राय नगर और मलाजनी सेक्टर में प्राप्त हुआ। इसी प्रकार ताखा और बसरेहर के इलाके के बूथों पर उन्हें अच्छी लीड प्राप्त हुई। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के जिन मतदान केंद्रों पर डिंपल यादव को भाजपा के ठाकुर जयवीर सिंह और बसपा के शिवप्रसाद यादव के मुकाबले भारी लीड हासिल हुई , उन में जोनई , धरबार ,फूलरई, मीरख पुर पुठिया, नगला जुलाहा, घनश्यामपुर, फतेहपुरा, नगला जगन , ककरई ,खेड़ा बुजुर्ग, गड़ी जालिम शाहजहांपुर , परसौआ, आलमपुर नरि या, प्रतापपुरा, नगला हरे,राय नगर से जमकर वोट मिले।

जसवंतनगर विधान सभा क्षेत्र में किसको मिले कितने मत

पार्टी का नाम	प्रत्याशी	मिले मत
भाजपा	जयवीर सिंह	65565
सपा	डिम्पल यादव	153697
बसपा	शिवप्रसाद यादव	16206
वोटर्स पार्टी	नंदराम बागडी	318
भा0 शक्ति चेतना पार्टी	मंजू पाल	176
सर्व समाज जनता पार्टी	सुनील कुमार	194
निर्दलीय	प्रमोद कुमार	225
निर्दलीय	सुरेश चन्द्र	527
नोटा		1035

इटावा लोकसभा क्षेत्र से अब तक निर्वाचित सांसद

- वर्ष 1957- कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया सोशलिस्ट पार्टी रोहन लाल चतुर्वेदी
- 1962- गोपी नाथ दीक्षित इंडियन नेशनल कांग्रेस
- 1967 – अर्जुन सिंह भदौरिया संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी
- 1971- श्री शंकर तिवारी इंडियन नेशनल कांग्रेस
- 1977- अर्जुन सिंह भदौरिया जनता पार्टी
- 1980- राम सिंह शाक्य जनता पार्टी
- 1984- रघुराज सिंह चौधरी इंडियन नेशनल कांग्रेस
- 1989- राम सिंह शाक्य जनता दल
- 1991- कांशीराम बहुजन समाज पार्टी
- 1996- राम सिंह शाक्य सपा
- 1998- सुखदा मिश्रा भाजपा
- 1999- रघुराज सिंह शाक्य सपा
- 2004- रघुराज सिंह शाक्य सपा
- 2009- प्रेमदास कठेरिया सपा
- 2014- अशोक कुमार दोहरे भाजपा
- 2019- डॉ रामशंकर कठेरिया भाजपा
- 2024- जितेंद्र दोहरे सपा

अपना किला बचाने में नाकाम रहे भाजपा प्रत्याशी

संवाददाता इटावा/औरैया

अमृत विचार। औरैया की तीनों विधानसभाओं में सपा ने शुरू से ही बढ़त बनाना शुरू कर दिया था।

ज्ञातव्य हो कि जनपद की औरैया व दिबियापुर दो विधानसभाएं इटावा संसदीय क्षेत्र में लगती है जबकि बिधूना कन्नौज संसदीय क्षेत्र में लगती है। यहां उल्लेखनीय ये है कि औरैया ब्लाक में सपा जीती है। ऐसा दूसरी बार हुआ है। पहली बार 2007 के विधानसभा चुनाव में औरैया में सपा प्रत्याशी कमलेश पाठक 6500 वोट से जीते थे लेकिन कुल मिलाकर वो तत्कालीन बसपा प्रत्याशी शेखर तिवारी से चुनाव हार गए थे।

औरैया भाजपा का गढ़ कहा जाता रहा है। औरैया विधानसभा में आज भी गुड़िया कठेरिया भाजपा की विधायक हैं।

औरैया में 13,950 वोटों के अंतर से हार गए कठेरिया

दिबियापुर विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी जितेंद्र को 91496 वोट, भाजपा प्रत्याशी रामशंकर कठेरिया को 74285 वोट मिले। बीएसपी की सारिका सिंह बघेल को 20223 वोट पा सकी। दिबियापुर विधानसभा में जितेंद्र दोहरे को 17211 वोट की बढ़त मिली। दिबियापुर विधानसभा पिछड़े वर्ग की बाहुल्य वोट की विधान सभा है। यहां 70000 के लगभग मतदाता यादव है और 60000 के लगभग लोध मतदाता है ।वहीं औरैया विधानसभा में सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे को 88556 मत भाजपा की रामशंकर कठेरिया को 74606 मत मिले जबकि बसपा की प्रत्याशी नें 19273 वोट प्राप्त किया। सपा प्रत्याशी ने इस भाजपा के गढ़ में भी 13950 मतों से बढ़त बनाई।

दिबियापुर नगर में जीती भाजपा

दिबियापुर नगर में भाजपा प्रत्याशी डॉ. रामशंकर कठेरिया सबसे आगे रहे । उन्हें नगर के पांचों मतदान केन्द्रों के कुल 20 बूथों पर 5661 वोट मिले जबकि सपा प्रत्याशी जितेन्द्र दोहरे को 4244 वोट हासिल हुये। जबकि बसपा प्रत्याशी सारिका सिंह बघेल को मात्र 599 वोट ही हासिल हुये। नगर पंचायत दिबियापुर क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी ने सपा प्रत्याशी से 1417 वोट ज्यादा हासिल किये।

चुनावी चर्चा

सिकंदरा विस क्षेत्र में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सभा भी नहीं कर सकी कोई करिश्मा

सिकंदरा में क्षत्रियों की नाराजगी व दलितों में बिखराव से हारी भाजपा

संवाददाता, राजपुर (कानपुर देहात)

अमृत विचार। इटावा संसदीय सीट पर मतदाता के रूख को भांप पाना मुश्किल हो गया था। पूरा चुनाव जातीय समीकरण पर हो गया।

भाजपा क्षत्रिय और दलित मतदाताओं का बिखराव रोक पाने में पूरी तरह असफल रही। भाजपा और गठबंधन की हवा में बसपा बहुत पीछे छूट गई। ऐसे में आमने-सामने की लड़ाई में गठबंधन प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार दोहरे ने जीत हासिल की। इटावा लोकसभा सीट पर सिकन्दरा विधानसभा क्षेत्र काफी अहम माना जाता है। बीहड़ पट्टी में विकास की दरकार है। सियासी सूरमाओं को इटावा सीट पर जीत हासिल करने के लिए सबसे ज्यादा जोर लगाना पडता है। यहां 3 लाख 37 हजार 247 वोटर है। जातिगत आकड़ों पर नजर डालें तो अनुसूचित जाति 70 हजार, ब्राह्मण 45 हजार, कुर्मी 40 हजार, क्षत्रिय 28 हजार, पाल 30 हजार, मुस्लिम 25 हजार व 90 हजार अन्य जातियों के मतदाता है। इस सीट पर ब्राह्मण कुर्मी व पाल मतदाताओं का दबदबा है। वहीं क्षत्रिय व दलित वोट निर्णायक भूमिका में है। पिछली बार की अपेक्षा इस बार क्षत्रिय वोटरों में भाजपा प्रत्याशी को लेकर नाराजगी थी। हालांकि भाजपा के प्रदेश नेतृत्व को इस बात की जानकारी थी। क्षत्रिय वोटरों को साधने के लिए 25 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में राजपुर में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चुनावी सभा कर क्षत्रिय मतदाताओं की नब्ज टटोलने का प्रयास किया था।

इधर दलित मतदाताओं में भी भाजपा प्रत्याशी को लेकर शुरू से ही अटकलों का बाजार गर्म था। राजनीतिक विश्लेषण के मुताबिक गठबंधन प्रत्याशी के रूप में जितेन्द्र दोहरे के नाम की घोषणा होते ही दलित मतदाताओं का भाजपा से मोह भंग हो गया।

नई मंडी में मतगणना कार्य में लगे मतगणना कार्मिक अमृत विचार

निरीक्षण करते डीएम अवनीश राय एवं एसएसपी संजय कुमार अमृत विचार

मतगणना स्थल के पास सपा के कैंप कार्यालय में चुनाव परिणाम की प्रतीक्षा में दिबियापुर विधायक प्रदीप यादव व पूर्व विधायक राम जी शुक्ला, साथ में अन्य सपा कार्यकर्ता। अमृत विचार

मतगणना केंद्र के बाहर भाजपा के कैंप कार्यालय में चुनाव नतीजों के बाद मायूस जिलाध्यक्ष भुवन प्रकाश गुप्ता, जिला प्रभारी आनन्द सिंह, अजीतमल ब्लॉक प्रमुख रजनीश पांडेय व भाजपा के जिला मंत्री कौशल किशोर राजपूत।

मंडी समिति में मतगणना करते कार्मिक।

मतगणना स्थल पर जिलाधिकारी नेहा प्रकाश व पुलिस अधीक्षक चारु निगम।

पिछड़ा वर्ग के वोटरों को साधने में नाकाम रही बीजेपी

प्रत्याशी रामशंकर कठेरिया 13950 वोटों से हारे, अधिकतर राउंड में पिछड़ते रहे

कार्यालय संवाददाता, औरैया

सपा की जीत घोषित होते ही विजयी मुद्रा में सपाई।

किसी अनहोनी से निपटने के लिए खड़ी दमकल व जवान।

अमृत विचार। जनपद की औरैया व दिबियापुर दो विधानसभाएं इटावा संसदीय क्षेत्र में लगती है जबकि बिधूना कन्नौज संसदीय क्षेत्र में लगती है। औरैया भाजपा का गढ़ कहा जाता रहा है। औरैया विधानसभा में गुड़िया कठेरिया भाजपा की विधायक हैं। जबकि औरैया विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी 13950 वोटों के अंतर से हार गए। राजनैतिक विश्लेषकों का कहना है कि पूर्व विधायक राम जी शुक्ल के सपा ज्वाइन करने का भी काफी फर्क आया है। कुछ लोगो का यह भी मत है कि भाजपा अपने पिछड़े वर्ग के वोट को बरकरार नहीं रख पाई और वह सपा में चल गया।

ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है क्योंकि दिबियापुर विधानसभा में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी जितेंद्र को 91496, भाजपा प्रत्याशी रामशंकर कठेरिया को 74285 वोट मिले। जबकि बीएसपी की सारिका सिंह बघेल को 20223 वोट हासिल हुए।

दिबियापुर विधानसभा पिछड़े वर्ग बाहुल्य क्षेत्र है। यहां 70000 के लगभग मतदाता यादव हैं और 60000 के लगभग लोध मतदाता हैं। वहीं औरैया विधानसभा में सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे को 88556 मत, भाजपा की रामशंकर कठेरिया को 74606 मत मिले जबकि बसपा की प्रत्याशी नें 19273 वोट प्राप्त किया। सपा प्रत्याशी ने इस भाजपा के गढ़ में भी 13950 मतों से बढ़त बनाई।

दिबियापुर विधानसभा में दो-तीन चक्र छोड़कर लगातार समाजवादी प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे अपनी बढ़त बनाने में कामयाब रहे। वहीं उन्हें ग्रामीण से लेकर नगर तक जबरदस्त वोटिंग का फायदा मिला और भाजपा प्रत्याशी रामशंकर कठेरिया लगातार पिछड़ते चले गए जहां समाजवादी प्रत्याशी ने मतगणना के सभी राउंड में अधिकतर राउंड में करारी पटकनी दी। वहीं बसपा प्रत्याशी सारिका सिंह बघेल शुरू से ही पिछड़ गई थीं। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे के वोट शुरू से ही बढ़ने लगे। फिर थोड़ी देर में वोट के अंतर को राम शंकर कठेरिया पाट नहीं सके और अपना किला बचाने में नाकामयाब रहे।

कुछ मतदाताओं ने नोटा का भी प्रयोग किया जहां समाजवादी पार्टी के जितेंद्र सिंह प्रथम चक्र में 3232 वोट, बीजेपी को 2189 वोट मिले वही बीएसपी प्रत्याशी को महज 817 वोट से संतोष करना पड़ा। साथ ही 14 वोट नोटा में पड़े। वहीं द्वितीय चक्र में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे को 3298 भाजपा प्रत्याशी राम शंकर कठेरिया को 2189 बसपा प्रत्याशी को 817 वोट ही मिले। जबकि नोटा में 37 वोट पड़े। वहीं तृतीय चक्र की मतगणना में एसपी प्रत्याशी को 3847 बीजेपी प्रत्याशी को 4406, बीएसपी को 1450 वोट मिले। वहीं 80 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। चौथे राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 3216 वोट तथा बीजेपी प्रत्याशी को 2369 वोट मिले। जहां समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने निर्णायक बढ़त बना ली है। वहीं बीएसपी को1052 वोट से संतोष करना पड़ा। जबकि 41 वोटर ने नोटा का प्रयोग किया। पांचवे चक्र में एसपी को 4045, बीजेपी को 3577 तथा बीएसपी को 394 मत ही मिले। इस चक्र के बाद भाजपा प्रत्याशी रामशंकर कठेरिया लगातार पिछड़ते चले गए। छठे राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 3220, बीजेपी को 3228 व बीएसपी को 1450 वोट मिले। वहीं 40 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। जबकि सातवें राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 2645 भाजपा प्रत्याशी को 3432 वोट मिले बसपा प्रत्याशी को 909 वोटो से संतोष करना पड़ा। यहां भी 37 मतदाता में नोटा का प्रयोग किया। आठवें राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 4129, समाजवादी प्रत्याशी को 2584 बसपा प्रत्याशी को केवल 376 वोट मिले। 9वें राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 3240 वोट मिले। वहीं भाजपा प्रत्याशी को 3169, बसपा प्रत्याशी को 1011 ही वोट मिले। जबकि 10वे राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 3552, समाजवादी प्रत्याशी को 2817, बसपा को 788 वोट प्राप्त हुए। यहां 55 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया। 11 में राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 2926 वोट भाजपा प्रत्याशी को 2618 वोट बसपा प्रत्याशी को मिले।

12वीं राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 3557, भाजपा प्रत्याशी को 2638, बसपा प्रत्याशी को 870 वोट मिले जबकि 28 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया। 13वें राउंड में समाजवादी पार्टी प्रत्याशी को 2557, भाजपा प्रत्याशी को 3472, बसपा प्रत्याशी को 1019 वोट मिले। 14वें राउंड की मतगणना में समाजवादी को 2932, भाजपा प्रत्याशी को 2244, बसपा प्रत्याशी को 601 मत प्राप्त हुए जबकि 44 नोटा में मत पाए गए। 15वें राउंड में एसपी प्रत्याशी को 2993, भाजपा प्रत्याशी को 2600 तथा 464 मत बसपा प्रत्याशी को मिले। वहीं 16वें राउंड में सपा को 3468, बीजेपी को 2731 मिले। वहीं बीएसपी को 1722 वोट मिले। 33लोगों ने नोटा का बटन दबाया। इसके बाद 17वें राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 6240, बीजेपी को 2271 तथा बीएसपी को 526 मत मिले। 18वें राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 4475, भाजपा प्रत्याशी को 2151, बसपा प्रत्याशी को 474 मत मिले। वहीं नोटा का 57 लोगों ने प्रयोग किया। 19वें चक्र में सपा को 3407, भाजपा प्रत्याशी को 3160 मत मिले। बसपा प्रत्याशी को 808 मतों से संतोष करना पड़ा जबकि 36 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया। मतगणना 20वें चक्र में समाजवादी प्रत्याशी को 4130, भाजपा प्रत्याशी को 3013, बसपा प्रत्याशी को 535 मत मिले। 21वें राउंड में एसपी को 3923, बीजेपी को 3672, बसपा को 321 मत मिले।

वही मतगणना के 22 में राउंड में समाजवादी को 5097, भाजपा को 2033 बसपा को 765 मत प्राप्त हुए। जबकि 23 वे राउंड में समाजवादी प्रत्याशी को 4462, भाजपा प्रत्याशी को 2312, बसपा प्रत्याशी को 1029 मत मिले जबकि 35 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया। इसके साथ ही 24 में राउंड में सपा के जितेंद्र हरि को 3849, भाजपा प्रत्याशी को 2214, बसपा प्रत्याशी को 876 मत मिले। 25वें राउंड में सपा प्रत्याशी को 3250, भाजपा प्रत्याशी को 3372 और बसपा प्रत्याशी को 494 मत मिले। 26वें राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 2787, सपा प्रत्याशी को 2161, बसपा प्रत्याशी को 900 मत प्राप्त हुए। जबकि 20 लोगों ने नोटा का प्रयोग किया।

काउंटिंग परिसर पर रहे कड़े प्रतिबंध

मतगणना भवन और परिसर में मोबाइल लाने पर पाबंदी रही। इसके अलावा कैंची, ब्लेड, गुटका पाउच, पान, बीड़ी, सिगरेट, माचिस, लाइटर, खाद्य और पेय सामग्री भी प्रतिबंधित रही। मतगणना स्थल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने साथ जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पहचान पत्र को लेकर ही प्रवेश मिल सका।

सपा के विजयी सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे। अमृत विचार

5,99,609 मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

जनपद में 10,27,926 मतदाता हैं। इनमें 5,99,609 मतदाताओं ने मत का प्रयोग किया। इनमें 5,58,755 पुरुष मतदाताओं में 3,26,697 और 4,69,131 महिला मतदाताओं में 2,72,899 महिला मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इस प्रकार जिले में कुल 58 .33 प्रतिशत मतदान हुआ।

फर्जी था एक्जिट पोल : सर्वेश बाबू

शहर के एक लॉज में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने कहा कि नतीजे बयां कर रहे है कि एक्जिट पोल फर्जी था। कहा कि इसके पीछे बड़ी साजिश थी। उन्होंने कहा कि भाजपा माइंड गेम खेल रही थी। मतगणना में धांधली की आशंका के चलते सपा कार्यकर्ताओं ने लगातार स्ट्रांग रूम के बाहर पहरा दिया है। कहा कि भाजपा के कई कारनामे जनता विरोधी रहे। जिस कारण इस बार जनता ने सपा को वोट किया है। रश्मि यादव, शोभित यादव, वेद प्रकाश यादव, सोनू प्रधान, लाल सिंह दोहर आदि रहे।

मतगणना स्थल के मुख्य गेट पर सुरक्षा में तैनात अर्धसैनिक बल।

गर्मी और तेज धूप से निजात पाने के लिए झोपड़ी में बैठे पुलिसकर्मी।

औरैया होमगंज बाजार की सुनसान पड़ी सड़क।

औरैया के एक होटल में टीवी पर चुनाव परिणाम देखते लोग।

दिबियापुर में 26, औरैया में 27 राउंड मतगणना

संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की मतगणना मंगलवार की सुबह आठ बजे से शुरू हुई। मतगणना और इसमें सहयोग करने के लिए 228 कर्मचारियों को लगाया गया।वहीं 800 से अधिक पुलिस कर्मचारियों को सुरक्षा का घेरा मजबूत रखने के लिए जिम्मेदारी रही।

जिले की तीनों विधान सभाओं में मतगणना के लिए 14-14 टेबिल लगाई गईं । इटावा लोकसभा सीट के लिए औरैया विधानसभा में 27, दिबियापुर विधानसभा में 26 चरणों मतगणना के लिए 19-19 गणना में मतगणना संपन्न हुई। जबकि कन्नौज लोकसभा सीट के लिए बिधूना विधानसभा में कुल 29 राउंड चले। प्रत्येक विधानसभा में पर्यवेक्षक, एक गणना सहायक, माइक्रो ऑब्जर्वर और और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी लगाए गए।

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए । क्षेत्र में धारा 144 लगा दी गई। मतगणना केंद्रों में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं मिली। केवल ड्यूटी पर तैनात अधिकारी, प्रत्याशी, उनके चुनाव एजेंट और मतगणना एजेंट, भारत निर्वाचन आयोग और रिटर्निंग अधिकारी या सहायक रिटर्निंग अधिकारी से अधिकृत व्यक्ति ही मतगणना केंद्र में प्रवेश कर पाए।

सीसीटीवी की निगरानी में हुई वोटों की गिनती

मतगणना की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से पारदर्शी बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकार्डिंग कराई गई। स्ट्रांग रूम से लेकर मतगणना स्थल तक मतगणना की हर गतिविधि को कैमरे में कैद किया गया।

बिधूना विस क्षेत्र में अखिलेश को मिले रिकॉर्ड मत

कार्यालय संवाददाता,बिधूना/औरैया

अमृत विचार। बिधूना विधानसभा में अखिलेश यादव को 112322 मत मिले। यहां शायद पहली बार किसी प्रत्याशी को विधानसभा स्तर पर लाख के ऊपर वोट मिले हैं।

वहीं भाजपा की सुब्रत पाठक को 75348 मत प्राप्त हुए। बसपा की प्रत्याशी इमरान बिन जफर को 19074 मत मिले। सपा के अखिलेश यादव ने भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक को 36974 वोटो से पराजित किया।

अखिलेश की जीत से बिधूना में खुशी

बिधूना। शनिवार को लोकसभा चुनाव के परिणाम देखने को सुबह से ही लोग टीवी के सामने डटे रहे। जैसे ही सपा के लोगों को पता चला कि कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भारी मतों से चुनाव जीत गए हैं तो लोगों की खुशी का ठिकाना न रहा। सपा नेत्री एवं सपा महिला सभा की राष्ट्रीय महासचिव रचना सिंह सेंगर ने अपने आवास पर मिठाइयां बांटी। उन्होंने कहा कि सपा एवं इंडी गठबंधन की जीत जनता की जीत है। उधर सपा प्रत्याशी देवेश शाक्य उर्फ बिल्लू की एटा लोकसभा क्षेत्र से हुई जीत को लेकर उनके गांव भटौरा में हर्ष है। बड़ी संख्या में लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर बधाई दी।

दिबियापुर नगर में जीती भाजपा: दिबियापुर नगर में भाजपा प्रत्याशी डॉ. रामशंकर कठेरिया सबसे आगे रहे। उन्हें नगर के पांचों मतदान केंद्रों के कुल 20 बूथों पर 5661 वोट मिले जबकि सपा प्रत्याशी जितेन्द्र दोहरे को 4244 वोट हासिल हुए।

बसपा प्रत्याशी सारिका सिंह बघेल को मात्र 599 वोट ही मिले। नगर पंचायत दिबियापुर प्रत्याशी से 1417 वोट ज्यादा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी ने सपा हासिल किये।

देश में इटावा के 6 सांसद चुने गए

औरैया। इटावा शायद देश का पहला जिला है जहां के निवासी देश की 6 अलग-अलग लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए हैं और औरैया जिले से देश मे तीन सांसद चुने गए।

1 जितेंद्र दोहरे- सांसद इटावा, 2 अखिलेश यादव- सांसद कन्नौज, 3 धर्मेंद्र यादव- सांसद आजमगढ़, 4 आदित्य यादव- सांसद बदायूं, 5 डिंपल यादव- सांसद मैनपुरी, 6 अक्षय यादव- सांसद फिरोजाबाद

देश में औरैया के चुने गए 3 सांसद

1 आगरा सांसद एसपी सिंह बघेल भटपुरा औरैया के निवासी है। 2 देवेंद्र सिंह भोले सांसद अकबरपुर कंचौसी के हैं। 3 अभी एटा से सांसद बने देवेश शाक्य औरैया की बिधूना तहसील के भटौरा गांव के मूल निवासी हैं।

चुनाव परिणाम पर रही नजर

एक शोरूम में चुनाव परिणाम जानने के लिए टीवी देखते लोग।

कपड़े की दुकान में चुनावी चर्चा करते लोग।

महिलाओं से टप्पेबाजी करने वाले 6 लोगों को भेजा जेल

संवाददाता अयाना, औरैया

- तीन आरोपियों को पुलिस ने टूंडला से किया था गिरफ्तार
- अयाना के कौशल्या वाटिका में रविवार को हुई थी घटना

अमृत विचार। अयाना कस्बा के कौशल्या वाटिका में चल रही भागवत में रविवार देर शाम को आरती के दौरान धक्का-मुक्की के बीच पांच महिलाओं के जेवर छीनने के मामले में पुलिस ने पांच महिलाओं समेत छह को जेल भेजा है। पुलिस ने सोमवार शाम को पकड़ी गई महिलाओं से पूछताछ के आधार पर टूंडला से कार चालक व दो महिलाओं को गिरफ्तार किया था।

अयाना के ग्राम प्रधान छोटे लाल गुप्ता की ओर से कौशल्या वाटिका में भागवत कथा करवाई जा रही है। रविवार शाम को कृष्ण जन्म के दौरान प्रेमा देवी, राधिका की जंजीर, माया देवी, कमलेश कुमारी व रीमा परिहार के मंगल सूत्र छिन गए। ग्रामीणों ने तीन महिलाओं को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। पकड़ी गईं महिलाओं ने अपने नाम फिरोजाबाद के धोबी मोहल्ला निवासी रेशमा, दीपिका, लक्ष्मी बताए थे।

गिरफ्तार महिलाओं की जानकारी पर एसआई सुरेंद्र सिंह ने टीम के साथ टूंडला से आगरा के पृथ्वीराज फाटक जगदीशपुरा निवासी बब्बी उर्फ आराध्या, दुर्गा व फतेहपुर सीकरी के वनी इसराइल निवासी कार चालक अजहर उर्फ सोहेल को गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी जय प्रकाश पाल ने बताया कि पूछताछ में महिलाओं ने बताया कि वह समूह बनाकर धार्मिक कार्यक्रम, मेला, बाजारों में टप्पेबाजी करते थे। भागवत कथा की जानकारी होने पर वह अयाना में टप्पेबाजी करने आईं थीं।

थाना प्रभारी ने बताया कि सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

शॉर्ट सर्किट से मंडी समिति दिबियापुर में लगी आग

ककोर। दिबियापुर की मंडी समिति में दोपहर 1:00 बजे बिजली शार्ट सर्किट से आग लग गई । सुबह सब्जी बेचने के बाद दुकान मालिक सलीम अपना टट्टर बंद करके घर चला गया था। मंगलवार को दोपहर 1:00 करीब दुकान में शार्ट सर्किट हुआ और आग लग गई।

लोगों दमकल को सूचना दी और बचाव कार्य शुरू कर दिया लेकिन कामयाबी नहीं मिली और दूसरी दुकानों में भी आग लग गई। दमकल टीम की मदद से आग पर काबू पाया गया। दुकानदार सलीम ने बताया दुकान में रखा हुआ सारा सामान और सब्जी बेकार हो गई। जिससे हमारा लाखों का नुकसान हो गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय विकास मेला प्रदर्शनी कल से

ककोर। औद्योगिक नगर दिबियापुर में 5 जून से पंडित दीनदयाल उपाध्याय विकास मेला प्रदर्शनी का शुभारंभ हो रहा है। यह प्रदर्शनी पूरे जून माह चलेगी। जहां शाम को रोजाना 6:00 से 11:00 बजे तक बच्चों के लिए झूला, स्विमिंग पूल, मिकी माउस, टिक्की, बतासे सॉफ्टी आदि मिल सकेगी।

प्रदर्शनी के लगने से नगर वासियों को अपनी जरूरत घरेलू सामान खरीदने में आसानी होगी। यह प्रदर्शन रेलवे स्टेशन के पास विभा तिवारी के ग्राउंड में लगाई जा रही है।

तीनअभियुक्तों को किया जिला बदर

ककोर। न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट औरैया द्वारा गुंडा नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत तीन अभियुक्तो को 6 माह के लिए जिला बाद बदर किया गया है। सभी अभियुक्त की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के आदेश दिए गए हैं यदि यह जिले की सीमा के भीतर पाए जाते हैं तो इन पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

रचित सैनी पुत्र बाबूराम निवासी बूढ़ादाना, रोहित कुमार पुत्र सतनाम भग्गा पुरवा निवासी, विकास कुमार पुत्र इंद्रपाल निवासी भग्गा पुरवा को जिला बदर किया गया है।

बांदा में मतगणना स्थल में कतारबद्ध होकर जाते मतगणना एजेंट। अमृत विचार

बांदा में मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभाले पैरामिलिट्री के जवान। अमृत विचार

कृष्णा पटेल को जीत का प्रमाणपत्र देती जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल।

जिले में अब तक चुने गए सांसद

वर्ष	सदस्य	दल
1957	दिनेश सिंह	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1962	सावित्री निगम	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1967	जागेश्वर यादव	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
1971	रामरतन शर्मा	भारतीय जनसंघ
1977	अंबिका प्रसाद पांडेय	जनता पार्टी
1980	रामनाथ दुबे	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1984	भीष्मदेव दुबे	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1989	रामसजीवन	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
1991	प्रकाश नारायण त्रिपाठी	भारतीय जनता पार्टी
1996	रामसजीवन	बहुजन समाज पार्टी
1998	रमेश चंद्र द्विवेदी	भारतीय जनता पार्टी
1999	रामसजीवन	बहुजन समाज पार्टी
2004	श्यामा चरण गुप्ता	समाजवादी पार्टी
2009	आरके सिंह पटेल	समाजवादी पार्टी
2014	भैरो प्रसाद मिश्र	भारतीय जनता पार्टी
219	आरके सिंह पटेल	भारतीय जनता पार्टी

आखिरकार 35 सालों बाद निर्वाचित हुआ बांदा का सांसद

देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होने के बाद अब तक हुए लोकसभा चुनाव में 14 बार चित्रकूट का प्रतिनिधित्व रहा। जबकि मंडल मुख्यालय से सिर्फ चार सांसद चुने गए। आजादी के बाद 1952 के हुए पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से दिनेश सिंह (कालाकांकर) ने जीत हासिल की। इसके बाद 1962 के चुनाव में कांग्रेस से सावित्री निगम (बांदा) ने जीत का परचम फहराया। 1967 में भाकपा के जागेश्वर यादव सांसद चुने गए। 1971 के चुनाव में जनसंघ से पंडित रामरतन शर्मा (बांदा) सांसद निर्वाचित हुए। जनता पार्टी से अंबिका प्रसाद पांडेय (अतर्रा) 1971 में सांसद निर्वाचित हुए। 1980 और 1984 के हुए लोकसभा चुनाव में रामनाथ दुबे और भीष्मदेव दुबे (बांदा) लगातार सांसद चुने गए। इनके बाद संसद में चित्रकूट जिले का हर बार प्रतिनिधित्व रहा। 35 सालों बाद कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल (बबेरू, बांदा) से सांसद चुनी गईं।

आठवें चक्र से ही भाजपा पर भारी पड़ने लगी थी सपा

बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्रः कछुवा चाल से चलकर समाजवादी पार्टी प्रत्याशी कृष्णा देवी पटेल ने भाजपा से छीनी सीट

कार्यालय संवाददाता, बांदा

406567 वोट सपा प्रत्याशी कृष्णा देवी पटेल को मिले | **335357** वोट भाजपा प्रत्याशी आरके पटेल को मिले

बांदा में मतगणना पंडाल में मतों की गणना में जुटे कार्मिक। अमृत विचार

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की मतगणना खासी गहमागहमी भरी रही। पोस्टल बैलेट में हार का सामना करने के बाद सत्ताधारी भाजपा ने पहले चक्र से लेकर सातवें चक्र तक खासी बढ़त बनाई, लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। आठवें चक्र के साथ ही सपा गठबंधन की उम्मीदवार ने कछुवा चाल से बढ़त बनाना शुरू किया तो जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही रुकीं।

मंगलवार को मंडी समिति में हुई मतगणना के दौरान जब चक्रवार रुझान आने शुरू हुए तो वहां कभी खुशी कभी गम का माहौल देखने को मिला। पहले चक्र में भाजपा के आरके पटेल को 16168, सपा की कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल को 13843 और बसपा के मयंक द्विवेदी को 6787 मत मिले। वहीं दूसरे चक्र की मतगणना पूरी होने के बाद भाजपा को 13906, सपा को 13174 और बसपा को 8575, तीसरे चक्र में भाजपा को 13170, सपा को 14613 और बसपा को 9234, चौथे चक्र में भाजपा को 11848, सपा को 13638 व बसपा को 9430, पांचवें चक्र में भाजपा को 16186, सपा को 12501 और बसपा को 7802, छठवें चक्र में भाजपा को 14773, सपा को 13856 और बसपा को 7103, सातवें चक्र में भाजपा को 12933, सपा को 14666 और बसपा को 7293, आठवें चक्र में भाजपा को 14650, सपा को 16042 और बसपा को 7233, नौवें चक्र में भाजपा को 12800, सपा को 16937 और बसपा को 6597 और दसवें चक्र में भाजपा को 15341, सपा को 15535 और बसपा को 7460 वोट मिले। दसवें चक्र तक सपा की कृष्णा ने बढ़त का सिलसिला बना लिया था। वहीं 11वें चक्र में भाजपा को 14114, सपा को 16115 और बसपा को 8315, 12वें चक्र में भाजपा को 12613, सपा को 14223 और बसपा को 9387, 13वें चक्र में भाजपा को 12303, सपा को 14500 और बसपा को 8942, 14वें चक्र में भाजपा को 11178, सपा को 14988 और बसपा को 9181, 15वें चक्र में भाजपा को 11796, सपा को 13957 और बसपा को 10352, 16वें चक्र में भाजपा को 11743, सपा को 14367 और बसपा को 10979, 17वें चक्र में भाजपा को 9427, सपा को 16970 और बसपा को 11644, 18वें चक्र में भाजपा को 9746, सपा को 15868 और बसपा को 10558, 19वें चक्र में भाजपा को 10253, सपा को 15132 और बसपा को 14165, 20वें चक्र में भाजपा को 9974, सपा को 18745 और बसपा को 10047, 21वें चक्र में भाजपा को 11011, सपा को 14931 और बसपा को 10040, 22वें चक्र में भाजपा को 10108, सपा को 16230 और बसपा को 11555, 23वें चक्र में भाजपा को 10162, सपा को 15777 और बसपा को 6818, 24वें चक्र में भाजपा को 8068, सपा को 13430 और बसपा को 8020, 25वें चक्र में भाजपा को 7923, सपा को 11290 और बसपा को 7470, 26वें चक्र में भाजपा को 6010, सपा को 10649 और बसपा को 5106, 27वें चक्र में भाजपा को 6359, सपा को 6961 और बसपा को 4005, 28वें चक्र में भाजपा को 7512, सपा को 4841 और बसपा को 3759, 29वें चक्र में भाजपा को 4870, सपा को 4473 और बसपा को 3317, 30वें चक्र में भाजपा को 3273, सपा को 3737 और बसपा को 1644, 31वें चक्र में भाजपा को 2893, सपा को 2443 और बसपा को 1538, 32वें चक्र में भाजपा को 1262, सपा को 1029 और बसपा को 675 वोट मिले। कुल मिलाकर भाजपा और सपा गठबंधन के बीच खासी रस्साकसी देखने को मिली और अंत में जीत सपा के हिस्से में आई।

समर्थकों से घिरी बांदा की नई सांसद। अमृत विचार

62 साल के बाद दूसरी बार चुनी गई महिला सांसद

पवन तिवारी,बांदा

- 1962 में कांग्रेस से सांसद चुनीं गई थीं बांदा की सावित्री निगम

अमृत विचार। महिलाओं की भागेदारी को लेकर सामाजिक, राजनीतिक जगत में खूब चर्चा होती है, लेकिन हकीकत कोसों दूर है। इस मिथक को तोड़ते हुए देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होने के बाद बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र में 62 सालों के बाद दूसरी बार महिला सांसद चुनी गई। इसके पहले 1962 में सावित्री निगम कांग्रेस से पहली बार सांसद चुनीं गईं थीं।

आजादी के बाद हुए लोकसभा चुनाव में संसदीय क्षेत्र में बहुत कम महिलाएं संसद चुनीं गई हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अब तक देश में हुए लोकसभा चुनाव में ज्यादातर राजनीतिक दलों ने महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। नतीजे में महिलाओं का प्रतिनिधित्व न के बराबर रहा। भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा समेत अन्य दल लोकसभा से लेकर विधान सभा तक महिला आरक्षण की वकालत तो करते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है। 18वीं लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी कृष्णा देवी पटेल ने पुरुषवादी सोच का मिथक तोड़ते हुए बांदा-चित्रकूट संसदीय क्षेत्र में 62 सालों बाद दूसरी बार महिला सांसद बनकर जीत का परचम पहराया। इसके पूर्व वर्ष 1962 में कांग्रेस से सावित्री निगम सांसद चुनीं गईं थीं। अबकी लोकसभा चुनाव में आधी आबादी ने अपनी ताकत का एहसास कराते हुए महिला आरक्षण की पैरवी का नई दिशा देने का काम किया है।

दुकान में टीवी पर चिपके शहर के लोग। अमृत विचार

परिणाम जानने को टीवी से चिपके रहे लोग

बांदा। लोकसभा चुनाव परिणाम जानने के लिए दिनभर लोग बेताब रहे। लोग टीवी, रेडियो, इंटरनेट व मोबाइल का सहारा लेते रहे। इस दौरान सभी लोगों ने अपना काम छोड़कर चुनाव के नतीजों में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। मंगलवार को पूरे समय लोग सिर्फ इसी बात को जानने में लगे रहे कि लोकसभा चुनाव का परिणाम क्या आएगा और कौन जीतेगा। इसके लिए चाय-पान के दुकानदारों ने बिजली न होने पर इनवर्टर की भी व्यवस्था कर रखी थी जिससे लोगों को चुनाव का रिजल्ट जानने में सहूलियत हुई। वहीं दुकानदारों की भी अच्छी-खासी आमदनी भी हो गई। दिनभर लोगों में कई बार अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की जीत हार को लेकर तीखी बहस भी होती रही। लोकसभा चुनाव का परिणाम जानने के लिए सारा काम छोड़कर टीवी से चिपके रहे।

मानिकपुर में बसपा ने दिखाया दम

चित्रकूट। मानिकपुर में कई राउंड में बसपा प्रत्याशी ने अपना दमखम दिखाया। पहले राउंड में आरके सिंह पटेल को 2805 मत मिले। कृष्णा पटेल को 1666 और मयंक द्विवेदी को 1939 वोट मिले। दूसरे राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 1749 मत मिले, सपा प्रत्याशी को 2072 वोट और बसपा प्रत्याशी को 2675 वोट मिले। तीसरे राउंड में से भाजपा को 1752, सपा को 1785 और बसपा को 2592 वोट मिले। चौथे राउंड की मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी 1853 मत और पाने के बाद कुल 8159 वोट प्राप्त कर चुके थे। सपा प्रत्याशी के मतों की संख्या 7014 तक पहुंच चुकी थी। वहीं बसपा प्रत्याशी के वोट 1822 और मतों के साथ 9028 तक पहुंच चुकी थी। मानिकपुर में मतगणना के पांचवे दौर में भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल 2668 वोट के साथ 10827 मत पा चुके थे। सपा प्रत्याशी कृष्णा पटेल को इस दौर में 1668 मत मिले और उनके वोट 8682 तक पहुंच गए। इस राउंड में मयंक को 2128 वोट मिले और कुल मत 11156 हो गए। मतलब यह कि इस राउंड तक मानिकपुर में बसपा प्रत्याशी को सबसे ज्यादा वोट मिल गए थे। छठवे राउंड में कृष्णा को 2165, मयंक को 2207 और आरके को 2505 वोट मिले। सातवें राउंड में कृष्णा को 1395, मयंक को 1895 और आरके को 2741 वोट मिले। आठवें राउंड में कृष्णा 1726, मयंक 1569 और आरके 3176 वोट पाए। नवें राउंड में मानिकपुर में कृष्णा को 2145, मयंक को 2056 और आरके को 2652 वोट मिले। दसवां राउंड में सपा प्रत्याशी को 1338, बसपा को 1909 और भाजपा को 2297 मत मिले। 11वें राउंड में बसपा को 2359, सपा को 1632, भाजपा को 2388 मत प्राप्त हुए। 12वें राउंड में बसपा 2492, सपा 1528 और भाजपा 2198 मत पाए। 13वें राउंड में बसपा 1744, 1971 और आरके को 2505 मत प्राप्त हुए। 14वें राउंड में बसपा 2167, सपा 2150, भाजपा 2070 मत पाई। 15वें राउंड में कृष्णा को 2398. मयंक को 2173 और आरके को 1998 वोट मिले। 16वें राउंड में सपा को 1969, मयंक को 2277 और आरके को 1970 वोट मिले। 17वें राउंड में सपा को 2208, बसपा 2762 और आरके को 2344 मत प्राप्त हुए। 18वें राउंड में सपा को 2861, बसपा को 2349 और आरके को 1507 वोट मिले। इस राउंड में सपा को सबसे ज्यादा वोट मिले। 19वें राउंड में कृष्णा को 2070, मयंक को 3445, आरके को 2015 वोट मिले। इसी प्रकार बीसवें राउंड में भी बसपा प्रत्याशी ने अपना दमखम दिखाया। उसे 2937 मत प्राप्त हुए। सपा को 2573 और भाजपा को 1373 वोट मिले। मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम की गणना में 30 राउंड में सपा प्रत्याशी कृष्णा देवी को 62480 वोट मिले। बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी को 62397 मत और भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल को 62135 मत मिले।

चित्रकूट में बंद रहीं दुकानें, चुनाव पर चर्चा करते रहे लोग। अमृत विचार

चित्रकूट में मतगणना स्थल के पास रही कड़ी सुरक्षा। अमृत विचार

चित्रकूट में मतगणना करते चुनावकार्मिक। अमृत विचार

अपना किला ही नहीं बचा पाए भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- चित्रकूट में सपा प्रत्याशी ने बनाई निर्णायक बढ़त

अमृत विचार। चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रत्याशी आरके सिंह पटेल ने शुरुआत के कुछ राउंड तक तो बढ़त बनाई। इसके बाद सपा के प्रत्याशी कृष्णा देवी पटेल के वोट बढ़ने शुरू हुए तो फिर यह अंतर आरके पाट नहीं सके। कहा जा सकता है कि अपने गृह क्षेत्र का ही किला बचाने में भाजपा सांसद नाकाम रहे। उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि इस विस क्षेत्र में बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी भी आगे रहे।

चित्रकूट में पहले राउंड में भाजपा प्रत्याशी और सांसद आरके सिंह पटेल को 2859, सपा प्रत्याशी कृष्णा देवी शिवशंकर सिंह पटेल को 2038 और बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी को 1709 वोट मिले। दूसरे राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 2720 मत मिले।

सपा प्रत्याशी को 2190 और बसपा प्रत्याशी को 1619 वोट मिले। तीसरे राउंड में आरके को 2080, कृष्णा को 2473 और मयंक को 2699 वोट प्राप्त हुए। इसी राउंड से सपा प्रत्याशी ने बढ़त बनानी शुरू कर दी। चौथे राउंड में कृष्णा को 2637, मयंक को 2216 और आरके को 2096 मत प्राप्त हुए। पांचवे राउंड में आरके ने हालांकि बढ़त बनाने की कोशिश की। उनको 2606 वोट मिले। कृष्णा पटेल को 2134 और मयंक द्विवेदी को 1916 वोट मिले। छठवें राउंड में भी आरके आगे रहे। बसपा को 1697, मयंक को 1759 और आरके को 2687 वोट मिले। सातवें राउंड में मयंक को सबसे ज्यादा मत प्राप्त हुए। कृष्णा को 1812, मयंक को 2724 और आरके को 1861 वोट मिले। आठवें राउंड में भी कृष्णा पटेल 3036 मत लेकर इस राउंड में अव्वल रहीं। मयंक को 2783 और आरके को 1609 वोट प्राप्त हुए। नवें राउंड में फिर कृष्णा आगे हुईं और 3236 मत प्राप्त हुए। मयंक को 1787 और आरके को 1555 वोट मिले। दसवें राउंड में बसपा प्रत्याशी ने सबसे ज्यादा वोट हासिल किए। बसपा को 3755, सपा 1737 और भाजपा ने 1866 मत पाए। 11वें बसपा को 2244, सपा को 2922 और भाजपा प्रत्याशी को 1601 मत मिले। 12वें बसपा को 2362, सपा को 3454, भाजपा को 1051 वोट प्राप्त हुए।

13वें बसपा 2489, सपा को 2421 और भाजपा को 1435 मत मिले। 14वें राउंड में बसपा को 2952, सपा को 2406, भाजपा को 1549 मत मिले। राउंड दर राउंड पिछड़ती भाजपा प्रत्याशी को अपना गढ़ बचाना ही मुश्किल हो गया। 15 वें राउंड में भाजपा प्रत्याशी को 1592 मत मिले। बसपा प्रत्याशी को 3038 और सपा प्रत्याशी को 3508 वोट प्राप्त हुए। 16वें राउंड में कृष्णा को 1993, मयंक को 2654 और आरके को 1885 वोट मिले। 17 वें राउंड में कृष्णा को 3860, मयंक को 1791 और आरके 1330 मत मिले। 18वें राउंड में सपा को 3800, बसपा 1429 और भाजपा को 1396 वोट मिले। 19वें राउंड में सपा ने 4126 लेकर अन्य प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ा। बसपा को 2326 और भाजपा प्रत्याशी को 1693 वोट मिले। चित्रकूट विधानसभा में बीसवें राउंड की गणना में सपा को 3654, बसपा को 1487 और भाजपा को 1728 वोट मिले। इस राउंड तक सपा को कुल 59996 मत मिल चुके थे। भाजपा प्रत्याशी आरके को 37201 मतों के साथ काफी पीछे हो गए थे। जबकि बसपा को 44883 मतों के साथ दूसरे नंबर पर आ गई थी। 32 राउंड की मतगणना में सपा प्रत्याशी कृष्णा पटेल को 91006 वोट मिले। बसपा प्रत्याशी मयंक द्विवेदी को 64276 मत और भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल को 63933 वोट मिले। इस प्रकार कर्वी विधानसभा क्षेत्र में आरके सिंह पटेल ईवीएम की गणना में तीसरे नंबर पर रहे। 36वें राउंड की मतगणना में कृष्णा देवी को 91569 मत प्राप्त हुए।

मंथन

अपने समर्थकों की बातों में आए बिना ब्राह्मणों की नाराजगी को दूर कर लेते तो शायद यह स्थिति न होती

विरोध की लहर भांप लेते आरके तो न होता यह हाल

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल का हारना कई बातों का संकेत है। सबसे बड़ा संकेत तो यह कि कभी भी किसी लहर को भांपने में गलती न करो। अगर समय रहते आरके ब्राह्मणों की नाराजगी भांप लेते और अपने समर्थकों की बातों में आए बिना इसे दूर करने की कोशिश कर लेते तो शायद आज यह स्थिति न होती।

आरके को जिस उम्मीद के साथ पार्टी ने प्रत्याशी बनाया था, उसमें वह खरे नहीं उतरे। उनकी प्रत्याशिता घोषित होते ही उनको जहां पार्टी के अंदर ही कई उन नेताओं के विरोध का सामना करना पड़ा, जो टिकट के प्रबल दावेदार थे वहीं पार्टी के कद्दावर नेता पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्र का मुखर होकर विरोध में खड़ा होना और ब्राह्मण समुदाय के लोगों का साथ देना घातक साबित हुआ। आरके से गलती यह हुई कि उन्होंने इस विरोध को कमतर आंका। उनके समर्थकों और राय देने वाले लोगों का इस विरोध को लेकर उल्टी बयानबाजी करना भी उल्टा पड़ गया। ब्राह्मण समुदाय के युवाओं ने तो बाकायदा सोशल मीडिया पर जैसे एक अभियान सा छेड़ दिया था। इसके साथ ही आरके के बेटों की पुरानी बातों को जनचर्चा में ले आना भी ऐसी वजह रही, जो जीत में रोड़ा बन गई। आरके राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं और ऐसा नहीं है कि उन्होंने अपने विरोध की हवा को बिल्कुल भांपा नहीं। उनका यह बयान काफी चर्चा में भी रहा कि मेरी गलती की सजा मोदी और योगी को न देना। राजनीति विज्ञान को जानने वाले कहते हैं कि राजनीति में माफी मांगना कई बार नुकसानदायक साबित होता है। आरके के इस चर्चित बयान के बाद उनके धुर विरोधियों ने यह कहना शुरू कर दिया था कि जब गलती की है तो फिर टिकट क्यों लिया। जिले की राजनीति पटेल और ब्राह्मण समुदाय के इर्द गिर्द घूमती है।

आरके की हार के पीछे यह भी एक बात कही जा रही है कि उनको कुर्मी समुदाय ने भी सपोर्ट नहीं किया। उनके कुछ बयान भी उनके आड़े आए। दूसरा पटेल समुदाय की प्रत्याशी कृष्णा पटेल पर इस वर्ग ने ज्यादा विश्वास जता दिया। मानिकपुर विधायक और फिर बांदा-चित्रकूट सांसद रहे आरके के सामने अब अपना राजनीतिक करियर बचाने की चुनौती रहेगी।

आरके सिंह पटेल।

- राजनीति के कई संकेत देती है भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी की हार

जीत के बाद खुशी का इजहार करते सपाई व कांग्रेसी। अमृत विचार

जीत का ऐलान होते ही सपाइयों ने तोड़ा सुरक्षा घेरा

बांदा। जीत का ऐलान होते ही सपाइयों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और जोश से लबरेज सपाई मतगणना स्थल पर धावा बोल दिया। सैकड़ों सपाइयों का हुजूम सुरक्षा घेरे को तोड़ कर नारेबाजी करते हुए मंडी समिति में घुसने की कोशिश करने लगा। हालांकि पुलिस बल और पैरा मिलिट्री के जवानों ने हल्का बल प्रयोग करके सपाइयों को खदेड़ दिया और शांति व्यवस्था बनाए रखी। जीत का प्रमाण पत्र लेने के बाद सपा की उम्मीदवार कृष्णा देवी ने जनता जनार्दन का आभार व्यक्त किया। कहा कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। इंडिया गठबंधन की सरकार किसानों, मजदूरों और नौजवानों के साथ आम जनता के हितों का ख्याल रखते हुए उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जाएंगी। कहा कि उनके चुनाव में उनसे कहीं अधिक मेहनत जनता जनार्दन ने की है।

'नोटा' चौथे पायदान पर रहा काबिज

लोकसभा चुनाव के परिणामों में भले ही सपा गठबंधन को जीत का सेहरा बांधने का मौका मिला है, लेकिन यहां नोटा की बटन दबाने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। सरकार के कामकाज और मनपसंद उम्मीदवार न होने के चलते तमाम लोगों ने ईवीएम पर नोटा की बटन दबाकर अपना गुस्सा जाहिर किया। तीन प्रमुख दलों के बाद चौथे नंबर पर नोटा रहा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे आज के बाद सुमित्रा देवी पुत्री स्व0 श्यामलाल साहू निवासी तेरा (ब) पोस्ट पथरा तहसील अतर्रा जिला बांदा के स्थान पर सुमन देवी पुत्री स्व0 श्यामलाल पत्नी पूरन लाल निवासी सिकंदरापुरा, राठ हमीरपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में जाना व पहचाना जाए। सुमन देवी पुत्री स्व0 श्यामलाल पत्नी पूरन लाल निवासी सिकंदरापुरा राठ, हमीरपुर (उत्तर प्रदेश)

एक नजर

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी, 13 से होगी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद की ओर से पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रवेश परीक्षा से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा मंगलवार को परिषद की ओर से की गई। प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन होनी है, ऐसे में हर जिले में परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए हर जिले में केंद्र बनाये गये हैं। प्रवेश परीक्षा की शुरूआत 13 जून से होगी जो कि 20 जून तक चलेगी। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों को दिक्कत न हो इसको ध्यान में रखते हुए सभी नोडल अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए गये हैं। परिषद के प्रभारी सचिव एसके श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा की तिथियों को पोर्टल पर भी अपलोड कर दिया गया है। परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान रखें।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 12 घंटे तक बंद रहा विमानों का संचालन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मरम्मत कार्य में लगी क्रेन के खराब होने से आई दिक्कत
- फ्लाइट डायवर्ट होने से 20 हजार यात्रियों को हुई कठिनाई

अमृत विचारः रनवे पर क्रेन खराब होने से मंगलवार को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 12 घंटे तक विमानों का संचालन ठप रहा। इस दौरान 84 उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। इसमें 45 उड़ानें टेकऑफ नहीं कर पाईं जबकि 39 फ्लाइटें लैंड नहीं कर सकीं। इसके अलावा 40 से अधिक उड़ानें लेट हुई। वहीं एक दर्जन विमानों को अलग-अलग एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। इससे परेशान तमाम यात्रियों ने हंगामा करते हुए टिकट कैंसिल कराया।

एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक टर्मिनल-3 पर मरम्मत का काम चल रहा था। इसकी वजह से सुबह 6:25 बजे लखनऊ से कोलकाता जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या (6 ई-505) 40 मिनट देरी से 7:07 बजे उड़ान भर सकी। इस फ्लाइट के निकलते ही एक क्रेन रनवे खराब हो गई। सूचना पर एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) ने अलर्ट जारी कर सभी विमानों के उड़ान भरने और उतरने पर रोक लगा दी। इसी बीच दिल्ली से यात्रियों को लेकर आई फ्लाइट काफी देर तक हवा में मंडराती रही, लेकिन उतरने की अनुमति नहीं दी गई। विमान यात्रियों को लेकर वापस दिल्ली चली गई। इसपर यात्रियों को लेकर आए उनके रिश्तेदार, परिजन और इस फ्लाई से दिल्ली जाने वाले यात्री भी हंगामा करने लगे। अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहे बाकी यात्रियों को जैसे-जैसे पता चला कि उनकी फ्लाइट भी कैंसल हो गई है तो बवाल और बढ़ता गया। यात्रियों ने अपने टिकट कैंसल करवाए। करीब 12 घंटे बाद क्रेन की ठीक करवाकर रनवे से हटाया गया तब संचालन शुरू हुआ।

एयरपोर्ट परिसर में अपनी फ्लाइट की प्रतीक्षा करते यात्री। अमृत विचार

नहीं मिली जानकारी

एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे यात्रियों ने बताया कि उड़ानों का आवागमन रुकने की जानकारी उन्हें पहले नहीं दी गई। इसकी वजह से वे निर्धारित समय से एयरपोर्ट पहुंच गए। यहां भी डिस्प्ले पर कोई सूचना नहीं दिखाई दे रही थी। केवल तारीख प्रदर्शित हो रहा था। इस वजह से उन्हें घंटों परेशान होना पड़ा।

इन उड़ानों को किया गया परिवर्तित

- पुणे से लखनऊ आ रहे इंडिगो के विमान को वाराणसी उतारा गया।
- मस्कट से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया।
- सऊदी, दुबई से आने वाले विमान को दिल्ली डायवर्ट किया गया।
- इंडियन एक्सप्रेस एयरलाइंस के दम्माम से लखनऊ आने वाले विमान को दिल्ली भेजा गया।
- एयर इंडिया एक्सप्रेस के दिल्ली से लखनऊ आ आए विमान को दिल्ली वापस भेजा गया।
- जयपुर और कोलकाता से लखनऊ आने वाले विमान को वाराणसी उतारा गया।

राजनाथ को मिले 2112 मतपत्र

अमृत विचार, लखनऊ : डाक से मिलने वाले मतपत्रों में सबसे अधिक भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को मिले। उन्हें 2112 मत मिले। दूसरे नंबर पर रहे इंडी गठबंधन समर्थित सपा प्रत्याशी रविदास महरोत्रा को 1247 मत मिले। तीसरे नंबर पर बहुजन समाजवादी पार्टी के मोहम्मद सरवर मलिक रहे। उन्हें 210 मत मिले। इसके अलावा अन्य प्रत्याशियों को भी मत मिले लेकिन वह दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच सके।

जिलानिर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 4467 कुल डाक मतपत्र थे जिसमें से 3599 मान्य थे, तो वहीं नोटा के 34 मतपत्र भी मिले हैं।

सपा और कांग्रेस कार्यालय में रहा जश्न का माहौल

प्रदेश में इंडी गठबंधन को बढ़त मिलती देख खुश हुए कार्यकर्ता, नेताओं ने कहा कि जनता ने भाजपा को दिखाया आईना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः मंगलवार सुबह से ही पार्टी कार्यालयों में कार्यकर्ता टेलीविजन से चिपके रहे। मतगणना का रूझान लोगों के चेहरे पर साफ नजर आ रहा था। बढ़त होने पर कार्यकर्ता खुशी जाहिर करते और पिछड़ने पर चेहरे पर उदासी नजर आने लगती थी। दोपहर होते ही जब प्रदेश में इंडी गठबंधन को बढ़त मिलती दिखी तो कांग्रेस और सपा कार्यालय में जीत का जश्न मनाया जाने लगा।

आतिशबाजी और मिठाई खिलाकर बधाई दीः सपा कार्यालय के बाहर कार्यकर्ता जोश और उत्साह के बीच पटाखे जलाते नजर आए। कार्यकर्ता एक-दूसरे को बधाई देते रहे। कार्यकर्ता खुशी से झूम रहे थे। कार्यकर्ताओं ने कार्यालय के बाहर उपस्थित लोगों के बीच मिठाई बांटी। सपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत हम सबके अथक प्रयासों का परिणाम हैं। हमारे नेता अखिलेश यादव ने कहा था कि ज्यादा दूर की न सोचो, बल्कि संगठित होकर पार्टी की जीत के लिए प्रयास करो। इतने वर्षों के बाद गठबंधन की सरकार ने प्रदेश में 40 से अधिक सीट जीती है। यह हम सभी के लिए बड़ी बात है।

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर जीत के नारे लगाते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

- बढ़त पर चेहरे पर आ जाती थी चमक तो पिछड़ने पर छा जाती थी उदासी

कांग्रेस कार्यालय में भी जीत का माहौल था। यहां पर सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी करके जीत का जश्न मनाया। कार्यालय के बाहर ढोल नगाड़े बजाए गए, जिस पर कार्यकर्ता नाचते दिखे। दोपहर बाद से ही कांग्रेस मुख्यालय पर कार्यकर्ताओं और नेताओं के आने का दौर जारी रहा। प्रदेश प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में गठबंधन आगे बढ़ रहा है। भारत जोड़ो यात्रा और भारत न्याय यात्रा के दौरान लोगों का अभूतपूर्व प्रेम पार्टी को मिला।

कांग्रेस प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा कि जनता ने अपने मुद्दों पर वोट किया। भाजपा और मोदी की नफरती बांटने वाली राजनीति को नकार दिया। कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के चेयरमैन नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि इस बार जनता इंडी गठबंधन के साथ नजर आई।

सपा प्रदेश कार्यालय पर एक दूसरे को गुलाल लगाते कार्यकर्ता। अमृत विचार

हारने का गम नहीं: मुकेश

अमृत विचार : पूर्वी विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश सिंह चौहान भाजपा के ओपी श्रीवास्तव से चुनाव हार गए। ओपी श्रीवास्तव को 107129 वोट मिले जबकि मुकेश को 70506 वोट मिले। तीसरे नंबर पर बसपा के आलोक कुशवाहा रहे, जिन्हें 6559 वोट मिले। मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी ने जो मुझे दायित्व दिया मैने उसका निर्वाहन किया। जीत हार सिक्के के दो पहलू है। टक्कर आसान नही थी। जनता ने जो मुझे प्यार दिया उसका तहेदिल से धन्यवाद करता हूं। हारने का गम नही है।

एक से छह सीटों पर पहुंची कांग्रेस

वरिष्ठ संवाददाता, लखनऊ

- संविधान बचाने के मुद्दे ने निभाई अहम भूमिका
- 2019 के चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन था निराशाजनक

अमृत विचारः लोकसभा 2024 के 'चुनावी जंग' में इंडी गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने भाजपा को न केवल कड़ी टक्कर दी, बल्कि आधा दर्जन सीटें छीनने में सफल रही। अमेठी व रायबरेली में नेहरू-गांधी परिवार की विरासत छीनने की भाजपा की रणनीति धरी की धरी रह गई। शानदार सफलता को लेकर पार्टी स्तर पर विश्लेषण तो बाद में होगा, पर पार्टी सूत्रों का कहना है कि चुनाव में पार्टी नेता राहुल गांधी का 'जादू' खूब चला। देश का संविधान बचाने के मुद्दे ने पार्टी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

2019 के चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक था। कांग्रेस केवल रायबरेली सीट बचाने में सफल रही थी। पार्टी की निवर्तमान अध्यक्ष सोनिया गांधी इस सीट पर जीती थीं। इस बार कांग्रेस अपनी चुनावी रणनीति से कामयाब हुई। इंडी गठबंधन के तहत पार्टी के खाते में 17 सीटें आई थीं, जिसमें पार्टी छह सीटों अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, सहारनपुर इलाहाबाद व सीतापुर को जीतने में सफल रही।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्टी नेता राहुल गांधी के संविधान बचाने के मुद्दे को पार्टी कार्यकर्ता सोशल मीडिया व अन्य माध्यम से लोगों तक पहुंचाने में सफल रहे। भाजपा सरकार के प्रति आम जनता की नाराजगी भी जीत का कारण बनी। इसके अलावा बसपा की गलत रणनीति भी पार्टी के जीत का कारण बन गई। बसपा प्रमुख मायावती के चुनाव के दौरान भतीजे आकाश आनंद को चुनाव प्रचार से हटाने का असर हुआ। बसपा से जुड़े अनुसूचित वर्ग का वोट बैंक कांग्रेस की ओर खिसक गया। वैसे पार्टी पहले से ही अनुसूचित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक वर्ग को केंद्र में रखकर काम कर रही थी। सपा से गठबंधन के कारण इन वर्गों का भरपूर वोट पार्टी को मिला।

रायबरेली व अमेठी की जीत में प्रियंका की रही अहम भूमिका

रायबरेली व अमेठी सीट की जीत में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की अहम भूमिका रही। विरासत बचाने की प्रतिष्ठा से जुड़ी इन सीटों पर जीत के लिए प्रियंका गांधी ने विशेष टीम लगा रखी थी। यह टीम प्रियंका गांधी के निर्देश पर फोन, सोशल मीडिया व अन्य माध्यम के जरिये मतदाताओं के सीधे संपर्क में थी। हालांकि, इन सीटों पर जीत के लिए पूरा गांधी परिवार कई दिनों तक डेरा डाले हुए था। अमेठी से किशोरी लाल शर्मा व रायबरेली से राहुल को जिताने के लिए सोनिया गांधी ने क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से भावुक अपील की थी।

तीसरी बार हारीं मेनका गांधी

मनोज कुमार मिश्र, सुल्तानपुर

- पहले चुनाव में अमेठी से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी से खाई थी शिकस्त
- 1991 के संसदीय चुनाव में भी हार का करना पड़ा सामना

अमृत विचारः आखिरकार पर्यावरण प्रेमी व कद्दावर नेता मेनका संजय गांधी का विजय रथ एक बार फिर रुक गया। राजनीतिक जीवन में यह उनकी तीसरी शिकस्त है। पहली बार उन्हें अपने ज्येष्ठ स्व. राजीव गांधी से शिकस्त का मुंह देखना पड़ा था, जबकि तीसरी बार वे मंगलवार को सपा के राम भुआल निषाद से चुनाव हार गईं। अब तक 11 चुनाव लड़ चुकीं मेनका गांधी कुल आठ बार सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं। सात बार से वे लगातार सांसद हैं।

मेनका गांधी देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इन्दिरा गांधी की बहू और संजय गांधी की पत्नी है। एक आकस्मिक दुर्घटना में संजय गांधी के देहान्त के बाद वे सन 1982 में राजनीति में आयीं। उन्होंने अपना पहला चुनाव अमेठी संसदीय सीट से अपने ज्येष्ठ राजीव गांधी के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी (संजय विचार मंच) के रूप में लड़ा और करारी हार का सामना करना पड़ा। 1988 में उन्होंने वीपी सिंह का जनता दल ज्वाइन किया और इसकी महासचिव बनीं। 1989 में मेनका ने पहली बार पीलीभीत से चुनाव जीता और पर्यावरण राज्यमंत्री बनीं। लेकिन उन्हें 1991 के संसदीय चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 1996 में फिर पीलीभीत संसदीय सीट से जनता दल के प्रत्याशी के रूप कामयाब हुई। 1998, 1999, में भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पीलीभीत संसदीय सीट से कामयाब होकर संसद पहुंचने में सफल रही। 1998-99 में वह राज्यमंत्री (सोशल जस्टिस और इमपावरमेंट-स्वतंत्र प्रभार) रहीं। 2004 में वे भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गयीं और 2004 में पीलीभीत से तो 2009 में आंवला से, 2014 में फिर पीलीभीत से तो 2019 में सुलतानपुर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में संसद पहुंचने में कामयाब हुई। 2019 में बेटे वरुण की सीट से यहां चुनाव लड़ने आई तो उनको सपा-बसपा के गठबंधन उम्मीदवार चंद्रभद्र सिंह सोनू ने कड़ी टक्कर दी। बसपा उम्मीदवार सोनू को 4,44,670 मत प्राप्त हुए तो मेनका गांधी 4,59,196 वोट पाकर विजय प्राप्त की थी।

अपने करिश्माई कामों की वजह से जनता के दिलों पर राज करने वाली मेनका संजय गांधी मंगलवार को आए नतीजों में हार गई। उन्हें गठबंधन से सपा उम्मीदवार राम भुआल निषाद ने शिकस्त दी। इस चुनाव में राम भुआल को 4,44,330 मत प्राप्त हुए, जबकि रनर रही मेनका गांधी को 4,01,156 मतों से संतोष करना पड़ा। इस हिसाब से राम भुआल ने 43,174 मतों से चुनाव जीत लिया।

हार के निकाले जा रहे कारण

मेनका गांधी के हार के कई कारण बताए जा रहे हैं। हाईप्रोफाइल वाली नेता मेनका गांधी को पार्टी के कुछ नेताओं की नाराजगी का अंदरखाने दगा पाने की कीमत चुकानी पड़ी है। डा. घनश्याम तिवारी हत्याकांड में उनकी तरफ से की गई लेटलतीफी भी एक हद तक ब्राह्मण वोटों के बिखराव का कारण बना है। बेस वोट बैंक निषाद-कुर्मी व अदर बैकवर्ड को जातीय ध्रुवीकरण में न साध पाना भी हार का मुख्य कारण है।

अमेठी सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा की जीत पर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा काफी उत्साहित नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पार्टी प्रत्याशी के साथ पूर्व में खिंचाई कई फोटो साझा करते हुए कहा कि उन्हें कभी कोई शक नहीं था, शुरू से यकीन था कि किशोरी भइया जीतेंगे। उन्होंने प्रत्याशी व अमेठी के लोगों को हार्दिक बधाई दी।

मीडिया सेंटर में रही अव्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : मतगणना स्थल पर बनाए गए मीडिया सेंटर में काफी अव्यवस्थाएं रहीं। कई बार मीडिया कर्मचारियों ने चक्रवार वोटों की गिनती का विवरण पूछा तो जिम्मेदार जवाब देने से बचते रहे और समय से विवरण उपलब्ध नहीं करा पाए। इसके अलावा गर्मी से राहत के इंतजाम भी नाकाफी रहे।पहले एक एलईडी खराब हुई। इस पर मीडिया के लोगों ने हंगामा किया। थोड़ी देर बाद ही साइड में रखा पंखा भी खराब हो गया। सुबह के समय तो मीडिया सेंटर में भीड़ कम थी। 11 बजे तक मीडिया सेंटर में लगी कुर्सियां कम पड़ गईं। खचाखच भरे मीडिया सेंटर में लोग चबूतरे पर बैठे नजर आए। इतना ही नहीं कूलर के सामने पुलिस कर्मियों ने डेरा जमा लिया। इसके अलावा पास गंदगी भी थी।

वर्ग पहेली-91

बाएं से दाएं

1. 1. जो दिखाई न दिया हो 2. जो देखा न गया हो।
3. 1. पिशाच का, पिशाच संबंधी 2. क्रूरतापूर्ण, घोर।
5. जनता के सामने, खुले बाज़ार में, लोगों के सामने।
6. 1. पानी में रहने वाला 2. जिसमें पानी मिला हो।
7. 1. प्रकट करने वाला 2. जताने वाला 3. भेद खोलने वाला 4. समझाने-बुझाने वाला, कहने या सुनने वाला 5. डाँटने-डपटने वाला।

ऊपर से नीचे

1. अधिकमास।
2. रात्रि में विचरण करने वाला, रात में निकलने वाला।
4. 1. जिसका भरोसा न किया जा सके, बात का कच्चा 2. निष्ठाहीन, विचलनशील 3. कच्ची तली या पेंदी का 4. ओछा, ढुलमुल।

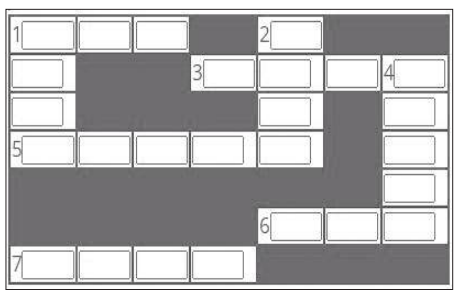

वर्ग पहेली -90 का हल

		1 उ	2 प	गि	रि	
	3 खि		र			4 सों
5 ज़	रा	सी	म			टा
	जी		6 पु	लि	या	
	भू		रु			7 टे
	मि		ष			नि
				8 पा	र	स

सुडोकू-4

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		4					
4			8		2			
9		6	5			8	3	4
3		8			6			1
	9						2	
1		2				7		5
7	4	1			8	9		3
			1		5			8
					3		6	

सुडोकू -3 का हल

9	4	1	8	6	5	2	7	3
7	3	5	4	1	2	6	8	9
6	8	2	9	7	3	1	5	4
2	5	4	3	8	6	9	1	7
8	7	6	1	5	9	4	3	2
3	1	9	7	2	4	8	6	5
5	2	7	6	9	1	3	4	8
1	9	3	5	4	8	7	2	6
4	6	8	2	3	7	5	9	1

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 जून बुधवार 2024 संवत-2081, शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-चतुर्दशी 19.54 तक तत्पश्चात अमावस्या।

आज का पंचांग

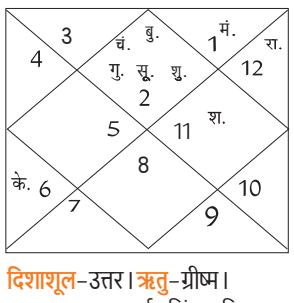

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-ग्रीष्म।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 21.16 तक तत्पश्चात रोहिणी।

मेष — आज परिवार को लेकर आप कुछ परेशान हो सकते हैं। आप छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा कर सकते हैं, इसका प्रभाव आपके दांपत्य जीवन पर भी पड़ सकता है। यदि नए घर के निर्माण आदि में लगे हुए हैं, तो उसमें कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

वृष — आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। निर्णय लेने में जो आपको परेशानी हो रही थी, वह आज दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी दूर होगी। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

मिथुन — आज आंखों में समस्या होने की संभावना है। आप किसी बात को लेकर विचलित हो सकते हैं। मन कभी प्रसन्न, तो कभी बहुत उदास हो सकता है। आज किसी पर बहुत ज्यादा विश्वास न करें। महत्वपूर्ण कार्यों से आपको बचना चाहिए।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। विवाहादि कार्यों को लेकर समस्या दूर होगी। अपनी कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। सरकारी कार्यों को लेकर आपके मन में जो डर था, वह दूर होगा। उत्तम धन लाभ के योग बन रहे हैं। कड़वी भाषा का प्रयोग न करें।

सिंह — आज होटल और रेस्टोरेन्ट से जुड़े व्यवसाय में उत्तम लाभ होगा। अधिकारी वर्ग के लोग आपकी बातों को काफी महत्व देंगे। समाज सेवा में आपकी रुचि बढ़ सकती है। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। अपनी कमियों में सुधार करने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कन्या — आज आपसे प्रेम भाव रखने वाले लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। यात्राओं के लिए दिन अच्छा नहीं है। किसी भी डील को फाइनल करने से पहले, उसके विषय में बहुत अच्छी तरह से रीसर्च कर लें। परिवार में कलह का माहौल हो सकता है।

तुला — आज आप कई गुप्त रहस्यों को समझने में रुचि लेंगे। विवेकपूर्ण निर्णय लेने में आपको कठिनाई होगी। गलत लोगों की संगत से दूर रहें। कुछ लोग आपको बहकाने का प्रयास करेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं के प्रति आपका लगाव बढ़ेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय में आप काफी फोकस रहेंगे। दांपत्य जीवन कुछ कलहपूर्ण हो सकता है। जीवनसाथी को आपको विशेष समय देना चाहिए। क्रोध कम से कम करें। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

धनु — आज आप अपने काम में कमी महसूस करेंगे। जिसको लेकर आपका मन असन्तुष्ट हो सकता है। शत्रुओं को लेकर आपको काफी सावधान रहना होगा। चलते हुए कार्यों में बाधा देखने को मिलेगी। दवाइयों के कारोबारियों की आय बढ़ सकती है।

मकर — आज वैवाहिक संबंधों में आपको बोरियत महसूस होगी। काम को लेकर भी काम काफी सुस्त हो सकते हैं। आज वही कार्य करें जिसको लेकर आप उत्सुकता महसूस कर रहे हैं। गर्भवती महिलाओं को अपनी सेहत का विशेष ध्यान देना होगा। किसी पर बहुत ज्यादा निर्भर न रहें।

कुंभ — आज व्यवसाय में आपको सहकर्मियों पर काफी ध्यान देना होगा। कुछ ऐसे कार्य होंगे, जो आपको जबरदस्ती करने पड़ेंगे। भोजन के प्रति अरुचि हो सकती है। आपको सम्मान प्राप्त हो सकता है। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद न करें।

मीन — आज आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। पैतृक संपत्ति के लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप किसी नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हैं। अपनी सफलता को लेकर आत्मविश्वास से युक्त रहेंगे। सेहत की समस्याओं से जूझ रहे लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है।

आज की फिल्में

B4U Movies
- अल्ला रक्खा — सुबह : 11.48
- वन टू थ्री — शाम : 06.51

&pictures
- यू टर्न — सुबह : 08.32
- फितूर — रात : 08.00

Sony Pix
- द मैकेनिक — दोपहर : 01.12
- मैड मैक्स : फरी रोड — शाम : 06.28

Zee Cinema
- रमैया वस्तावैया — सुबह : 08.40
- गंगाजल — रात : 09.10

Colors Cineplex
- अलादीन — सुबह : 11.52
- प्यार का पंचनामा — रात : 09.00

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर्स पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया?
पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था।
डॉक्टर - तो इससे क्या?
पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।
पिता की बात सुनकर डॉक्टर रह गया दंग!

टीचर- इरादे बुलन्द होने चाहिए, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है गप्पू- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं
टीचर- कैसे
गप्पू- हैंड पम्प से
गप्पू का जवाब पढ़कर टीचर ने अपना माथा पीट लिया।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 965 फ्लैग 1080 डीएमओ 850 बोल्ड 1140, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 980 फ्लैग 1105 बोल्ड 1150 डीएमओ 860।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2400-2450
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफ़ारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	6200 -6400
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -11000
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	7700 -7800

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	17400-17500
अरहरस्पेशल1	14700-14800
चनादाल	8100-8200
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7300-7350
मसूरदाल	7500-7550
उड़द्दाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	8600 -9500
मूँग धोवा	9700-11000

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1325-1350

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	5600-5800
अलसी	4500 -4600 रुपये।

अडाणी समूह के शेयरों में भारी गिरावट

एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली, एजेंसी

शेयर बाजार के मंगलवार को औंधे मुंह गिरने के साथ अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में जोरदार गिरावट आई और ज्यादातर निचली सर्किट सीमा पर आ गए। मंगलवार की चुनाव मतगणना और एग्जिट पोल की तुलना में भाजपा को नुकसान से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई। समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.64 लाख करोड़ रुपये घट गया।

कारोबार समाप्त होने पर अडाणी पोर्ट्स का शेयर 21.26 प्रतिशत, अडाणी एनर्जी सोल्यूशंस 20 प्रतिशत, समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज 19.35 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 19.20 प्रतिशत का गोता लगाया। अडाणी टोटल गैस 18.88 प्रतिशत, एनडीटीवी 18.52 प्रतिशत, अडाणी पावर 17.27 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट 16.88 प्रतिशत नीचे आया। वहीं एसीसी का शेयर 14.71 प्रतिशत और अडाणी विल्मर 9.98 प्रतिशत नीचे आया। कारोबार के दौरान समूह की 10 कंपनियों में से आठ निचले सर्किट पर पहुंच गए थे। कारोबार के दौरान अडाणी एंटरप्राइजेज 25 प्रतिशत के निचले सर्किट पर पहुंच गया था। वहीं अडाणी पोर्ट्स 25 प्रतिशत और अम्बुजा सीमेंट्स 22.5 प्रतिशत लुढ़क कर सर्किट के निचले स्तर पर पहुंच गया था। अडाणी पावर 20% और अडाणी एनर्जी 20% लुढ़क कर निचले सर्किट सीमा पर पहुंच गया था। अडाणी ग्रीन 20% और अडाणी टोटल गैस 19.89 प्रतिशत नीचे आ गया। वहीं एनडीटीवी 19.98 और एसीसी 19.69% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर पर पहुंच गया था। अडाणी विल्मर का शेयर भी 10% की गिरावट के साथ सर्किट के निचले स्तर पर आ गया था।

चुनावी नतीजों के चलते सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

चुनावी नतीजों और वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 450 रुपये के उछाल के साथ 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 72,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अतिरिक्त, चांदी की कीमत भी 200 रुपये बढ़कर 93,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में हाजिर सोने की कीमत (24 कैरेट) 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही, जो पिछले बंद भाव से 450 रुपये अधिक है। विदेशी बाजारों में, कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,335 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 15 डॉलर अधिक है। गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई क्योंकि अमेरिका में विनिर्माण क्षेत्र के निराशाजनक आंकड़ों से उम्मीद जगी है कि फेडरल रिजर्व के पास इस साल उधारी लागत कम करने की गुंजाइश होगी।

देश में नई सरकार के गठन और उनकी आर्थिक नीतियों से तय होगा शेयर बाजार का भविष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारतीय बाजार के विशेषज्ञों ने जताई आशंका

आम चुनाव के नतीजों से सरकार के गठन को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के बीच बाजार के विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि शेयर बाजार का भविष्य नई सरकार की आर्थिक नीतियों पर निर्भर करता है जिसमें जीडीपी वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक परिस्थितियां जैसे कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनावी नतीजों के रुझानों में बहुमत से आगे दिख रहा है। लेकिन गठबंधन के सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ने का असर सरकार की निर्णायक नीतियों पर पड़ने की संभावना को लेकर बाजार में चिंता नजर आने लगी है।

उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में भारी गिरावट ने इस आशंका पर मुहर भी लगाने का काम किया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सूचकांक कारोबार के दौरान आठ प्रतिशत तक टूटने के बाद थोड़ा संभले लेकिन अंत में लगभग छह प्रतिशत के भारी नुकसान के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 4,389.73 अंक गिरकर 72,079.05 पर और निफ्टी 1,379.40 अंक गिरकर 21,884.50 पर बंद हुआ। हालांकि शनिवार को अंतिम चरण का मतदान होने के बाद विभिन्न समाचार चैनलों पर आए एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राजग को भारी बहुमत मिलने की संभावना जताई गई थी।

स्टॉक्सबॉक्स के शोध प्रमुख मनीष चौधरी ने कहा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों की खासियत रहा सुधारवादी दृष्टिकोण इसके तीसरे कार्यकाल में पीछे रह सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा अपने दम पर बहुमत पाने की स्थिति में नहीं है और उसे सरकार चलाने के लिए अपने सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। अबान्स होल्डिंग्स में वरिष्ठ प्रबंधक (शोध एवं विश्लेषण) यशोवर्धन खेमका ने कहा-गठबंधन सरकार होने से महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेने और मंत्रिमंडल में कुछ अहम पदों के लिए सहयोगियों पर निर्भरता बढ़ेगी, जिससे नीतिगत असमंजस और सरकार के कामकाज में अनिश्चितता पैदा होगी।

सर्राफा

कानपुर	
चॉदी 999 (प्रति किलो)	92,050
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74,100
गिन्नी (प्रति नग)	55,225-55,425
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	72,800
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,650
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	89,500
चांदी तैयार	89,600
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	72,900
सोना जेवरात गिन्नी	71,900
चांदी पक्की	895 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	72,750
चांदी आभूषण	89,900।

रुपये पर पड़ी चुनावी नतीजों की मार

मुंबई। सत्तारूढ़ भाजपा को लोश चुनाव में अपने दम पर बहुमत मिलने की संभावना कम होने से शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 45 पैसे की भारी गिरावट के साथ 83.59 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर लुढ़क गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.25 पर कमजोरी के साथ खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 83.23 के ऊपरी और 83.59 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा।

सरकार ने गेहूं उत्पादन के अनुमान को संशोधित कर 11.29 करोड़ टन किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने अपने तीसरे अनुमान में फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के लिए गेहूं उत्पादन अनुमान को संशोधित कर रिकॉर्ड 11 करोड़ 29.2 लाख टन कर दिया है।

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उत्पादन, जिसे दूसरे अनुमान से 9.1 लाख टन ऊपर की ओर संशोधित किया गया है, वह फसल वर्ष 2022-23 में हासिल किए गए 11 करोड़ 5.5 लाख टन के पिछले रिकॉर्ड उच्च स्तर से भी अधिक है। मुख्य रबी (सर्दियों) की फसल गेहूं की कटाई हो चुकी है और केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2.6 करोड़ टन से अधिक की खरीद पहले ही की जा चुकी है। अपने तीसरे अनुमान में, कृषि मंत्रालय ने फसल वर्ष 2023-24 के लिए चावल उत्पादन में पिछले फसल वर्ष के 13 करोड़ 57.5 लाख टन से बढ़कर 13 करोड़ 67 लाख टन होने का अनुमान लगाया है। हालांकि, कुल खाद्यान्न उत्पादन वर्ष 2022-23 में प्राप्त स्तर की तुलना में थोड़ा कम यानी 32 करोड़ 88.5 लाख टन होने का अनुमान है।

सीबीआईसी लाएगा व्यापक आबकारी कानून

नी दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने मंगलवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क विधेयक, 2024 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं। यह दशकों पुराने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की जगह लेगा।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि विधेयक का मकसद कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और पुराने तथा निरर्थक प्रावधानों को निरस्त करने के साथ ही एक व्यापक आधुनिक केंद्रीय उत्पाद शुल्क कानून बनाना है। विधेयक में 12 अध्याय, 114 धाराएं और दो अनुसूचियां शामिल हैं।

समाशोधन निगम के स्वामित्व, आर्थिक ढांचे की समीक्षा के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने समाशोधन निगमों के स्वामित्व और आर्थिक संरचना की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया है।

इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समाशोधन निगम को मजबूत, स्वतंत्र और तटस्थ जोखिम प्रबंधकों के रूप में कार्य करें। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट तदर्थ समिति की अध्यक्ष होंगी। यह निर्णय हाल के वर्षों में भारतीय प्रतिभूति बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि और केंद्रीय जोखिम प्रबंधन संस्थानों के रूप में समाशोधन निगम के महत्व को देखते हुए लिया गया है। सेबी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समिति को स्वामित्व संरचना के साथ-साथ समाशोधन निगमों के वित्त की समीक्षा करने का काम सौंपा गया है। समिति स्वामित्व संरचना के संबंध में व्यवहार्यता की जांच करेगी। साथ ही पात्र निवेशकों की सूची का विस्तार करेगी, जिन्हें एक समाशोधन निगम में हिस्सेदारी लेने की अनुमति है। इसके साथ उन निवेशकों की श्रेणियों का सुझाव देगी जो ऐसे निगमों में हिस्सेदारी हासिल कर सकते हैं।

राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई : खरगे

लोकसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन बोले-यह जनता और लोकतंत्र की जीत है

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का परिणाम जनता और लोकतंत्र की जीत है तथा यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक एवं नैतिक हार है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा-यह जनता का परिणाम है। यह जनता की जीत है, लोकतंत्र की जीत है। हम पहले से कह रहे थे कि यह लड़ाई मोदी बनाम जनता थी।

उनका कहना था कि 18वीं लोकसभा के इस चुनाव में हमने विनम्रता से जनमत को स्वीकार किया है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। खासकर सत्ताधारी भाजपा ने एक व्यक्ति और एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था। खरगे ने कहा-यह प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार है। यह उनकी बहुत बड़ी हार है।

चुनाव के नतीजे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जनता ने नरेंद्र मोदी को पूरी तरीके से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह नरेंद्र मोदी की नैतिक हार है। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी की दोनों यात्राएं यानी कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो न्याय यात्रा पूरी तरीके से सफल हुआ। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान हमें परेशान किया गया लेकिन हम हमेशा सकारात्मक मुद्दों पर अड़े रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर भाजपा ने कब्जा करने की कोशिश की।

खरगे ने राहुल गांधी सोनिया गांधी प्रियंका गांधी जैसे तमाम पार्टी के नेताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इनकी वजह से हमें पूरे देश में प्रोत्साहन मिला और हम चुनाव जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने कहा कि करोड़ो कार्यकर्ताओं ने हमारा साथ दिया। जिसकी वजह से हम इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब र हे उन्होंने दावा किया कि हमने यह चुनाव सिर्फ मुद्दों पर लड़ा है। हमारा कैंपेन पूरी तरीके से सकारात्मक रहा। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर चुनाव लड़ा सकारात्मक प्रचार किया।

ममता ने मोदी और अमित शाह के इस्तीफे की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर नैतिक आधार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। सुश्री बनर्जी ने इंडिया समूह के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर एक बार फिर से भरोसा जताने के लिए जनता को बधाई दी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जैसा कि मैंने घोषणा की थी एग्जिट पोल को मोदी पोल बना दिया गया था और मेरी बात सच हो गई है, हालांकि राज्य में चुनाव में धांधली की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के अगली बैठक में इंडिया समूह का प्रतिनिधित्व करने की संभावना है। अभिषेक ने डायमंड हार्बर सीट रिकॉर्ड अंतर से जीती है। सुश्री बनर्जी ने कहा-मैं राज्य में व्यस्त रहूंगी, मैं राज्य को केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के हाथों में नहीं छोड़ सकती हूं।

कांग्रेस का धीमी मतगणना का आरोप, निर्वाचन आयोग से शिकायत की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव की मतगणना में गति धीमी होने का दावा करते हुए मंगलवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से आग्रह किया कि हर चरण की मतगणना के आंकड़े वेबसाइट पर समयबद्ध तरीके से सार्वजनिक किए जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी और सलमान खुर्शीद शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा-हमें अपनी राज्य इकाइयों और उम्मीदवारों से रिपोर्ट मिली है कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दोपहर 2:30 बजे के बाद मतगणना अपडेट मिलने में देरी हो रही है। हमने यह भी बताया कि संसदीय क्षेत्र के आधार पर कोई अपडेट नहीं है। हमने कोई आरोप नहीं लगाया है, हमने सिर्फ अपडेट देने के लिए कहा है।

चुनाव परिणाम ने साबित किया कि स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है

मुंबई, एजेंसी

- शरद पवार बोले-रणनीति तय करने के लिए आज करेंगे बैठक

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं के बैठक करने की संभावना है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है। पवार ने कहा-मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम येचुरी से बात की है। इंडिया गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा। यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा-हमने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा, '' इंडिया गठबंधन के सरकार बनाने को लेकर मैं आश्वत नहीं हूं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर निर्णय लेंगे। पवार ने कहा कि चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा है।

एक नजर

केजरीवाल के खिलाफ अदालत नौ जुलाई को पारित करेगी आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े कथित धन शोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के मुद्दे पर नौ जुलाई को आदेश पारित कर सकती है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को मंगलवार को आदेश पारित करना था, लेकिन उन्होंने इसे नौ जुलाई तक के लिए टाल दिया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि वह इस मामले के गुण-दोष पर कुछ नहीं कह रही है।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त दो पायलट सुरक्षित बाहर निकले

नासिक, एजेंसी

- विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में हुआ दुर्घटनाग्रस्त
- दुर्घटना के बाद वायुसेना, सुरक्षा टीम ने किया निरीक्षण

भारतीय वायुसेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान मंगलवार को महाराष्ट्र के नासिक जिले में क्रैश हो गया। नासिक रेंज के विशेष महानिरीक्षक डी आर कराले ने बताया कि सुखोई एसयू-30 एमकेआई विमान के पायलट और सह-पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए। विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

आईपीएस अधिकारी ने बताया कि सुखोई विमान शिरसगांव गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। लड़ाकू विमान को विंग कमांडर बोकिल और उनके दूसरे कमांडर बिस्वास उड़ा रहे थे। करीब दोपहर 1.20 बजे यह निफाड तहसील के शिरसगांव गांव के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकल आए और उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें एचएएल अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि विमान के हिस्से अब 500 मीटर के दायरे में फैले हुए हैं। विमान दुर्घटना के बाद भारतीय वायुसेना, एचएएल सुरक्षा और एचएएल तकनीकी इकाई की टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया।

जानिए सुखोई लड़ाकू विमान की खूबियां: रूसी सुखोई एसयु-30 एमकेआई भारतीय वायुसेना में सबसे ताकतवर लड़ाकू विमान माना जाता है। भारतीय वायुसेना के पास 272 सक्रिय सुखोई एसयु-30 एमकेआई हैं, इस एयरक्राफ्ट में दो इंजन हैं और दो चालको के बैठने की जगह है। इनमें से कुछ लड़ाकू विमान को सुपरसोनिक मिसाइल ब्रह्मोस को लॉन्च करने के लिए भी अपग्रेड किया गया है।

भाजपा को दी कड़ी टक्कर, लोगों ने नफरत के खिलाफ दिया वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

- आप सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर साधा निशाना

आप सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इसके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और साथ ही लोगों ने भाजपा की नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के खिलाफ मतदान किया।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा-मैं देश के मतदाताओं के सामने सिर झुकाना चाहता हूं। आज चुनाव परिणाम आ रहे हैं। तस्वीर साफ होती जा रही है। उन्होंने कहा-यह चुनाव जनता के लिए एक संदेश है कि वह भाजपा के 10 साल के शासन से थक गई है और उसे बाहर करना चाहती है। लोग महंगाई से परेशान हो गए हैं। यह भारत के लोकतंत्र की सुंदरता है कि लोगों ने भाजपा को वापस जाने के लिए कहा है। भाजपा के 400 के बहुमत के आंकड़े से दूर दिखाई देने पर सिंह ने कहा-नतीजे भाजपा और उसकी नफरत तथा तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक हैं। अगर पीएम मोदी में थोड़ी सी भी नैतिकता है, तो उन्हें ऐसी स्थिति में अपना पद छोड़ देना चाहिए।

इंदौर में नोटा ने 2.18 लाख वोटों के साथ बनाया नया रिकॉर्ड

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर में नोटा ने बिहार के गोपालगंज का पिछला कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 2,18,674 वोट हासिल किए और 14 में से 13 उम्मीदवारों को पटखनी देकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम किया। इंदौर, मतदाताओं की तादाद के लिहाज से सूबे में सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है जहां मुख्य चुनावी भिड़ंत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच होती रही है, लेकिन इस बार सियासी समीकरण एकदम बदले हुए थे। कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस लेकर तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ से बाहर हो गई।

भाजपा मुख्यालय में जीत के शंखनाद की गूंज, कांग्रेस में जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में पार्टी कार्यालय में पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। ● एजेंसी

मुंबई में कांग्रेस समर्थकों ने पार्टी की बढ़त का जश्न मनाया। ● एजेंसी

लोकसभा चुनाव के रुझान और नतीजे आने के बाद डीडीयू मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय में शंखनाद शुरू हो गया। भारत माता की जय और मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारों गूंज सुनने को मिली। रुझानों में बढ़त देख भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ता गया। कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों की थाप पर झूमते-थिरकते दिखे। दोपहर 12 बजे के करीब जब जीत स्पष्ट होने लगी तो वैसे ही कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा किया। वहीं देश के महाराष्ट्र, बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व राजस्थान आदि में दोनों पार्टियों के समर्थकों ने अपनी-अपनी जीता का जश्न अपने अंदाज में मनाया।

जश्न को लेकर सुबह से ही कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में यहां पहुंचते नजर आए। कोई साइकिल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कटआउट, तो कोई मोदी की ड्रेस में व कुछ विजय शंख लेकर पहुंचे। जैसे-जैसे चुनावी नतीजे आ रहे थे, वैसे-वैसे कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह बढ़ता जा रहा था। मुख्यालय के आस-पास का इलाका पूरा भगवा नजर आ रहा था। वहीं अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय में हर्ष का माहौल दिखा। कांग्रेस कार्यकर्ता ढोल की ताल पर झूमते नजर आए। यहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह प्यार-मोहब्बत की जीत है।

खेल डायरी

बोपन्ना ने बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

नयी दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा।

आशुतोष के चार गोल ईमी ने विक्ट्री को हराया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्लेयर ऑफ द मैच आशुतोष थपलियाल के चार शानदार गोलों की मदद से डीएसए ए डिवीजन लीग में ईमी हीरोज ने विक्ट्री एफसी को 6-0 से रौंद दिया। ऐन गंबोई और राहुल ने एक-एक गोल किये। वहीं एक अन्य मुकाबले में मोहम्मद अयमान बिन के दो दर्शनीय गोलों की मदद से गुड विल एफसी ने हॉप्स एफसी को 2-1 से हराकर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। पिछले कुछ मुकाबलों में कड़ा संघर्ष करने वाली विक्ट्री को पहली जीत की तलाश है। मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मजबूत प्रतिद्वंद्वी के विरुद्ध विक्ट्री की रक्षा पंक्ति दूसरे हाफ में टूट गई। जिसका फायदा उठाकर थपलियाल ने तिकड़ी सहित चार गोल दाग दिए।

म्यूनिख विश्व कप में ईशा छठे स्थान पर

म्यूनिख, एजेंसी। निशानेबाज ईशा सिंह म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप की महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में छठे स्थान पर रहीं। जिससे प्रतियोगिता में भारत का पहले पदक का इंतजार जारी रहा। ईशा ने फाइनल में 20 अंक जुटाए। फ्रांस की कैमिली जेद्रेवस्की ने स्वर्ण पदक जीता। कैमिली ने खिताब की दौड़ में जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप को पछाड़ा। विजेता का फैसला करने के लिए दो शूट ऑफ का सहारा लेना पड़ा। दोनों निशानेबाज 10 सीरीज के बाद 40 अंक के साथ बराबर थीं। फाइनल्स की मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक कोरिया की किम येजी 35 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। लगातार दूसरी स्पर्धा के फाइनल में निशानेबाज छठे स्थान पर रहीं।

एआईएफएफ ने कामत के निधन पर शोक जताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सहायक महासचिव और प्रतियोगिता निदेशक अनिल कामत का मंगलवार को निधन हो गया। वह कुछ दिनों से बीमार थे। एआईएफएफ ने उनके निधन की जानकारी दी। गोवा के चिनचिनिम गांव के रहने वाले कामत लगभग 25 वर्षों से एआईएफएफ से जुड़े हुए थे। वह सीआरसी चिनचिनिम और सेलकेट फुटबॉल क्लब से अधिकारी के रूप में जुड़े हुए थे। वह गोवा फुटबॉल संघ में कार्यकारी समिति के सदस्य और संयुक्त सचिव भी रहे। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा, ''अनिल कामत के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। अनिल के निधन से भारतीय फुटबॉल की संरचना ने एक ऐसा स्तंभ खो दिया है जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।'' उन्होंने कहा, ''फुटबॉल और इसके प्रबंधन के बारे में उनका गहरा ज्ञान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल के लिए एक संपत्ति थी। दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।''

मिशन विश्व कप का आगाज करेगी टीम इंडिया

आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच आज, बरसों से आईसीसी ट्रॉफी का सूखा दूर करने उतरेंगे खिलाड़ी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारत	आयरलैंड
रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।	पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग।

आलोचक भले ही उन्हें 'नयी बोतल में पुरानी शराब' कहें लेकिन भारत के सुपरस्टार क्रिकेटर बरसों से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने का मलाल मिटाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहेंगे और अपने इस मिशन की शुरूआत टी20 विश्व कप में बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच के जरिये करेंगे।

भारतीय टीम में अभी भी कई अनसुलझे सवाल हैं मसलन यहां 'ड्रॉप इन' पिच पर टीम संयोजन क्या रहेगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली तो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं लेकिन जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा जैसे 'दशकों में एक' माने जाने वाले क्रिकेटरों ने अभी तक खिताब नहीं जीता है। भारतीय क्रिकेट टीम 1982 और 1986 की ब्राजील फुटबॉल टीम की तरह नहीं बनना चाहती जब सुकरात, जिको, कारेका, फाल्काओ और अलेमाओ जैसे सितारे भी फीफा विश्व कप नहीं जीत सके थे। पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ड्रेसिंग रूम की सीढियां चढते हुए कप्तान रोहित शर्मा अपने आंसू नहीं छिपा सके थे। वहीं 765 रन बनाने वाले कोहली के चेहरे पर भी उदासी साफ देखी जा सकती थी। कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मिलकर सर्वश्रेष्ठ टीम नहीं बना पाते। भारत ने अपने अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिये कि यही टीम कई बार आखिरी दो तिलिस्म नहीं तोड़ सकी है। सैतीस बरस के रोहित का यह आखिरी विश्व कप है और यह लगभग तय है कि वह भारत में होने वाले अगले टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप तक नहीं खेलेंगे। दूसरी ओर आयरलैंड की टीम में पॉल स्टर्लिंग, जोश लिटिल, हैरी टेक्टर, एंडी बालबर्नी जैसे अच्छे टी20 क्रिकेटर हैं। नासाउ काउंटी मैदान की धीमी और औसत विकेट पर भारतीय टीम आयरलैंड के बायें हाथ के स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल को कैसे खेलती है, यह देखना रोचक होगा। भारत को फायदा इस बात का है कि उसके पास आयरलैंड से बेहतर स्पिनर हैं हालांकि बुमराह के अलावा तेज गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा कमजोर लग रहा है। कई बार बहुत ज्यादा विकल्प होना भी अच्छी स्थिति नहीं होती है और शीर्षक्रम पर भारत के साथ ऐसा ही हो रहा है। कप्तान रोहित और कोहली के लिये यशस्वी जायसवाल को बाहर रहना पड़ सकता है। ऋषभ पंत ने अभ्यास मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और हार्दिक पंड्या ने अच्छी गेंदबाजी की। पंड्या ने अभ्यास सत्र में कोहली, सूर्यकुमार यादव और रोहित को अच्छी खासी गेंदबाजी की।

मैच का समय : रात आठ बजे से।

फजलहक फारूकी

अफगानिस्तान ने युगांडा को 125 रनों से रौंदा

प्रोविडेंस (गुयाना), एजेंसी

- **फारूकी के पांच विकेट, गुरबाज और जदरान की बल्लेबाजी से विश्व कप का पहला मैच जीता**

तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के पांच विकेट और रहमानुल्लाह गुरबाज तथा इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी की मदद से अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में युगांडा को 125 रन से हराया। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज गुरबाज ने 45 गेंद में 76 रन बनाये जबकि जदरान ने 46 गेंद में 70 रन की पारी खेली। दोनों ने पुरूषों के टी20 विश्व कप में पहले विकेट के लिये सर्वोच्च 154 रन की साझेदारी की जिसकी मदद से अफगानिस्तान ने पांच विकेट पर 183 रन बनाये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज फारूकी ने चार ओवर में नौ रन देकर पांच विकेट लिये।

विश्व कप में पहली बार उतरी युगांडा की टीम 16 ओवर में 58 रन पर आउट हो गई। फारूकी दो बार हैट्रिक लेने के करीब पहुंचे थे। पहली गेंद पर चौका पड़ने के बाद उन्होंने बेहतरीन इनस्विंगर पर रौनक पटेल को आउट किया। इसके बाद रोजर मुकासा पगबाधा आउट हो गए। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिये खेल चुके फारूकी ने 13वें ओवर में तीन और विकेट लेकर टी20 क्रिकेट में कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने रियाजत अली शाह को बोल्ड किया और युगांडा के कप्तान ब्रायन मसाबा को गुरबाज के हाथों लपकवाया। वह हैट्रिक से चूक गए लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर एक और विकेट लिया। इससे पहले अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाजों ने आक्रामक शुरूआत की। गुरबाज ने पारी की दूसरी ही गेंद पर छक्का जड़ा। जदरान ने दिनेश नकरानी के छठे ओवर में लगातार चार चौके लगाये। पावरप्ले के आखिर में अफगानस्तान ने 11 रन प्रति ओवर की दर से रन बना डाले थे। गुरबाज ने चार चौके और चार छक्के लगाये और अपना अर्धशतक सिर्फ 28 गेंद में पूरा किया। जदरान ने नौ चौके और एक छक्का जड़ा। ऐसा लग रहा था कि दोनों पूरे 20 ओवर खेल जायेंगे लेकिन युगांडा के गेंदबाजों ने वापसी की और उन्हें 200 रन के भीतर रोक दिया। अफगानिस्तान का सामना अब न्यूजीलैंड से होगा।

अफगानिस्तान : 183/5, ओवर : 20		साइमन का फजलहक बो मुजीब	04
गुरबाज का रियाजत बो रामजनी	76	मुकासा पगबाधा फजलहक	00
इब्राहिम जदरान बो मसाबा	70	रियाजत बो फजलहक	11
जदरान का नकरानी बो मसाबा	02	दिनेश बो नवीन उल हक	06
मोहम्मद नबी नाबाद	14	अल्पेश का नईब बो नवीन उल हक	00
नईब का मसाबा बो क्येवूता	04	रॉबिंसन का गुरबाज बो फजलहक	14
उमरजई का रामजनी बो क्येवूता	05	मसाबा का गुरबाज बो फजलहक	00
राशिद खान नाबाद	02	बिलाल हसन पगबाधा राशिद	08
गेंदबाजी : अल्पेश 4-0-33-1, कॉसमास क्येवूता 4-0-25-2, दिनेश नकरानी 3-0-37-0, बिलाल हसन 2-0-34-0, हेनरी सेनयोंडो 2-0-19-0, रियाजत अली शाह 1-0-11-0, मसाबा 4-0-21-2		कॉसमास क्येवूता नाबाद	02
युगांडा : 58/10, ओवर : 16		हेनरी सेनयोंडो बोल्ड राशिद	00
रौनक बो फजलहक 04		**गेंदबाजी :** फजलहक फारूकी 4-0-9-5, मुजीब उर रहमान 3-0-16-1, नवीन उल हक 2-0-4-2, अजमतउल्लाह उमरजई 2-0-7-0, राशिद खान 4-0-12-2, मोहम्मद नबी 1-0-8-0	

स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के मैच में बारिश ने डाला खलल

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी

गत चैंपियन इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच टी20 विश्व कप मैच मंगलवार को बारिश और मैदान गीला होने के कारण देर से शुरू हुआ। केंसिंग्टन ओवल में टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई, जिसे स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने जीता। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। खबर लिखे जाने तक दोबारा बारिश शुरू होने से स्कॉटलैंड ने 6.2 ओवर में 51 रन बना लिए थे।

बारिश के कारण खेल की शुरूआत में लगभग 20 मिनट का विलंब हुआ। मैच के 7वें ओवर में दोबारा बारिश शुरू होने के कारण मैच को रोकना पड़ा। स्कॉटलैंड के खिलाड़ी जॉर्ज मोन्से 19 गेंदों पर 18 और माइकल जोंस 20 गेंदों पर 30 रन बनाकर डटे हुए थे। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड ऑस्ट्रेलिया, ओमान और नामीबिया के साथ ग्रुप बी में है।

जेब्युर की हार, कोको सेमीफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका की कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ओन्स जेब्युर को हराकर लगातार तीसरी बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल सितंबर में अमेरिकी ओपन के रूप में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाली गॉफ ने आठवीं वरीय जेब्युर को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया। अमेरिकी ओपन के बाद गॉफ ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के भी अंतिम चार में जगह बनाई थी। गॉफ की सेमीफाइनल में भिड़ंत शीर्ष वरीय ईगा स्वियातेक से हो सकती है, जिन्होंने पेरिस में पिछले चार में से तीन खिताब जीते हैं।

नोवाक जोकोविच घुटने में चोट के कारण फ्रेंच ओपन से हटे

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच दाहिने घुटने में चोट के कारण मंगलवार को फ्रेंच ओपन से हट गए, जिससे खिताब के बचाव के मौके के साथ रैंकिंग में शीर्ष स्थान को भी गंवा देंगे। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने बताया कि 'जोकोविच के दाहिने घुटने के 'मीडियल मेनिस्कस' में चोट है। इस चोट की गंभीरता का पता एमआरआई जांच के दौरान चला।

जोकोविच को यह चोट विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान के खिलाड़ी फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के खिलाफ चौथे दौर में साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच के दौरान लगी थी। चौबीस बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को बुधवार को क्वार्टर फाइनल में दो बार के फ्रेंच ओपन उपविजेता कैस्पर रुड से मुकाबला करना था। रूड को अब वॉकओवर मिल गया है और सेमीफाइनल में उनका सामना रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज अलेक्जेंडर ज्वेरेव या 11वें स्थान के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर से होगा।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टरफाइनल में

पेरिस, एजेंसी। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। मंगलवार को हुये मुकाबले में ज्वेरेव ने लगातार तीन सेट जीतकर फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में लगातार चौथी बार जगह बनाई है। उन्होंने चार घंटे और 11 मिनट में तक चले मुकाबले में रुण पर 4-6, 6-1, 5-7, 7-6(2), 6-2 से जीत दर्ज की। ज्वेरेव का अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलेक्स डी मिनौर से होगा। डी मिनौर ने डेनियल मेदवेदेव को 4-6, 6-2, 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे हैं।

लक्ष्य सेन दूसरे राउंड में पहुंचे

जकार्ता, एजेंसी

- **इंडोनेशिया ओपन में प्रियांशु ने एचएस प्रणॉय को हराया**

लक्ष्य सेन और प्रियांशु रजावत मंगलवार को इंडोनेशिया ओपन 2024 बैडमिंटन बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए दूसरे राउंड में पहुंच गये है। मंगलवार को पुरुष एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने जापान के कांता त्सुनेयामा को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 21-17 से हराया। राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य का सामना जापान के केंटा निशिमोटो से होगा, जिन्होंने पहले राउंड में सातवीं वरीयता प्राप्त एंथोनी गिंटिंग को हराया है।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में ही मजबूत शुरुआत करते हुए 10-4 से बड़ी बढ़त बनाई और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और वह लगातार अंक अपने नाम करते रहे और आखिर में इस गेम को बड़ी आसानी से 21-12 से जीत लिया। कांता त्सुनेयामा को इस गेम में काफी संघर्ष करना पड़ा। दूसरे गेम में लक्ष्य शुरू से ही जापान के खिलाड़ी पर हावी रहे और 2-2 से स्कोर बराबर होने के बाद भारतीय शटलर ने 5-3 की बढ़त बनाई और शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाये रखा। जापानी खिलाड़ी ने गेम को आखिर तक ले जाने का प्रयास किया और स्कोर 17-14 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जापानी खिलाड़ी की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए 21-17 से जीत दर्ज की। इसके अलावा दिन का एक और रोमांचक मुकाबले में एचएस प्रणॉय को पहले राउंड में हमवतन दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत से 17-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणॉय की अपने जूनियर खिलाड़ी के खिलाफ चार मैचों में यह पहली हार थी। रजावत अगले राउंड में मौजूदा विश्व चैंपियन थाईलैंड के कुणालवुट विटिदसर्न से मुकाबला करेंगे। मिश्रित युगल जोड़ी बी सुमित रेड्डी और सिक्की रेड्डी ने भारतीय अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। भारतीय जोड़ी ने यूएसए के विसन चिउ-जेनी गाई को 18-21, 21-16, 21-17 से हारकर राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

शतरंज : प्रज्ञानानंदा ने डिंग लिरेन को हराया

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन के खिलाफ आर्मागेडोन पर मिली हार का बदला चुकता करते हुए नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में जीत दर्ज की हालांकि इससे पहले चीनी खिलाड़ी ने मजबूत स्थिति में पहुंचकर खुद गलतियां की थी जो उन पर भारी पड़ी। पहला मुकाबला ड्रॉ रहा और प्रज्ञानानंदा ने आर्मागेडोन में बाजी मारी। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने अमेरिका के हिकारू नकामूरा के खिलाफ धीमी शुरूआत की और आर्मागेडोन में हार गए। वहीं फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अमेरिका के फेबियानो कारूआना को हराया। कार्लसन 13 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। नकामूरा उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा 11 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं जबकि अलीरजा उनसे डेढ अंक पीछे हैं। कारूआना पांचवें स्थान पर हैं और लिरेन सबसे नीचे हैं। महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक ने चीन की विश्व चैम्पियन वेंजुन जू को हराकर एकल बढ़त हासिल की। जू उनसे आधा अंक ही पीछे हैं। कोनेरू हम्पी ने हमवतन आर वैशाली को हराया जो तीसरे स्थान पर हैं। चीन की तिंगजि लेइ ने स्वीडन की पिया क्रामलिंग को हराया।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन विश्व में शीर्ष पांच में

नयी दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने फ्रेंच टीम शतरंज चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके फिडे रेटिंग में पांचवां स्थान हासिल कर लिया और लाइव रेटिंग में वह सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय हैं। अर्जुन के ईएलओ रेटिंग अंक 2769.7 हैं और उन्होंने इसमें 8.7 अंक का इजाफा किया है। उनसे आगे नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन, अमेरिका के हिकारू नकामूरा और फेबियानो कारूआना और रूस के इयान नेपोम्नियाशि हैं। वह इस सप्ताह लाइव रेटिंग में 2771.2 अंक तक पहुंचे और विश्वनाथन आनंद के बाद यहां तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं।

गंभीर चतुर रणनीतिकार: लालचंद

मुंबई, एजेंसी

भारत के पूर्व कोच लालचंद राजपूत का मानना है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए सही उम्मीदवार हैं क्योंकि वह एक चतुर रणनीतिकार के साथ ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिसने दो बार विश्व कप का खिताब जीता है। गंभीर ने आधिकारिक तौर पर भारत के कोच पद के लिए आवेदन किया है या नहीं इस बारे में पुष्ट जानकारी नहीं है लेकिन यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ की जगह ले सकते हैं। भारत के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 मई को समाप्त हो गई है।

भारतीय टीम ने राजपूत के कोच रहते 2007 में टी20 विश्व कप जीता था। उन्होंने मंगलवार को एजेंसी से कहा, ''गंभीर पूरी तरह से काम के प्रति समर्पित रहते हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत से क्रिकेट खेला है और वह खेल को अच्छी तरह से समझते है। यह केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) के लिए भी देखा गया है।'' राजपूत ने आईपीएल में केकेआर की सफलता का जिक्र करते हुए कहा, ''केकेआर पिछले साल भी यही टीम थी। इस साल टीम में आये बदलाव को आप महसूस कर सकते है। गंभीर एक चतुर राण्नीतिज्ञ भी हैं।'' आगामी मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीटी20) में जबलपुर लायंस के क्रिकेट निदेशक राजपूत ने कहा कि दो बार के विश्व कप विजेता भारतीय खिलाड़ी के रूप में गंभीर का अनुभव भी टीम के काम आएगा। उन्होंने कहा, '' गंभीर ने एक खिलाड़ी के रूप में दो विश्व कप जीते हैं । वह एक अच्छे उम्मीदवार हैं, लेकिन यह सब बीसीसीआई पर निर्भर करता है कि वे किसे चाहते हैं। मेरी समझ से गंभीर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए सही उम्मीदवार होंगे ।'' भारत के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने 2007 विश्व टी20 जीतने वाली भारतीय टीम और अमेरिका की वर्तमान टीम की तुलना करते हुए कहा कि टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का होना फायदेमंद रहता है। उन्होंने कहा, ''आपके पास कुछ अनुभव भी होना चाहिए। हम बिल्कुल नई टीम के साथ नहीं जा सकते क्योंकि विश्व कप में दबाव भी होता है।'' राजपूत ने कहा, ''आपके पास कुछ सीनियर खिलाड़ी होने चाहिए और उसके साथ जूनियर भी क्योंकि वे एक-दूसरे का पूरक होते हैं। अगर आप हमारी 2007 टीम को देखें, तो (वीरेंद्र) सहवाग, गंभीर, इरफान पठान, हरभजन (सिंह), आरपी सिंह और युवराज जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम में थे। इसके साथ ही रोहित शर्मा, रॉबिन उथप्पा और यहां तक कि दिनेश कार्तिक जैसे युवा खिलाड़ी थे। यह एक अच्छा मिश्रण था।''

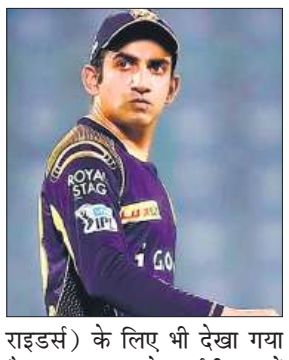

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

बाढ़ बनी आफत

रेमल चक्रवात के बाद से गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया। इससे लोगों को पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश और बाढ़ की वजह से कई लोग जान गवां चुके हैं।

चांद के अंधेरे हिस्से से निकाली दो किलो मिट्टी

बीजिंग, एजेंसी

- चीन का मून लैंडर चांग ई-6 धरती पर लौट रहा है, चीन अपने इस मिशन में कामयाब हुआ तो ऐसा करने वाला पहला देश होगा

चीन ने पिछले महीने 3 मई को चांग ई-6 मून लैंडर लॉन्च किया था। अब इस मून लैंडर ने चांद के अंधेरे हिस्से से मिट्टी निकालने में कामयाबी हासिल कर ली है। ये जानकारी चीनी स्पेस मिशन ने दी है। न्यूज वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक चीन ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से से मिट्टी का सैंपल लेने के लिए मून लैंडर में ड्रिल कर खोदने और फिर मलबे को उठाने की मैकेनिकल आर्म लगाई गई थी।

चीन की अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया कि इस सैंपल के विश्लेषण से अंतरिक्ष वैज्ञानिकों को चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में भी होगा।

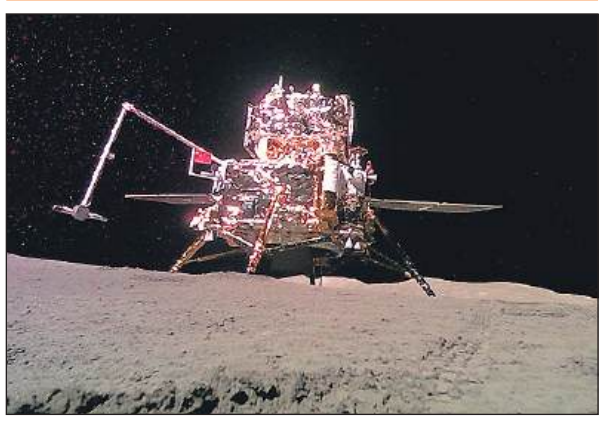

पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में फहराया चीनी झंडा : चांद से मिट्टी इकट्ठा करने के बाद चांग''ई-6 ने पहली बार चांद के दक्षिणी हिस्से में चीन का झंडा फहराया। चीनी स्टेट मीडिया के मुताबिक अब अपने मिशन को अंजाम देने के बाद मून लैंडर चांग''ई-6 वापस लौट रहा है।

25 जून को वापस लौटेगा चांग ई-6

चीनी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने चीनी स्पेस एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि चांग''ई-6 ने मंगलवार सुबह 7:38 बजे चांद से उड़ान भरी। चांग''ई-6 फिलहाल चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर चुका है। योजना के मुताबिक चांग''ई-6 चीन के इनर मंगोलिया इलाके के रेगिस्तान में करीब 25 जून के आसपास लैंड करेगा। इसे चीन का अब तक का सबसे मुश्किल मून मिशन बताया जा रहा है। अगर 25 जून को चीनी मून लैंडर वापस धरती पर सफलतापूर्वक उतरने में सफल होता है तो चीन के साथ-साथ ये पूरे मानवजाति के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। इससे पहले बीते रविवार की सुबह चांग''ई-6 ने चांद के अंधेरे वाले हिस्से ऐटकेन बेसिन पर सफल लैंडिंग की थी।

चांद के सुदूर हिस्से तक पहुंचना क्यों मुश्किल?

चांद के इस हिस्से पर लैंडिंग दूसरे हिस्सों के मुकाबले ज्यादा मुश्किल है। इसकी वजह ये है कि चांद के इस हिस्से में अंधेरा होता है, ये उबड़-खाबड़ है। इसके चलते यहां संपर्क मुश्किल होता है और लैंडिंग में परेशानी आती हैं। चीन को 2030 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजना है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चीन एक रिसर्च बेस बनाना चाहता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चांग''ई-6 लैंडर जो सैंपल लेकर आएगा उनसे चंद्रमा, पृथ्वी और सौर मंडल के बनने और उनका विकास होने से जुड़े सुराग मिल पाएंगे। इस डेटा का इस्तेमाल चीन के आने वाले मून मिशन्स में होगा।

एक नजर

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस रिसाव से 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के क्वेटा के पास एक कोयला खदान में गैस रिसाव के कारण नौ खनिकों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोयला खदान क्वेटा से 40 किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना के बाद खदान बंद कर दी गई थी। अखबार ने कहा कि नौ खनिकों के अलावा, एक ठेकेदार और एक खदान प्रबंधक भी मृतकों में शामिल हैं।

300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार घर लौटे

काबुल। पिछले कुछ दिनों में 300 से अधिक अफगान शरणार्थी परिवार पाकिस्तान और ईरान से स्वदेश लौट आए हैं। सरकारी बख्तर समाचार एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि कुल 303 परिवार जो दोनों पड़ोसी देशों में वर्षों तक शरणार्थी के रूप में रहते थे, कुछ दिन पहले अपने वतन लौट आए। कथित तौर पर पिछले नवंबर से दोनों देशों से 10 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी, जिनमें से अधिकांश बिना दस्तावेज वाले प्रवासी हैं, घर लौट आए हैं। अफगान की कार्यवाहक सरकार अफगान शरणार्थियों से विदेश में शरणार्थी के रूप में रहना बंद करने और युद्धग्रस्त मातृभूमि की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में योगदान देने के लिए घर लौटने का आह्वान करती रही है।

कॉर्निल ने ग्रहण किया प्रधानमंत्री का पदभार

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती के अंतरिम प्रधानमंत्री गैरी कॉर्निल ने आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद ने मई के अंत में अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (यूनिसेफ) के स्थानीय विभाग के निदेशक गैरी कॉर्निल को चुना। श्री कॉर्निल पहले ही 2011-2012 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर कहा, सोमवार को एक समारोह के दौरान प्रधानमंत्री डॉक्टर गैरी कॉर्निल को संक्रमणकालीन राष्ट्रपति परिषद के अध्यक्ष एडगार्ड लेब्लांक फिल्स से संक्रमणकालीन सरकार के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति पर एक विस्तारित निर्णय प्राप्त हुआ। कार्यालय ने जारी बयान में कहा कि समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव दिया कि सभी इच्छुक पक्ष अपने विवादों को छोड़ दें।

भारत में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर वर्ल्ड मीडिया की रहीं नजरें

वॉशिंगटन पोस्ट ने कहा- मोदी पहली बार पूर्ण बहुमत से चूके

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 2024 के लोकसभा चुनाव में वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को उम्मीद के मुताबिक सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नतीजों को न सिर्फ देश के लोग बल्कि पूरी दुनिया टकटकी लगाकर देख रही है। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्रिटेन का बीबीसी ने लाइव कवरेज किया। शुरुआती नतीजों को वर्ल्ड मीडिया अपने नजरिये से परख रहा है।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने नतीजों को प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल के कार्यकाल पर रेफरेंडम बताया है। टाइम्स के मुताबिक, काफी हद तक नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म मिलेगा। भारत में नए बने विपक्षी गठबंधन ने मोदी की बंटवारे की राजनीति के खिलाफ वोट मांगा था। विपक्ष ने लोगों के मन में ये डर भरा था कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल देगी।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा।

- अलजजीरा ने लिखा- जीते तो भी पीठ नहीं थपथपा पाएंगे

बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने लिखा- ऐसा लगता है कि इस बार कमजोर भाजपा की सरकार बनेगी। भारतीय शेयर बाजार को पीएम मोदी की भारी जीत की उम्मीद थी लेकिन शुरुआती परिणामों ने उसे डरा दिया है। यही वजह है कि शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इसके साथ ही बांग्लादेशी अखबार ने सीएम ममता बनर्जी की तारीफों के पुल भी बांधे हैं।

अखबार लिखता है कि एग्जिट पोल्स में तृणमूल कांग्रेस को काफी कम सीटें दिखाई गई थीं, लेकिन असल परिणाम कुछ और बता रहे हैं। ममता बनर्जी ने बीजेपी को एक बार फिर से मात दी है। रॉयटर्स ने लिखा है कि शुरुआती रुझानों में पीएम मोदी की पार्टी और उनका गठबंधन आगे दिखाई दे रहा है। उम्मीद के उलट नतीजों की वजह से बाजार परेशान होकर लगातार गिरता जा रहा है।

अमेरिका का वॉल स्ट्रीट जर्नल

भारत के नरेंद्र मोदी बहुमत हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। शुरुआती रुझानों में उन्हें उम्मीद मुताबिक नतीजे नहीं मिल रहे। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा कि मोदी और उनकी हिंदू राष्ट्रवादी पार्टी को विपक्ष ने कड़ा झटका दिया है।

फ्रांस 24 ने लिखा-

भारत के चुनाव में विपक्ष उम्मीद से कड़ी टक्कर दे रहा है। 10 साल की सत्ता में नरेंद्र मोदी ने भारत की राजनीति के परिदृश्य को ही बदल दिया था। उनकी पॉपुलैरिटी ने उनकी पार्टी को पीछे छोड़ दिया। मोदी ने संसदीय चुनाव को राष्ट्रपति चुनाव जैसा बना दिया। नतीजा ये रहा कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए मोदी ब्रांड पर निर्भर रहती है।

उ. कोरिया के साथ सैन्य समझौता स्थगित करेगा द. कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया की सरकार ने उत्तर कोरिया के साथ एक विवादास्पद सैन्य समझौते को निलंबित करने को मंजूरी दे दी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे वह उत्तर कोरिया के उकसावे पर सख्त प्रतिक्रिया दे सकेगा।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब हाल ही में दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी है। इससे पहले दक्षिण कोरिया द्वारा कुछ पर्चे भेजे जाने के जवाब में उत्तर कोरिया ने सीमा पार कचरा ले जाने वाले गुब्बारे उड़ाए थे। मंगलवार को दक्षिण कोरिया की कैबिनेट काउंसिल ने सीमा पर सैन्य तनाव को कम करने के लिए 2018 के अंतर-कोरियाई समझौते को निलंबित करने के उद्देश्य से एक प्रस्ताव पारित किया।

- कचरे के गुब्बारे उड़ाने के मामले पर दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच दुश्मनी तेजी से बढ़ी

सरकारी अधिकारियों के अनुसार यह प्रस्ताव राष्ट्रपति यूं सूक येओल द्वारा हस्ताक्षर किए जाने के बाद औपचारिक रूप से प्रभावी होगा। वे संभवतः मंगलवार देर शाम तक इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

टोक्यो में कार्गो विमान की कराई इमरजेंसी लैंडिंग

आपात लैंडिंग के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को घेर लिया।

टोक्यो, एजेंसी

- विमान में आग लगने के बाद करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

जापान में टोक्यो के नारिता हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ सेकंड बाद ही एक मालवाहक विमान में आग लगने की वजह से आपात स्थिति में उतारा गया।

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। एनएचके द्वारा प्रसारित लाइव फुटेज में दिखाया गया कि विमान के दाहिने ओर की इंजन में आग लग गई। इसके बाद विमान ने आपातस्थिति में उतारने के लिए घोषणा की। हवाई अड्डे के अनुसार विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 11:20 बजे उतरना था। आपातकालीन लैंडिंग के बाद रनवे को बंद करने की कोई योजना नहीं है।

तुर्की में विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत

अंकारा। तुर्की के मध्य प्रांत काइसेरी में मंगलवार को सैन्य प्रशिक्षण के दौरान विमान दुर्घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई। तुर्की रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, हमारे वायु सेना कमान का एक एसएफ-260डी प्रकार का प्रशिक्षण विमान, जो प्रशिक्षण के लिए काइसेरी में 12वीं वायु परिवहन मुख्य बेस कमान से उड़ान भर रहा था, अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान काइसेरी प्रांत के कोकासिनान जिले के हसन अर्पा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

थ्यानमेन नरसंहार की वर्षगांठ पर चीन-हांगकांग में भारी सुरक्षा

बीजिंग, एजेंसी

- लोकतंत्र समर्थकों पर कार्रवाई का गवाह है थ्यानमेन चौक

थ्यानमेन नरसंहार की 35वीं बरसी पर चीन और हांगकांग में सुरक्षा के भारी बंदोबस्त किए गए। इस दौरान लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों पर खूनी कार्रवाई के गवाह रहे थ्यानमेन चौक को जाने वाली सड़कों पर पुलिस चौकियां और बख्तरबंद वाहनों की कतारें देखी गईं।

हांगकांग पुलिस ने भारी चौकसी बरतते हुए बरसी संबंधी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम को रोकने के लिए सड़क से कम से कम दो लोगों को हटा दिया। चीन काफी समय पहले ही नरसंहार की उन सभी निशानियों को कुचल चुका है जब चीनी सरकार ने कम्युनिस्ट शासन को बनाए रखने और महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए सेना को कार्रवाई का आदेश दिया था। इस आदेश के बाद अनुमान है कि 180,000 सैनिक और सशस्त्र पुलिस बल टैंकों के साथ पहुंचे और थ्यानमेन चौक पर प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोलियां बरसाईं। आज तक मरने वालों की संख्या का पता नहीं चल पाया है। ये माना जाता है कि हजारों नहीं तो सैकड़ों लोग इस अभियान में मारे गए थे जो कि एक रात पहले शुरू होकर 4 जून, 1989 की सुबह समाप्त हुआ था। यह नरसंहार आधुनिक चीनी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों के पक्ष में संकट समाप्त हो गया जो राजनीतिक सुधारों की बजाय नियंत्रण का समर्थन करते थे।

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली मिशन की इमारत से फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को में इजराइली वाणिज्य दूतावास की इमारत की लॉबी में घुसे फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन एसोसिएट प्रेस के संवाददातओं ने पुलिस को लगभग 50 लोगों को अपने साथ ले जाते हुए देखा। अधिकारी उन्हें पुलिस वैन में बैठाकर वहां से ले गए।

सोमवार को फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शनकारियों का एक समूह इमारत में घुस गया और कई घंटों तक वहां रहा। प्रदर्शनकारियों ने इमारत के मुख्य द्वार पर इजराइल-हमास युद्ध को रोकने का आह्वान करते हुए पोस्टर लगाए। सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को कई बार चेतावनी दी और उन्हें वहां से चले जाने को कहा, लेकिन इसके बाद वे आगे बढ़ते रहे, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इजराइल के महावाणिज्यदूत मार्को सेरमोनेटा ने कहा कि प्रदर्शनकारी सुबह करीब नौ बजे फाइनेंशियल डिस्ट्रिक की इमारत के पास एकजुट हुए, लेकिन वाणिज्य दूतावास के कार्यालयों में प्रवेश नहीं कर सके।

प्रदर्शनकारियों को ले जाती पुलिस।

- सोमवार को दूतावास की इमारत में घुस गए थे प्रदर्शनकारी

सीपीईसी के तहत सहयोग बढ़ाने पर शी के साथ चर्चा करेंगे शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी

- 4 से 8 जून तक चीन की यात्रा पर हुए रवाना

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को चीन की पांच दिवसीय सरकारी यात्रा पर रवाना हुए, जिसका मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाना और अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत सहयोग बढ़ाना है।

शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। जियो न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शरीफ मार्च में पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार बनने पर दूसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद पहली विदेश यात्रा पर चीन रवाना हुए हैं। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने पिछले सप्ताह बीजिंग में कहा था कि अपनी यात्रा के दौरान शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी के साथ वार्ता करेंगे और चीन-पाकिस्तान संबंधों के विकास के लिए संयुक्त रूप से एक खाका तैयार करेंगे। सोमवार को पाकिस्तान में चीनी राजदूत जियांग जेदोंग ने कहा कि दोनों देशों की जनता के मजबूत समर्थन से शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह सफल होगी और चीन-पाकिस्तान संबंधों के विकास में मील का पत्थर बनेगी।

बॉलीवुड हलचल

मिस्टर एंड मिसेज माही के गाना का वीडियो रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाल फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही का गाना तू ही तो का वीडियो रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत रोमांटिक ड्रामा मिस्टर एंड मिसेज माही लगातार लोगों का दिल जीत रही है। अपनी शानदार सिनेमाई रिलीज के बाद, फिल्म के निर्माताओं ने अब तू है तो नामक रोमांटिक गीत का आधिकारिक वीडियो जारी किया है। हनी एंड बनी द्वारा रचित, बनी और सागर द्वारा गाया गया, सागर के बोलों के साथ, तू है तो एक सूफी प्रेम गीत है। गाने के बारे में बात करते हुए, संगीतकार और गीतकार जानी ने साझा किया, तू है तो एक भावपूर्ण धुन है जो श्रोताओं को सूफी प्रेम गीतों के युग में वापस ले जाती है। यह व्यक्तिगत रूप से फिल्म के मेरे पसंदीदा गीतों में से एक है और मुझे लगता है कि हनी और बनी ने इसे अविश्वसनीय रूप से बेहतरीन तरीके से पेश किया है। मुझे खुशी है कि गाना आखिरकार अब रिलीज़ हो गया है।

पिता बने वरुण धवन पत्नी नताशा ने दिया बेटी को जन्म

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और नताशा दलाल के घर बेटी का जन्म हुआ है। वरुण धवन के पिता और निर्देशक डेविड धवन ने सभी फैंस को बेबी गर्ल के जन्म की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नताशा ने बेटी को जन्म दिया है और वरुण बेटी के पिता बन गए हैं। यह खबर सुनकर फैंस काफी खुश हो रहे हैं। हर कोई वरुण को बधाई दे रहा है और साथ ही ढेर सारी शुभकामनाएं भी फैंस द्वारा दी जा रही है।

भारत के दो हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रहे मालदीव के रक्षा कर्मी

माले। भारत के मालदीव से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी, भारत की ओर से मालदीव को दिए गए दो हेलीकॉप्टरों का नियमित रूप से संचालन किया जा रहा है।

अजाजू डॉट कॉम ने एक हवाईअड्डा अधिकारी के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर उड़ाए जाने पर मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) का एक सैनिक उनपर मौजूद रहता है। चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में सत्ता में आने पर अपने देश से सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने का वादा किया था। 10 मई की तय समयसीमा तक 88 में से अंतिम भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेज दिया गया था। भारत की तरफ से उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का उपयोग मालदीव में सैकड़ों निकासी और मानवीय मिशनों के लिए किया गया है।

खगोल विज्ञान चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों की खोज

बौनी आकाशगंगाओं में तारा निर्माण व विलय का खुलासा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : बौनी आकाशगंगाओं में तारों का निर्माण व उनके विलय का खुलासा वैज्ञानिकों ने किया है। बौनी आकाशगंगाओं में होने वाली भौतिक प्रक्रिया की यह पहली खोज है। जिस कारण इस खोज को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीनी विज्ञान अकादमी युन्नान वेधशाला के वैज्ञानिकों ने यह खोज की है। दरअसल बौनी आकाशगंगाओं के बारे में हमारी जानकारी अभी भी प्रयाप्त नही है। माना जाता था कि बौनी आकाशगंगाओं का ब्रह्मांड में सीमित स्थान है और उनमें बहुत कम प्रक्रिया होती होगी। मगर वास्तव में ऐसा नही है, बल्कि ब्रह्मांड में अपना खासा वर्चस्व रखती है।

बौनी आकाशगंगा की तस्वीर।

चीनी विज्ञान अकादमी के वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगाओं में विलय और ज्वारीय अंतःक्रियाओं सहित आकाशगंगाओं के बीच अंतःक्रियाओं का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया गया है। शोध में बताया है कि विशाल आकाशगंगाओं के बीच विलय से आकाशगंगाओं की आकृतियाँ बदल सकती हैं, तारों का निर्माण बढ़ सकता है और यहाँ तक कि तारों का विस्फोट भी हो सकता है। मगर बौनी आकाशगंगाओं के कमजोर गुरुत्वाकर्षण के कारण तारा निर्माण वितरण और घनत्व विलय और तारकीय नकारात्मक प्रतिक्रिया से अधिक आसानी से प्रभावित होते हैं। वैज्ञानिकों ने बौनी आकाशगंगा वीसीसी 322 का विश्लेषण किया। यह शोध द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने आकाशगंगा का रंग और एकल तारकीय जनसंख्या मॉडल फिटिंग के आधार पर ज्वारीय धात्विकता और तारकीय आयु का अध्ययन किया। तब जाकर बौनी आकाशगंगा की भीतरी जानकारी सामने आ पाई।

बौनी आकाशगंगाओं पर अधिक शोध की जरूरत

बौनी आकाशगंगाओं को लेकर अधिक शोध की जरूरत है। भले ही यह पूर्णरूप से विकसित नही हो पाई हों, लेकिन ब्रह्मांड में इनके अस्तित्व को कम करके नही आंका जा सकता है। संभव है कि यह ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर करने में महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभा सके।